हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

27 जुलाई, 1998

खण्ड 2, अंक 5

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 27 जुलाई, 1998

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(5)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(5)17
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(5)24
विभिन्न मामले उठाना/ध्यानाकर्शण प्रस्तावों की	(5)26

सूचनाएं इत्यादि	
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(5)33
वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)34
बैठक का समय बढ़ाना	(5)64
वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)65
बिल्ज– (1) पंजाब आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा व्यवसायी (हरियाणा सं ाोधन तथा विधिमान्यकरण) विधेयक, 1998 (2) हरियाणा नगरपालिका (सं ाोध्न) विधेयक, 1998	(5)66 (5)69
वाक आउट	(5)71
बिल्ज– हरियाणा नगरपालिका (सं ाोध्न) विधेयक, 1998 (पुनरारम्भ) (3) हरियाणा ग्रामीण विकास (सं ाोधन) विधेयक, 1998 (4) पंजाब आबकारी (हरियाणा तृतीय सं ाोधन) विधेयक, 1998	(5)72 (5)72 (5)74

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 27 जुलाई, 1998

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में दोपहर 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: साहेबान अब ब्वै चन आवर होगा।

Loading/Unloading and Transporation Charges

***670. Sh. Ram Pal Majra:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state-whether it is a fact that the loading/unloading and transporation charges of sugarcane are being charged from the farmers by the Haryana State Cooperative Sugar Mills for bringing the sugarcane to the Millsl from their respective collection centres; if so, since when the same is being charged ?

सहकारिता मंत्री (श्री नरबीर सिंह): वर्णन सदन के पटल पर रखा जाता है।

वर्णन

सहकारी चीनी मिलें गन्ना संग्रेह केन्द्रों से गन्ना मिल तक लाने के लिए हमे ाा से ही किसानों से ढुलाई खर्चा लेती रही है। लदाई/उतराई खर्च की प्रथा 1995–96 तक घटती बढ़ती

रही। पिड़ाई सत्र 1996–97 व 1997–98 के लिए सभी मिलों के लिए सभी मिलों ने लदाई/उतराई का खर्चा लिया था। अब सरकार ने आने वाले पिड़ाई सत्र 1998–99 के लिये ढुलाई, लदाई/उतराई का खर्चा लेने का निर्णय प्रत्येक सहकारी चीनी मिल के निदे ाक–मण्डल पर ही छोड़ दिया है।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, इस खर्चे को किसानों पर डालने के बाद किसान निरूत्साहित हुए हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए गन्ने की लदाई/उतराई का जो 5 रूपये से 11 रूपये तक का खर्चा है उसे सरकार वापिस लेने पर विचार करेगी ?

श्री नरबीर सिंहः स्पीकर साहब, सरकार को ऐसा कोई विचार नहीं है।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, किसानों पर यह खर्चा डालने के बाद किसानों ने काफी कम गन्ना उगाना भ्रारू कर दिया है जिसके कारण अब की बार गन्ने की पिड़ाई इसीलिए थोड़े समय तक रही और आगे के लिए भी ऐसा महसूस किया जा रहा है कि गन्ने की कम पैदावार होने के कारण चीनी मिलें कम समय तक चल पाएंगी। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ऐसा कोई अल्टर नेटिव प्रबंध कर रही है जिससे किसान

प्रोत्साहित होकर गन्ने की पैदावार बढाएं ताकि चीनी मिलें पूरे सीजन चलें।

श्री नरबीर सिंहः स्पीकर साहब, अगर यह खर्चा किसानों से न भी लिया जाए तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि गन्ने की पैदावार हर साल घटती बढ़ती रहती है।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए प्राइवेट चीनी मिलों ने गन्ने का काफी ज्यादा रेट दिया है। जैसे भादसों प्राइवेट चीनी मिल ने किसानों को काफी ज्यादा गन्ने के रेट दिये इसलिए उस इलाके में किसानों ने प्रोत्साहित करने के लिए क्या सरकार उनको कोई इनसैंटिव देगी ताकि किसान गन्ना ज्यादा बोयें ? क्या सरकार गन्ने के पिछले रेट को मददेनजर रखते हुये अगले सीजन में गन्ने के रेट बढाएगी ?

श्री नरबीर सिंहः स्पीकर साहब, गन्ने के पिछले रेट को ही ध्यान में रख कर नया रेट निर्धारित किया जाएगा लेकिन गन्ने की उतराई/लदाई के बारे में फैसला चीनी मिलों के बोर्ड आफ डायरैक्टर्ज पर छोड़ दिया गय है। सहकारी चीनी मिलों के नजदीक जो प्राईवेट चीनी मिले हैं जैसा वह करते हैं वैसा ही बोर्ड आफ डायरेक्टर्ज अपने हिसाब से कर लें।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सरकार ने गन्ने की

उतराई/लदाई के खर्चे के बारे में फैसला चीनी मिलों के बोर्ड आफ डायरैक्टर्ज पर छोड़ दिया है। इस फैसले को सरकार क्यों नहीं करती और यह खर्चा चीनी मिलें ही दें यह खर्चा किसानों पर नहीं पड़ना चाहिए।

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह फैसला बोर्ड आफ डायक्टरर्ज पर इसलिए छोड़ दिया गया है क्योंकि वे जनता के चुने हुए हैं इसलिए वही जनता की ज्यादा भलाई समझते हैं।

श्री अ ाोक कुमारः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि गन्ने की उतराई/लदाई के खर्चे के बारे में फैसला चीनी मिलें के बोर्ड आफ डायरेक्टर्ज पर छोड़ दिया हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यदि कोई प्राइवेट चीनी मिल किसानों से गन्ने के ज्यादा रेट देता है तो क्या उसके नजदीक के चीनी मिल का बोर्ड आफ डायरैक्टर्ज उतना ही रेट देंगे।

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में केन कमि ानर फैसला करेगा।

Vegetable Market for Charkhi Dadri

***755. Sh. Sat Pal Sangwan:** Will the Minister for Horitculture and Marketing be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Vegetable Market at Charkhi Dadri, District Bhiwani ?

Minister of State For Horticulture and Marketing (Sh. Jagbir Singh Malik): Yes, Sir.

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, पिछले सदन में मैंने यही सवाल किया था उस वक्त भी मुझे यही जवाब मिला "यस सर"। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि वहां पर सब्जी मण्डी व अनाज मंडी बनाने के लिए क्या सैक ान 4 से 6 के नोटिस इ ा हो चुके हैं या नहीं। दूसरे मैं यह जानना चाहूंगा कि हमारी ये मंडियां कब तक बन जाएंगी ?

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, वहां पर सब्जी मण्डी व अनाज मंडी बनाने का प्रावधान किया हुआ है। वहां पर इस काम के लिए सैक ान 4 के तहत 32 एकड़ 6 कैनाल जमीन अधिग्रहण कर ली गई है। अब सैक ान 6 के तहत वहां पर औब्जैक ांज मांगे हुए हैं। इन औब्जैक ांज के बाद यदि कोई दिक्कत न आई तो ये दोनों मंडियां दो साल में बना कर तैयार कर दी जाएंगी।

श्री कैला ा चन्द्र भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि नारनौल के अन्दर सैनी बाहुल एक छोटा सा कस्बा है। वहां पर पहाड़ी एरिया है। वहां सब्जी की कम खपत है जबकि वहां पर सब्जी बहुत अधिक होती है। वहां पर मंडी आदि न होने के कारण वह सब्जी बाहर पड़ी रहती है और सड़ जाती है। वहां पर सब्जी मंडी बनाने की

मांग लोगों की तरफ से बराबर आ रही है। क्या मंत्री जी वहां पर सब्जी मंडी बनाने की कृपा करेंगे ?

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, जहां पर भाई कैला ा चन्द्र मंडी बनाने की बात कह रहे हैं और ये इसको बनाया जाना जरूरी समझते हं तो इसको हम एग्जामिन करवा सकते हैं।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह सवाल सब्जी मंडी, दादरी के बनाये जाने तक सीमित है। मैं इसको वहीं तक सीमित रखूंगा। लेकिन मैं सरकार की मंडी बनाये जाने की पालिसी मैटर के बारे में जानना चाहूंगा। सरकार ने घोशणा की थी कि जो लाईसेंसी आलरेडी दादरी की सब्जी मंडी में या दूसरी सब्जी मंडियौं में बैठें हैं क्या उनको रियायती दरों पर दुकानें देंगे ? उनको दुकानें देने के बाद जो दुकानें बचेंगी उन दुकानों की ओक ान करेंगे इस बारे में सरकार का क्या विचार है ?

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, यह मैटर सब–जुडिस है। रिजर्व प्राईस पर दुकानें देने या न देने के कारण ही यह मामला कोर्ट में पैंडिंग है। इसलिए इसका ज्यादा जवाब नहीं दिया जा सकता।

श्री अध्यक्षः दादरी में सब्जी मंडी बनायी जानी बहुत जरूरी है क्योंकि यह हमारा सबसे पुराना सब डिवीजन है। वहां से तीन एम0एल0ए0 मैं, सांगवान साहब व नृपेंदर जी हैं। क्या इस

मामले को आप जल्दी से एक्सपीडाइट करवाने का आ वासन देंगे ?

श्री जगबीर सिंह मलिकः जो जमीन हमने अधिग्रहण करनी है, उसका हमने पोजै ान लेना है व पोजै ान लेने के बाद जो एतराजात आएंगे उनको सैटल करना है। उसके मंडी को जल्दी से जल्दी बनवाने की कोि ा ा करेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि मंडियों के अन्दर जहां जहां पर भी भौड बन गए हैं उनका अभी तक औक ान क्यों नहीं किया गया। मैं मंत्री महोदय की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि रिवाड़ी के अन्दर पिछले तीन साल से भौड बन कर तैयार हो चुके हैं लेकिन अभी तक वे औक ान नहीं हुए हैं। लोग बाहर रेहड़ी लगाते हैं जिससे वहां से निकलना भी मुि कल हो रहा है।

श्री अध्यक्षः यह इररेलेवेन्ट क्वै चन है। आप बैठिये।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने यह बताया कि यह मामला सब–जूडिस है, ये सब जूडिस सिर्फ इसलिये कह रहे हैं क्योंकि इन्होंने उन दुकानों की ओपन औक ान करने के लिए पोलिसी बना ली है। अगर ये दुकानें रिजर्व प्राईस पर ही अलाट कर देते तो दुकानदार बेचारे कोर्ट में ही न जाते। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने मैनिफैस्टों में भी सस्ते दामों पर दुकानें देने के बारे में कहा था, मैनिफैस्टों मेरे पास है और आपने भी पढ़ा

होगा। अध्यक्ष महोदय, अगर ये सस्ते दामों पर दुकानें देने का फैसला कर लें तो यह मामला खत्म हो सकता है। यह एज ऐ मटर ऑफ पोलिसी की बात है। अध्यक्ष महोदय, जो लोग लाईसैंस होल्डर हैं उनको तो रिजर्व प्राईस पर दुकानें दे देनी चाहिएं बाकि जिनके पास लाईसैंस नहीं हैं उनको ओपन औक ान से दुकानें दे अगर ये ऐसा करेंगे तो सरकार के पास पैसा भी आ जाएगा। और उन लोगों की तकलीफ भी खत्म हो जाएगी। (विघ्न)

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि ये दुकानें लाईसैंस होल्डरों को सस्ते दामों पर देने के लिए बनाई गई थीं लेकिन लाईसैंस होल्डरों में झगड़ा हो गया कि कौन लाईसैंस होल्डर है और कौन नहीं। अध्यक्ष महोदय, ये दुकानें अलाट न होने से बोर्ड को बहुत ज्यादा नुक्सान हो रहा था इसलिए यह मामला कोर्ट में चला गया। अध्यक्ष महोदय, होई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार ही यह तय किया गया कि इन दुकानों की ओपन ओक ान की जायेगी।

Construction of Roads

***617. Sh. Dev Raj Dewan:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. a road from village Mahara to Sitauli in District Sonipat

Public Works Minister (Sh. Dharamvir Yadav): This road stands already constructed.

श्री देव राज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं और इसके साथ साथ यह भी जानना चाहूंगा कि इनमें से एक सड़क पर मिट्टी डली हुई है और दूसरी सड़क पर मिट्टी डालने का काम बकाया है तो इन दोनों सड़कों को जल्दी से जल्दी कब तक बना दिया जाएगा ?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, इन सड़कों का इस साल के अन्त तक काम पूरा हो जाएगा।

श्री देव राज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधुः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जून 1996 में भारी बारि ा के कारण महेन्द्रगढ़ जिले की जो सडकें क्षतिग्रस्त हो गई थीं, वे सडकें कब तक रिपेयर करा दी जाएंगी ?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा की सभी सड़कों का सर्वे कराया जा रहा है बाढ़ के कारण जो भी सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं उनकी मरम्मत भीघ्राति ीघ्र करा दी जाएगी।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या मार्किटिंग बोर्ड द्वारा हर एक विधायक के क्षेत्र में दो दो या तीन तीन नई सडकें बनाने का सरकार इरादा रखती है ?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Supply of the Sprinkler Nozzle

***775. Sh. Narpender Singh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether Mahavir Aluminium Ltd., Delhi had supplied the Sprinkler Nozzle to the farmers during the period from 1986-87 to 1997-98; if so, the year-wise details thereof; and

(b) whether it is a fact that the firm referred to in part (a) above has supplied Sprinkler Nozzle Model 'A' and charged the reates of the Sprinkler Nozzle Model 'AA'; if so, the action taken against the said firm ?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) हां, श्रीमान जी। इस फर्म द्वारा सप्लाई किए गये फव्वारा संयंत्राों का वर्शवार विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

(ख) वर्तमान में यह मामला जांच के अधीन है।

विवरण

क्र0सं0	वर्श	आपूर्ति किय गये सैटों की संख्या

1	1986–87	344
2	1987–88	686
3	1988–89	उपलब्ध नहीं है।
4	1989–90	547
5	1990–91	547
6	1991–92	984
7	1992–93	1097
8	1993–94	218
9	1994–95	69
10	1995–96	352
11	1996–97	388
12	1997–98	221

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय कृशि मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या साल 1997–98 से स्प्रिंक्लर नोजलज का आई0एस0आई0 मार्का होना आव यक कर दिया गया है यदि हां तो क्या दोनों मॉडल्ज की

सप्लाई के आई0एस0आई0 न होने की कोई ि ाकायत प्राप्त हुई है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि इन्होंने जो पहला सवाल किया है ये दोनों मॉडल्ज "ए" और "एए" आई0एस0आई0 मार्का कर दिए गए हैं, यह बिल्कुल ठीक है। दूसरे इन्होंने यह पूछा है कि इससे संबंतिध इस कम्पनी ने ठीक सप्लाई नहीं की, इसकी कोई ि ाकायत प्राप्त हुई है। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में किसानों से अभी तक कोई ि ाकायत प्राप्त नहीं हुई है लेकिन डिवैल्पमैंट बैंक ने हमारे डिपार्टमैंट में एक क्वायरी जरूरी लगाई है और उसको जवाब हम लिखकर बैंक को भेजेंगे। इस बारे हमारा डिपार्टमैंट पहले विस्तृत इन्क्वायरी कर रहा है।

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया है कि अभी इस बारे में इन्वैस्टिगे ान्ज चल रही हैं, मैं उनसे यह जानकारी चाहूंगा कि यह जांच कब तक पूरी हो जाएगी ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि जितना जल्दी हो सकेगा यह कम्पलीट हो जाएगी।

Repair of Roads from Kheri-Sadh to Karor

***782. Sh. Balwant Singh:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to repair the road from village Kheri-Sadh to village karor in Rohtak district; and

(b) if so, the time by which the said road is likely to be repaired ?

Public Works Minister (Sh. Dharamvir Yadav):

(a) Yes. Sir.

(b) The repair work on this road will be completed by 31-5-97 subject to availability of funds.

श्री सत नारायण लाठर: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि पहले बाढ के कारण जो सडके क्षतिग्रस्त हो गयी थीं और जिन पर अब वाहन या रेढे चल नहीं सकते हैं, क्या ऐसी सडकों की रिपेयर करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और यदि है तो कब तक इनकी मरम्मत हो जाएगी ?

श्री धर्मवीर यादव: अध्यक्ष महोदय, हम ऐसी सभी सडकों की रिपेयर भीघ्र करवाने जा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी, पिछले कई दिनों से आपके विभाग से संबंधित कई प्र न यहां पर आए हैं। मेरा भी आपसे यही जानने का विचार है कि जो रोडज 1995 की बाढ में सारे प्रदे ा में नश्ट हो गयी थीं और जिनकी आज तक भी मरम्मत नहीं हो पायी है इसलिए विपक्ष के और सत्ता पक्ष के सभी

सदस्यों को इस बात को लेकर गहरी चिंता है कि सारे प्रदे ा में उनके हल्कों की सडकों पर 1995 की बाढ के बाद से आज तक मरम्मत नहीं हो पायी। मुझे नहीं मालूम कि किस वजह से इनकी मरम्मत नहीं हो पायी लेकिन यहां पर आपके विभाग से संबंधित रोजाना दो या चार प्र न इस बारे में जरूर आते हैं। आप भी इस बार को लेकर चिन्तन ील महसूस होते हैं और आपका इनके बारे में जवाब भी ठीक सा ही होता है। क्या आप सारे सदन को यह वि वास दिलाएंगे कि जो रोडज 1995 की बाढ में क्षतिग्रस्त हो गयी थीं तथा जिनको उस समय की सरकार ठीक नहीं करवा सकी थी, उनको कब तक आप ठीक करवा देंगे ?

Sh. Dharamvir Yadav: Mr. Speaker, Sir, on account of heavy rains, there was extensive damage of roads in District Rohtak and other parts of Haryana. अध्यक्ष महोदय, जितनी भी रोडज उस समय डैमेज हुई थीं उन सभी की हम एक सूची बनवा रहे हैं और बहुत भीघ्र ही उनकी रिपेयर भुरू की जायेगी। अप्रैल के पहले सप्ताह से यह काम भुरू हो जाएगा और मैं ऐसी आ ा करता हूं कि 30 जून के पहले पहले इन सभी रोडज की रिपेयर करने की हम कोि ा ा करेंगें। लेकिन इसके बाद भी अगर कुछ रोडज बच जाएंगी तो उनकी भी हम सितम्बर के मध्य के पहले पहले रिपेयर करवा देंगे।

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, कुछ रोडज जो बहुत बडी हैं और कुछ लिंक रोडज हैं पहले जब चौधरी बंसी

लाल जी की सरकार होती थी, तब ही उन सडकों के किनारे किनारे मिटटी डलवायी गयी थी। लेकिन अब ऐसी सडकों के किनारों पर दो दो फुट गहरे गढढे हो गये हैं लेकिन पिछली किसी भी सरकार ने इन गढढों को भरने के लिए मिटटी नहीं डलवायी। आज ऐक्सीडैंट का मेन कारण यही है कि अगर कोई गाडी साईड देती है तो वह सडकों के नीचे गिर जाती है जिसकी वजह से ऐक्सीडैंट हो जाते हैं। क्या मंत्री जी के नोटिस में ऐसी बात है अगर हां तो तब तक ऐसी सडकों के किनारों पर मिटटी डलवाए जाने की योजना है ?

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, हम सडकों की मैटलिंग के साथ साथ उनके अर्थवर्क के काम को भी पूरा करेंगे।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, सोनीपत से गोहाना जाने वाली सडक एवं सोनीपत से रोहतक जाने वाली सडक 1995 की बाढ की वजही से टूट गयी थीं। आज इन दोनों सडकों की बहुत बुरी हालत है। क्या इन सडकों को बनाने की भी इनकी कोई योजना है ? इसके अलावा मैं इनसे यह भी जानना चाहूंगा कि पिछली सरकार के समय जो सडकों की रिपेयर होती थी उसमें एक रस्सी बिछा कर उसके लेवल तक एक एक इंच तक रिपेयर कर दी जाती थी तो क्या अब भी सरकार इन सडकों की ऐसी ही रिपेयर करेगी या इससे अच्छी रिपेयर करने का उसका प्रस्ताव है ?

श्री धर्मवीर यादवः स्पीकर सर, जिन सडकों का ये जिक्र कर रहे हैं तो इन सडकों पर अप्रैल में रिपेयर भ्रारू करवा दी जाएगी और 30 जून से पहले पहले यह काम हो जाएगा। जहां तक इन्हौंने कहा कि रिपेयर अच्छी होनी चाहिए तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि स्पैसिफिके ान के मुताबिक ही रोडज की रिपेयर होगी। मैं आ ाा करता हूं कि हमारी रिपेयर की हुई सडकें कम से कम पांच साल नहीं टूटेंगी।

Construction of New Anaj Mandi at Ambala Cantt.

***716. Sh. Anil Vij:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct new Anaj Mandi at Ambala Cantt; and

(b) if so, the time by which the said Anaj Mandi is likely to be constructed ?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) जी हां।

(ख) अनाज मण्डी की भूमि अभी हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड को स्थानान्तरण नहीं हुई है। अनाज मण्डी का निर्माणभूमि का कब्जा लेने के दो वर्श के भीतर कर दिया जायेगा।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने प्र न का उत्तर 'हां' में दिया और साथ ही यह आ वासन भी दिया कि भूमि ट्रांसफर के दो वर्श के भीतर अनाज मंडी का निर्माण कर दिया जाएगा इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देना चाहता हूं। लेकिन साथ ही यह भी जानना चाहता हूं कि यह जो भूमि ट्रांसफर का मामला है इसमें पिछली गवर्नमैंट ने लोगों की जैनुयन डिमांड के प्रति भी जो एपैथैटिक एटीच्यूड रखा पिछले 5–6 साल से भूमि ट्रांसफर का मामला सरकार से सरकार के बीच चल रहा है और एक म्यूनिसिपैलिटी ने जमीन देनी है और मार्किटिंग बोर्ड ने जमीन लेनी है उसमें इतनी दिक्कत की क्या बात है कि 5–6 साल से यह मामला लटका रहा। मैं जानना चाहूंगा कि इस जमीन के ट्रांस्फर के लिए क्या कोई समय सीमा मंत्री जी नि चित करेंगे जिससे यह भूमि ट्रांस्फर हो जाए और अनाज मंडी बन सके।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं और ये स्वयं भी अच्छी तरह से जानते हैं कि जो अम्बाला सदर में जमीन है वह वहां की नगरपालिका की जमीन है और सडक से दूसरी जमीन का स्तर काफी नीचा है। कई दफा हमारे अधिकारियों ने और विज साहब ने भी सबने खूब प्रयास किये हैं और मैं इन्हें आपके माध्यम से आ वासन देता हूं कि महीने दो महीने में हम जमीन की तबदीली का मामला तय कर देंगे।

श्री कैला ा चंद्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, नांगल चौधरी में अनाज मंडी की जमीन ऐक्वायर हुए 4–5 साल हो गए हैं और दुकानों की नींव भी भर रखी है और पटटे भी बांध रखे हैं लेकिन उसके बाद काम रूका हुआ है। मैं जानना चाहता हूं कि उसमें आगे ये क्या करने जा रहे हैं वे पटटें ही बंधे रहेंगे या खोल कर आगे काम किया जाएगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो नांगल चौधरी के बारे में जिक्र किया है इसके बारे में मैं जानकीर मंगा लेता हूं उसके बाद वहा पर क्या मामला है। उसके बारे में माननीय सदस्य मुझसे कभी भी मिल लें मैं पूरी जानकारी दे दूंगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि रिवाडी की जो अनाज मंडी है उसकी चारदीवारी का पैसा मंजूर हो चुका है। चार दीवारी न बन पाने की वजह से वहां काफी दिक्कत है प ा घुस जाते हैं जिससे किसानों और व्यापारियों को काफी समस्या होती है क्या उस चारदीवारी को पूरा करने की कार्यवाही कराएंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलाल: माननीय कैप्टन अजय सिंह जी अच्छी तरह से जानते हैं कि इनके अपने भाासन काल में कंस्ट्रक ान में और दूसरे कामों में धांधली होती रही। जहां तक हमारे मार्किटिंग बोर्ड का सवाल है मैं रिवाडी की अनाज मंडी की

चारदीवारी के बारे में पता करवा लेता हूं क्योंकि वहां इनकी अपनी सरकार के समय में काम नहीं हुआ। मैं पता करवा लेता हूं अगर कोई बात ठीक होगी तो हम करने की कोि ा ा करेंगे।

श्री दिलू रामः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के सीवन कस्बे में जो कि बहुत बडा तथा पुराना कस्बा है, लोगों की मण्डी की मांग काफी दिनों से चली आ रही है। यह अनाज मण्डी की मांग 1979 से आज तक चली आ रही है और अनाज मंडी के लिए 22 एकड जमीन भी ऐक्वायर हुई। उसके बाद कुछ लोग कोर्ट से स्टे ले आये लेकिन स्टे केवल 4 एकड जमीन का ही है और 18 एकड जमीन खाली पडी है। मुझे पता लगा है कि वर्ल्ड बैंक की तरफ से पैसा भी आ गया है। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि वहां पर काम कब तक भाुरू करवायेंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जैसा इन्होंने कहा कि इस मण्डी का मामला कोर्ट में विचाराधीन है जैसे ही कोर्ट का फैसला हो जायेगा उसके बाद हम विचार कर लेंगे।

श्री अध्यक्षः यह सब ज्यूडिस केस है।

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, बास (हिसार) की अनाज मंडी कई सालों से बनी पडी है और उसे चालू नहीं किया जा रहा है। दूसरे मेरे जिला जींद में पुरानी अनाज मंडी और रोहतक रोड पर नई अनाज मंडी है। किसानों को दोनों

मंडियों में जाना पडता है। तो यह नई अनाज मंडी कब तक चालू करेंगे। मंत्री जी कृपया जवाब दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से प्रार्थना करूंगा कि ये इस बारे में अलग से प्र न दे दें तो विस्तार से बता सकता हूं।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि चरखी दादरी की सब्जी मण्डी जो कि भाहर के बीच में है उसे ि ाफ्ट करके भाहर से बाहर ले जाने का प्रोग्राम 8–10 साल से चल रहा है और सैक ान चार का नोटिस भी जारी हो गया है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इस सब्जी मंडी को बाहर ले जाने का कब तक प्रोग्राम है क्योंकि इससे भाहर में बडी गंदगी रहती है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सतपाल सांगवान जी ने बिल्कुल ठीक कहा है उनकी सलाह पर हम जल्दी ही कार्यवाही करने जा रहे हैं।

श्री रामभजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, भिवानी सब्जी मण्डी में दो साल से भौड बने हुए हैं। लेकिन वे सब्जी के रिटेल डीलरों को अलॉट नहीं किए गए हैं जिससे सरकार का 50–60 हजार रूपये महीने का नुक्सान हो रहा है। मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि ये भौड सब्जी के रिटेल डीलर्ज को अलाट किये जायें। दूसरे, लोहा और लकडी मंडी बनाने का काम पहली अप्रैल

से भाुरू करना था लेकिन उनके प्लाट अभी तक अलॉट नहीं किये गये हैं, उसके बारे में बतायें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैंने पिछली दफा भी सदन को बताया था कि प्लाट अलॉटमैंट करने की पिछली सरकार के समय में जो पौलिसी थी उसमें कोई कमी थी उसकी वजह से सारे हरियाणा के आढती कचहरी या अदालत का सहारा ले लेते थे। हम बहुत जल्दी एक नई पौलिसी इस प्रदे ा में लागू करने जा रहे हं जिससे सभी आढतियों और किसानों को फायदा होगा। रही बात लोहा और लकडी मंडी की, यह मंडी बोर्ड का विशय नहीं है।

श्री आनन्द कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बल्लभगढ अनाज मंडी को भाहर से बाहर ि ाफ्ट करने का कार्य काफी दिनों से चल रहा है लेकिन अभी तक ि ाफ्ट नहीं हो पाई है। उसे कब तक ि ाफ्ट करायेंगे और क्या अनाज मंडी में अनाज के व्यापार के अलावा और काम भी हो सकता है क्योंकि वहां और भी दुकानें बनी हुई हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि जो इन्होंनें दिक्कत बताई है वह बिल्कुल ठीक है। पिछली सरकार ने इस इलाके के साथ जान बूझ कर ज्यादतियां कीं और इस इलाके की समस्याओं

को दूर नहीं किया। जैसा कि मैंने पहले बताया कि इस बारे पौलिसी सरकार के विचाराधीन है और जल्दी ही कोई फैसला लेकर इनकी समस्याओं को दूर करने की कोि ा ा करेंगे।

श्री जगदी ा नैय्यरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि मंत्री जी मेरे हल्के में गये थे तथा इन्होंने वहां पर गांव खामी में सब यार्ड बनाने के लिए हां की थी, यह बात कहां तक अमल में लाई गई है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि मैं खामी गांव में गया था। यह जिला फरीदाबाद का सबसे बडा गांव है। इसके आसपास के गांवों के किसानों को अपनी उपज लेकर बहुत दूर जाना पडता था। वहां पर मैंने यह बात कही थी कि खामी के लोग हमें जमीन उपलब्ध करा दें, वहां पर हम मार्किट कमेटी का सब यार्ड बना देंगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि पानीपत अनाज मंडी का फ र्ा दो फुट ऊंचा है। वहां पर किसानों को अपना अनाज वगैरह डालने में काफी दिक्कते आती हैं। क्या इस मामले में सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ताकि किसानों की समस्याएं दूर हो सकें ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में सारे प्रदे ा में जहां कहीं भी नई या पुरानी अनाज

मंडियां थीं और उनमें जो भी समस्याएं थीं चाहे फ र्ा ऊंचे होने की है, या फ र्ा नीचे होने की है, इस बारे में कोई ध्यान नहीं दिया गया। जहां तक इनकी अपनी मंडी की बात है, अगर इनकी बात जायज होगी तो उसको ठीक कर देंगें।

श्री अध्यक्षः यह जो आप सब यार्ड बनाते हैं और जो इससे भी छोटे यूनिट होते हैं, क्या उनको बनाने के लिए मार्किटिंग बोर्ड कोई सूओ मोटो सर्वे करता है ? लोगों की आव यकताओं को ध्यान में रखते हुए सब यार्ड या मंडी वगैरह का निर्माण किस आधार पर किया जाता है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमारा विभाग इस बात की जानकारी हासिल करता है कि सब यार्ड कहां खोला जाना चाहिए, मार्किट कमेटी कहां खोली जानी चाहिए और परचैंज सैंटर कहां खोला जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त जो आवक उस सब यार्ड की हो सकती है तथा जो उत्पादन उस गांव के सब यार्ड के आसपास होता है, इन सब बातों का अनुमान लगाना होता है। अगर वह अनुमान ठीक आता है तो हरियाणा सरकार का राज्य विपणन बोर्ड वहां पर सब यार्ड, परचेज सैंटर या मार्किट कमेटी खोलने पर विचार करता है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि श्री जगदी ा नैय्यर ने खामी गांव में सब यार्ड खोलने की बात कही है, वह मेरा ही गांव है। मैं बताना

चाहता हूं कि वहां पर सब यार्ड तो पहले से ही है जो कि 3 साल से चल रहा है। वहां पर जरूरत उसका फ र्ा पक्का करने की है। उसके लिए जमीन भी ले रखी है। इसलिए मैं पूछना चाहूंगा कि उसका फ र्ा कब तक बना दिया जाएगा ?

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, जब मैं वहां पर गया था तो वहां पर हुई जनसभा में यह बात नहीं आई थीं कि वहां पर सब यार्ड पहले ही बना हुआ है। उन्होंने तो सब यार्ड की बात कही थी, जिसके लिए मैंनें हां कही थी। अब जैसे कि श्री हर्श कुमार जी ने उसके फ र्ा बनाने की बात कही है, इसके लिए मैं आ वासन देता हूं कि वह हम बना देंगे।

तारांकित प्र न संख्या 763

(यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री नफे सिंह राठी सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Augmentation of 220 K.V. Sub Station of Dhulkot

***787. Sh. Anil Vij:** Will the Chief Minister be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Government to augment the capacity of 220 KV. Sub Station at Dhulkot, Ambala ?

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): No, Sir. अध्यक्ष महोदय, इसके बनाये जाने की कोई योजना नहीं है क्योंकि इसके दो तीन कारण हैं। एक तो यह 1958–59 को लगाया गया था। इसकी म ीनरी बहुत पुरानी हो

चुकी है। इसलिए इसकी क्षमता नहीं बढाई जा सकती। अगर इसकी क्षमता बढा भी दें तो यह सब स्टे ान एक ऐसी जगह पर है जहां पर इस सब स्टे ान के चारों तरफ भाहर है जिस कारण हम वहां से कोई नया फीडर या नई लाईन नहीं निकाल सकते। दूसरे इसका कंट्रोल बी0बी0एम0बी0 के पास है, हमारे पास नहीं है इसलिए हम इसकी क्षमता नहीं बढा सकते। लेकिन इलाके की समस्या को ध्यान में रखते हुए हमने अम्बाला के पास टेपला गांव में इस काम के लिए 29 एकड जमीन ले ली है। यह जमीन हमारे कब्जे में है। इस पर 34 करोड रूपये का खर्च आयेगा। हम अगले महीने इसके टैण्डर निकाल देंगे। वहां पर समस्या को देखते हुए हमने 66 के0वी0 का एक सब स्टे ान अम्बाला कैंट के इण्डस्ट्रीयल एरिया में लगाने की योजना बनाई हें इस पर अढाई करोड रूपये की लागत आयेगी। इस पर एक महीने के अन्दर अन्दर काम भाुरू हो जाएगा। यह हमने वहां के लिए आल्टरनेटिव इन्तजाम किया है। हम मौजूदा सब स्टे ान की क्षमता को नहीं बढा सकते हैं।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के

लिखित उत्तर

Bus Permit

***613. Sh. Bhagi Ram:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to repair/reconstruct the building of Govt. Hospital, Ellenabad; and

(b) if so, the time by which the construction work of the said building is likely to be started/completed ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन):

(क) तथा (ख) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन की वि ोश मुरम्मत 1994–95 में की जा चुकी है। भवन का पुनः निर्माण करने की बजाए नए स्थान पर एक 30 बिस्तरों वाला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है जो कि 3 वर्श में पूर्ण हो जाने की सम्भावना है।

Augmentation of Water Supply Schemes

***683. Sh. Ram Phal Kundu:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to augment the water supply schemes of villages Muana, Rod, Malikpur and Danauli (Safidon Constituency) as the existing water supply scheme is not sufficient to meet out the requirment of above said villages ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): जी नहीं।

Abolition of Octroi in the State

***688. Sh. Mani Ram:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-whether there is any proposal

under consideration of the Govt. to abolish octroi in the State ?

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): जी, नहीं।

Bringing of New Colonies in Municipal Limits, Panipat

***407. Sh. Om Parkash Jain:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to bring the colonies adjacent to Panipat City within its Municipal limits ?

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): ऐसा कोई प्रस्ताव इस समय सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Alleged Irregularity committed in the purchase of Road Rollers

***626. Sh. Ramji Lal:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) the number of road rollers purchased, if any, by the Haryana State Agricultural Marketing Board during the year 1995-96; and

(b) whether any irregularity committed in the said purchase has come to the notice of Govt. if so, the details thereof ?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) व (ख) 1995–96 में हरियाणा राज्य कृशि विपणन मण्डल के अनुरोध पर निदे ाक सप्लाईज एण्ड डिस्पोजल द्वारा

बोर्ड के लिए 14 रोड रोलरों की खरीद का आर्डर दिया गया। इस आर्डर के तहत 8 रोड रोलर नवम्बर 1996 में प्राप्त हुए। बाकी 6 रोड रोलरों का आर्डर रदद करने हेतु निदे ाक सप्लाईज एण्ड डिस्पोजल को अनुरोध किया गया है। रोड रोलरों का आर्डर बिना बजट प्रावधान एवं बिना रोड रोलर चालकों के पदों के सृजन के दिया गया। साथ ही उस समय बोर्ड में उपलब्ध रोड रोलरों का भी पूर्णतया उपयोग नहीं हो रहा था।

Accounts of H.S.A.M.B.

***741. Sh. Satvinder Singh Rana:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-whether it is a fact the accounts of Haryana State Agricultural Marketing Board have not been audited since November, 1991; if so, the reasons thereof togetherwith names of officers/officials responsible for the said lapse ?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): नहीं, श्रीमान जी,

Separation of Joint Ward Medical College, Rohtak

***771. Sh. Randeep Singh Surjewala:** Will the Minister of State for Medical Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to have separate wards for children and Tuberculosis patients at Medical College, Rohtak;

(b) whether it is a fact that the old building of children ward, Tuberculosis ward and old Intensive care unit of Medical College, Rohtak has falledn/collapsed; and

(c) if so, the time by which the buildings referred to in part (a) above are likely to be reconstructed ?

चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मढिया):

(क) ि ा ाु रोग एवं क्षय रोग तथा छाती रोग के लिए अलग वार्ड अक्तूबर 1974 से ही कार्य कर रहे हैं।

(ख) जी, हां।

(ग) वि ोश मुरम्मत का कार्य चल रहा है और जून 1997 तक पूरा होने की संभावना है। इसी बीच इन वार्डों को मुख्य भवन में बदला गया है जहां वे कार्य कर रहे हैं।

Criteria adopted for recruitment of Police Constables

***789. Sh. Krishan Lal:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the details of the criteria, if any, adopted for the recruitment of Police Constables being made in the state at present togetherwith the district-wise number of such posts to be filled up; and

(b) the district-wise number of posts out of those referred to in part (a) above belonging to Schedule Castes and Backward Classes ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा):

(क) सिपाहियों की भर्ती से संबंधित सिद्धांतों का विस्तृत विवरण जैसा कि नियम 12.14 से 12.18 पंजाब पुलिस

नियमावली, 1934(जो हरियाणा राज्य पर लागू है) तथा समय समय पर सं ाोधित किया गया है, के साथ सीटों का आबंटन चयन परिशद बारे सदन के पटल पर प्रविश्ट (क) में रखा गया है।

(ख) अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग की श्रेणियों के लिए श्रेणी बार विवरण चयन परिशद वार सीटों का आबंटन प्रविश्ट (क) में द ार्शाया गया है।

प्रविश्ट (क)

मान दण्ड संबंधित विस्तृत विवरण समय समय पर सं ाोधित किये गये पंजाब पुलिस नियमावली जो कि हरियाणा में लागू है, में अंकित है। प्रस्तुत अंतिम सं ाोधन हरियाणा सरकार द्वारा जारी राजपत्र (असाधारण) दिनांक जून 17, 1998 में छपा है। फिर भी इसके कुछ अं ा निम्नलिखित हैं:–

(क) (आयु) उम्मीदवार की आयु 18 वर्श से कम तथा 27 वर्श से अधिक नहीं होनी चाहिये। लेकिन अनुसूचित जाति व पिछडे वर्ग के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु में 5 वर्श की छूटी होगी। भूतपूव्र सैनिकों के लिये ऊपरी आयु सीमा में छूट सरकार द्वारा समय समय पर जारी हिदायतों के अनुसार होगी।

(ख) भाारीरिक काम

ऊँचाई: 5 फुट 7 ईंच

छाती: 33x34–1/2 ईंच

अनूसूचित जाति तथा पिछडे वर्गो के उम्मीदवारों की ऊँचाई और छाती में एक एक ईंट की छूट दी जायेगी।

(ग) भौक्षणिक योग्यतायें

सामान्य एवं पिछडे वर्ग अनुसूचित जाति एवं जन जाति

10वीं (मैट्रिक) 8वीं (मिडिल) पास

(घ) भाारीरिक दक्षता परीक्षा

(1) 100 मीटर की दौड़

(2) 800 मीटर की दौड़

(3) लम्बी कूद

(4) ऊँची कूद

भाारीरिक दक्षता परीक्षा के कुल 20 अंक हैं तथा उम्मीदवार को भाारीरिक दक्षता परीक्षा में पास होने के लिए 9 अंक प्राप्त करने होंगे। उम्मीदवार जो भाारीरिक दक्षता परीक्षा में पास होंगे, का साक्षात्कार एक चयन परिशद द्वारा उसकी सिपाही के पद की योग्यता बारे होगा। साक्षात्कार/व्यक्तित्व के लिए अधिकतम अंक 15 निर्धारित किये गये हैं। उपरोक्त परीक्षा तथा साक्षात्कार के प चात उम्मीदवार चयन सम्पूर्ण श्रेश्ठता तथा आरक्षित पदों को ध्यान में रखते हुए किया जायेगा। चुने गये

उम्मीदवारों की चिकित्सा उपयुक्ता के बारे चिकित्सा परीक्षा होगी। चिकित्सा परीक्षा में उपयुक्त पाये गये उम्मीदवारों का सिपाही की नियुक्ति से पूर्व चरित्र सत्यापन करवाया जायेगा। उपरोक्त चुने गये उम्मीदवारों की नियुक्ति का कार्य जहां भी रिक्तियां उपलबध होंगी, हरियाणा स ास्त्र पुलिस वाहिनियों के आदे ाकों द्वारा किया जाएगा।

(ख) वर्तमान में 1800 सिपाहियों की भर्ती का कार्य चल रहा है। अनुसूचित जाति एवं पिछडे वर्गों के उम्मीदवारों को आरक्षण सरकार की हिदायतों के अनुसार दिया जायेगा। चयन परिशद वार सिपाई की भर्ती के लिए सीटों का आबंटन इस प्रकार है:–

क्र0 सं0	चयन केन्द्र का नाम	आबंटित सीटें	सामान्य वर्ग	अनुसूचित जाति 'क' खंड	अनुसूचित जाति 'ख' खंड	पिछडे वर्ग 'क' खंड	पिछडे वर्ग 'ख' खंड
1	अम्बाला	100	53	10	10	16	11
2	पंचकूला	20	11	2	2	3	2
3	कुरूक्षेत्र	60	33	6	6	9	6

4	कैथल	100	53	10	10	16	11
5	यमुनानगर	100	53	10	10	16	11
6	हिसार	120	63	12	12	20	13
7	भिवानी	140	73	14	14	23	16
8	फतेहाबाद	80	43	8	8	13	8
9	सिरसा	100	53	10	10	16	11
10	जींद	120	63	12	12	20	13
11	गुडगांव	120	63	12	12	20	13
12	फरीदाबाद	120	63	12	12	20	13
13	नारनौल	60	33	6	6	9	6
14	रिवाड़ी	60	33	6	6	9	6
15	रोहतक	100	53	10	10	16	11
16	झज्जर	71	52	1	10	16	12

17	सोनीपत	120	63	12	12	20	13
18	पानीपत	60	33	6	6	9	6
19	करनाल	120	63	12	12	19	14
	कुल	1800	954	180	180	288	198

सरकार की हिदायतों के अनुसार, 15 प्रति ात समतल आरक्षण (सामान्य वर्ग 4 प्रति ात, पिछडा वर्ग'ए' ब्लाक 3 प्रति ात, 'बी' ब्लाक 3 प्रति ात एवं अनुसूचित जाति 5 प्रति ात) भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षित वर्ग एवं सामान्य वर्ग में दिया जाएगा।

Sand Mines

***767. Sh. Suraj Mal:** Will the Minister for Mines and Geology be pleased to state-

(a) the depth upto which the excavation of sand mines is legal; and

(b) whether the government is aware of the fact that the excavation of sand mines is being done illegally in Rai Consitituency, if so, the details thereof together with the action taken in this regard ?

खान एवं भू–विज्ञान मंत्री (सेठ सिरी कि ान दास):

(क) हरियाणा में रेत का खनन खुली खानों द्वारा किया जाता है। धातुमय खान विनियमन 1961 के विनियमन 106(1)(2) के अनुसार ऐसा खनन, खनन खडडों में सीढ़ियां बनाकर किया

जा सकता है तथा किसी सीढ़ी की ऊंचाई 1.5 मीटर से अधिक तथा चौड़ाई ऊंचाई से कम नहीं होनी चाहिए। इन विनियमन में गहराई की अधिकतम सीमा का प्रावधान नहीं है।

(ख) राई विधान सभा क्षेत्र से रेत की अवैध निकासी की कोई सूचना नहीं है।

Number of Cases registered under violation of Prohibition Policy

***611. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the districtwise total number of cases registered and vehicles impounded on account of selling illicit liquor/violation of prohibition act in the same till it remained enforced; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the government to withdraw the cases as referred to in part (a) above ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा):

(क) सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

(ख) नहीं।

विवरण

राज्य में जब तक मद्य निशेध नीति लागू रही, दर्ज किये गये मुकदमों की जिलावार संख्या एवं नाजायज भाराब बेचने में जब्त किए गये वाहनों की संख्या निम्न प्रकार से है:–

जिला	कुल दर्ज किये गये मुकदमों की संख्या	जब्त हुए वाहनों की संख्या
पंचकूला	3694	420
अम्बाला	6003	512
यमुनानगर	4935	383
कुरूक्षेत्र	7258	322
कैथल	7027	157
हिसार	4841	719
सिरसा	7957	724
भिवानी	4600	469
जींद	6875	377
फतेहाबाद	4359	407
गुड़गांवा	3926	555

फरीदाबाद	6046	727
नारनौल	3089	434
रिवाड़ी	3330	367
रोहतक	4492	259
सोनीपत	3546	239
करनाल	8627	233
पानीपत	4432	206
झज्जर	2271	262
रेल्वेज (हरियाणा)	3176	17
योग	100484	7789

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Number of Electricity Connections

44. Sh. Satpal Singh. Will the Chief Minister be pleased to state-the total number of electricity connections in domestice, commercial, agricultural and industrial sectors inthe State as on 31-3-96, 31-3-97 and to-date ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): श्रीमान, उदधृत तिथि को श्रेणी अनुसार बिजली कनैक ानों की कुल संख्या निम्न प्रकार थीः—

श्रेणी	31—3—96	31—3—97	31—5—98
घरेलु	2397663	2510670	2620330
गैर घरेलु	311466	321288	332957
कृशि	375934	366540	364800
औद्योगिक	76482	77422	79217

Number of Electricity Connections

45. Sh. Sampat Singh. Will the Chief Minister be pleased to state-the total installed power generating capacity in the State from its own resources and the actual power generated in the years 1975-76, 1990-91, 1997-98 and to-date ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): श्रीमान जी, राज्य की अपनी स्थापित उत्पादन क्षमता तथा कथित वर्शों के दौरान विद्युत उत्पादन का विस्तृत निम्न प्रकार थीः—

वर्श	स्थापित उत्पादन क्षमता	उत्पादन लाख यूनिटों में

1975—76	145.8 मैगावाट	3235.8
1990—91	878 मैगावाट	26054.16
1997—98	863 मैगावाट	33675
1998—99/6/98	863 मैगावाट	6941

Electricty Consumed by the Tubewells

46. Sh. Sampat Singh. Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of power consumed by the Agricultural Tubewell in the State on metered and un-metered separately during the years 1990-91, 1996-97, 1997-98; and

(b) the total amount of bills issued to the aforsaid Agricultural Tubewells on metered and un-metered separately during the period as referred to in part (a) above ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) टयूबवैलों द्वारा मीटर से या बिना मीटर के उपभोग की गई बिजली का विवरण निम्न प्रकार से है:—

वर्श	मीटर द्वारा (यूनिट लाखों में)	बिना मीटर के (यूनिट लाखों में

1990—91	4363	20813
1996—97	5250	33586
1997—98	5108	31662
(ख) उपरोक्त उपभोक्ताओं को बिल में दी गई रा ि ा निम्न प्रकार से थी :—		
1990—91	1239	3331
1996—97	3466	15079
1997—98	3347	16309

Number of Industries in the State

***47. Sh. Sampat Singh:** Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) the total number of industries registered in the State as on 31-3-96, 31-3-97 and to date together with the number of industries out of them are in running condition at present; and

(b) the total number of industries closed in the years 1996-97, 1997-98 and during the current financial year; if so, the reasons thererfore ?

उद्योग मंत्री (श्री भा ि ा पाल मेहता):

वांछित सूचना निम्न प्रकार से है:–

(क) राज्य में 31–3–96, 31–3–97, 31–3–98 और 30–6–98 तक कुल पंजीकृत इकाइयों की संख्या क्रम ः 132758, 138381, 143141 एवं 143499 है। इनमें से 65598 औद्योगिक इकाइयां इस समय चालू हालत में हैं।

(ख) वर्श 1996–97, 1997–98 एवं चालू वित्त वर्श (30–6–98 तक) में कुल बन्द हुई औद्योगिक इकाईयों की संख्या क्रम ः 130, 105 एवं भून्य है। भोश इकाइयां वर्श 1967 से 1997 की अवधि में बन्द हुई। इन इकाइयों के बन्द होने की वास्तविक तिथि की सूचना नहीं है।

उद्योग के बन्द होने के कारण'–

साधारणतः लघु उद्योग इकाइयां (क) एन्टरप्रीन्योरि ाप का अभाव (ख) तकनीकी कु ालता का अभाव (ग) भागीदारों में झगड़ा (घ) वित्तीय कठिनाई (ड.) मार्केटिंग की समस्या और (च) श्रमिक समस्या आदि के कारण बन्द होती हैं।

विभिन्न मामले उठाना/ध्यानाकर्शण प्रस्तावों की सूचनाएं इत्यादि

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधुः अध्यक्ष महोदय, लोक पाल की नियुक्ति का जो बिल लाया गया है यह बहुत ही महत्वपूर्ण बिल है और मैं इस बिल का स्वागत करता हूं। मैं यह चाहता हूं कि इस

बिल पर बहस प्रारम्भ करने से पहले लीडर ऑफ दि अपोजी ान तथा हमारी पार्टी के नेता तथा श्री धीरपाल सिंह जी को हाउस में बुलाया जाता क्योंकि वे बहुत ही सीनियर और वरिश्ठ नेता हैं। (विघ्न)

15.00 बजे।

वे बहुत ही अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं चौधरी भजन लाल करीब 12 साल तक मुख्यमंत्री के पद पर रहे हैं। लीडर ऑफ दि अपोजी ान अगर हाउस में न हों और इतने महत्वपूर्ण बिल पर चर्चा हो तो उसके कोई मायने नहीं रह जाते इसलिए उनकी भी मौजूदगी हाउस में होनी जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, मैं लीडर ऑफ दि हाउस से कहूंगा कि वे इस बारे में एक बार फिर से पुनर्विचार करने की कृपा करें। अध्यक्ष महोदय, जहां तकि इस बिल का संबंध है, आमतौर पर यह देखा गया है जो लोग पावर में होते हैं वे पावर के न ो मैं पूरे सिस्टम को स्पॉयल कर डालते हैं उन लोगों पर चैक रखने के लिए यह बिल लाया गया है। पहले जो लोग राजनीति में आया करते थे वे सो ाल सर्विस के लिए राजनीति में आते थे। मैंने अपने ही घर में अपने पिता जी को भी देखा है उनके अन्दर प्रिंसिपल्ज की बातें थीं। हमने कभी भी नहीं देखा कि उन्होंने अपने प्रिंसिपल्ज के साथ समझौता किया हो लेकिन धीरे धीरे कुछ ऐसे लाग राजनीति में आने लगे जिनकी बैकग्राउंड क्रिमिनल रही है जिसकी वजह से समाज सेवा के रूप में इल्लीगल और क्रिमिनल माफिया राजनीति में आ गया है। यह आपने यू0पी0

के अन्दर भी देखा कि फूलन देवी जीत कर आई और दूसरे भी ऐसे सदस्य हैं जो सेडिड बैकग्राउंड के हैं। वे भी यहां पर आ जाते हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि पिछली बार जब हाउस में ये लोक पाल बिल आया था तो इसे सिलैक्ट कमेटी को भेज दिया गया था। उस वक्त लीडर ऑफ दि हाउस ने आ वासन दिया था कि इसका जो पीरियड होगा वह तब से होगा, जब से हरियाणा बना है लेकिन अब इसमें 20 साल का पीरियड रखा है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इसमें तो सब पार्टियों के मैम्बर्ज थे और जो उन्होंने हमें लिखकर भेजा है हमने उसे मान लिया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे यह कहना चाहूंगा कि इन्होंने ये कहा था कि जब से हरियाणा बना था उस वक्त से आज तक के सभी लोगों को इसके दायरे में लिया जाएगा। लेकिन अब इसमें पिछले 20 वर्श के पीरियड को ही दायरे में लिया गया है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब इस कमेटी में आपकी पार्टी के धर्मबीर गाबा भी थे, खु र्शिद अहमद भी आपकी पार्टी में ही हैं वे भी सिलैक्ट कमेटी में मैम्बर थे। यह तो यूनानिमस रिपोर्ट आई है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस के रिकार्ड की बात कर रहा हूं जो लीडर ऑफ दि हाउस ने कहा था

उस बारे में बता रहा हूं। इस बारे में चाहें तो लीडर ऑफ दि हाउस ही बता दें। आज जिस तरह से डिफैक ान करवाया जाता है। आप रोज समाचार पत्रों में पढते हैं। आज ये हालात हो गए हैं कि चाहे म्यूनिसिपल कौंसिल हो, एम0पी0 हो या एम0एल0ए0 हो उनकी खरीद फरोख्त होती है।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब जो बात कह रहे हैं ऐसी बात कहने से पहले इनको अपनी अन्तरात्मा में झांकना चाहिए, उसको झखझोरना चाहिए इनके जो सुझाव हैं वह बहुत ही अच्छे हैं और हम सुझावों से सहमत भी हैं लेकिन जो यह भ्रश्टाचार भ्ारू हुआ वह इनकी पार्टी के नेता चौधरी भजन लाल ने किया। क्या इस बारे में बोलने से पहले इन्होंने अपनी अन्तरात्मा को झखझोरा था।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, ये जो बात कह रहे हैं उसका इससे कोई मतलब नहीं है। इन्होंने समता पार्टी के दो मैम्बर्ज का डिफैक ान करवाया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये इस तरह से मुझे बीच में इन्टरवीन न करें।

श्री अध्यक्ष: आप दोनों बैठ जाएं। मेरा सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि लोकपाल बिल बहुत ही अहम बिल है आप सब कंट्रोवर्शियल बातों में जाए बिना इस पर अपने विचार रखें। I request the Members to avoid any type of controversy in the discussion on this Bill.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, पिछली बार जब हम लोकपाल बिल सदन में लाए थे तो उस वक्त चौधरी भजन लाल और ओम प्रका ा चौटाला भी सदन में थे। इसके अलावा सभी मैम्बर्ज ने यह कहा था कि इस बिल में सभी धाराएं विस्तृत नहीं है। हमने उनके कहने पर इसको डैफर कर दिया था और इस सदन की एक सिलैक्ट कमेटी बनाई। डिप्टी स्पीकर जी की अध्यक्षता में इसमें विपक्ष के मैम्बर्ज और रूलिंग पार्टी के मैम्बर्ज भाामिल थे। सबने मिलकर इस पर विचार किया। इसमें बहुत ही अच्छे पार्लियामैंटेरियन खु ार्शिद अहमद और धर्मबीर गाबा जी भी थे सब ने मिलकर इस बारे में विचार विम र्श किया है। यह विपक्ष पक्ष की बात नहीं है यहां पर लोकपाल विधेयक की सबने मांग की है। सभी पोलिटिकल पार्टीज ने अपने अपने घोशणा पत्र मैं इसके बारे में दिया था और सभी विधायकों की मांग इस बारे में रही है। किसी एक पार्टी से संबंधित यह मामला नहीं है। यह सबकी सामूहिक मांग है कि पूरी राजनैतिक व्यवस्था को ठीक किया जाए। इसलिए इस बिल पर चर्चा करते समय कोई कंट्रोवर्सी तो आती ही नहीं है और आनी भी नहीं चाहिए। जो हमारा राजनैतिक ढांचा है उसको कैसे भविश्य में सुव्यवस्थित किया जाए, कैसे सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी लायी जाए ? इस बिल को लाने का मुख्य मकसद यही है। सभी पार्टीज की सहमति के बाद हम इस बिल को लेकर आए हैं।

श्री अध्यक्षः मैं सभी माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए उन सभी सदस्यों के नाम आपको पढ कर सुना देता हूं जो सिलैक्ट कमेटी में थे। सभी पार्टीज के मैंम्बर इस सिलैक्ट कमेटी में थे और इसमें किसी ने भी कोई डायसैंटिंग रिमार्क नहीं दिया है। इस कमेटी में मैम्बर थे– श्री फकीरचन्द्र अग्रवाल, डिप्टी स्पीकर, चेयरमैन, श्री कर्ण सिंह दलाल, श्री कंवल सिंह, श्री हरमिन्द्र सिंह, श्री भाि ा पाल मेहता, श्री खु र्ीद अहमद, श्री बलवन्त सिंह मायना, श्री मनीराम, श्री चन्द्र मोहन, श्री हर्श कुमार, श्री जगबीर सिंह मलिक, श्री जसवन्त सिंह, श्री सतपाल सांगवान, श्री नरेन्द्र भार्मा एवं श्री कपूर चन्द्र। यह मैं आपको इसलिए बता रहा हूं क्यौंकि उस सिलैक्ट कमेटी में सभी पार्टीज के मैम्बर्ज थे और सभी व्यक्तियों ने एक राय से इस बिल के बारे में कहा है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, इस बिल में एक कमी है जो मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं। जो यह बिल हमारे सामने आया है– हरियाणा लोकपाल बिल, 1996 as reported by the Select Committee. सर, बिल में सबसे महत्वपूर्ण उसके आब्जैक्टस एंड रीजन होते हैं। that is missing. We cannot go into the depth of the Bill until and unless copy of the objects and reasons are provided to us. But there is no statement of objects and reasons in the original Bill.

श्री अध्यक्षः मैं आप सभी माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि यह बिल पिछले सत्र में सभी माननीय सदस्यों को मिल गया था और उसमें आब्जैक्टस एंड

रीजंस एवं अन्य सारी चीजें थीं। वह डैफर किया गया था। यह बिल पहले ही सबको दिया जा चुका है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैंने आपकी बात तो मान ली लेकिन जब सिलैक्ट कमेटी ने इस बिल को रि–ड्राफ्ट कर दिया है तो उसमें अमैंडमैंटस होते हैं। जब तक आब्जैक्टस एंड रीजंस हमारे सामने नहीं होंगे। How we can speak on the Bill.

श्री अध्यक्षः सिलैक्ट कमेटी ने जो अपनी रिपोर्ट दी है उसमें उसने आब्जैक्टस एंड रीजंस नहीं दिए।

Mr. Speaker: We should get a full copy of the Bill otherwise there is no use.

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं एक सबमि ान करना चाहूंगा कि यह जो बिल है, उसमें जो सिलैक्ट कमेटी ने अमैंडमैंटस बताएं हैं, वहीं हैं। पहले भी यह बिल सब मैम्बर्ज को सर्कुलेट कर दिया गया था। बिल में आबजैक्टस एंड रीजंस दिए हुए हैं। मैं यह बिल बीरेन्द्र सिंह को पढ कर सुना सकता हूं। मैं इनको स्टेटमैंट ऑफ औब्जैक्टस एंड रीजंस और फायनैंि ायल मैमोरेण्डा इन दोनों की एक एक फोटास्टैट कापी करवाकर भिजवा दूंगा। हमें इसमें कोई दिक्कत नहीं है।

श्री बलवन्त सिंहः स्पीकर सर, मैं भी आपको इस बिल के बारे में जो सिलैक्ट कमेटी में अमैन्ड हुआ है जानकारी देना चाहूंगा। सर, दो बार पहले जब इस कमेटी की मीटिंग बुलायी

गयी तो दोनों ही बार इसका कोरम पूरा नहीं हो पाया। इसके बाद फिर इसमें और मैम्बर्ज नौमिनेट किए गए थे। जब तीसरी बार इसकी मीटिंग हुई तो इस बारे में चर्चा चली कि इस बिल का दायरा कब से रखना है। जब से हरियाणा बना है तब से इसको लागू किया जाए या फिर पिछले बीस साल से लागू किया जाए। उस समय मैंने कहा था कि इसको पिछले बीस साल से लागू करने की बात मेरी समझ में नहीं आयी। तब से लागू करने का इसका क्या फायदा है। तो मेरे एक साथी कहने लगे कि आप बहुत बाद में बोले नहीं तो यह बात तय हो जाती। इसके अलावा लोकपाल की नियुक्ति करने के बारे मैंने यह कहा था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मायना साहब, जब आप इस पर बोलेंगे तब यह बातें आप कहना। आप बैठ जाइए। कमेटी में क्या डिस्कस होता है क्या नहीं होता है। that is not to be discussed in the House because Committee is a House in miniature.

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मंत्री बनने से पहले मैं भी सिलैक्ट कमेटी का सदस्य था। (विघ्न)

Mr. Speaker: Now there should be not discussion about the working of the Committee. The Committee is a house in miniature.

श्री कंवल सिंहः सम्मानित सदस्य बलवंत सिंह जी वहां बैठे थे और इन्होंने खुद कहा कि 20 साल रखो। (विघ्न) हमने

यह कहा था कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने भाुरू से कहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंहः कंवल सिंह जी, आप ऐसी बात न कहो। मैं कभी झूठ नहीं बोलता। मैंने यह नहीं कहा।

श्री कंवल सिंहः मैंने यह कहा था कि जब से हरियाणा बना है तब से मानो। उसके बाद इन्हौंने कैलकुले ान की और उसमें ये फंस गए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कमेटी की रिपोर्ट यूनैनिमसली होती है committee is a house in miniature.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इसमें सैक ान 3 के तहत, जो कि लोकपाल की अपौइन्मैंट के बारे में है, इसमें मेरा सुझाव है कि उस पर चर्चा में अपोजी ान भाामिल हो, लीडर ऑफ दि अपोजी ान भाामिल हो ओर पार्टी के जितने भी लीडर हैं उनको भी इसमें भाामिल रहना चाहिए। लोकपाल को नियुक्त किया जाता है तो अपोजी ान को भी उस कमेटी में रखा जाता है। दूसरा मेरा सुझाव यह है कि लोकपाल मल्टी मैम्बर होना चाहिए। जैसा कि आपने देखा होगा कि इलैक ान कमि नर के मामले में भी अमैंडमैंट करके उसे मल्टी मैम्बर बनाया है। मैं चाहूंगा कि लोकपाल के मल्टी मैम्बर होने के बारे में भी सरकार विचार करे। अध्यक्ष महोदय, एक इसमें कलॉज दी हुई है। कि 'if he is connected with any political party, severe his connection with it' जो इस लोकपाल के अंदर व्यक्ति लिया जाए वह किसी

भी पौलिटीकल पार्टी से नहीं होना चाहिए। ऐसा किया जाएगा तो वह व्यक्ति किसी एक विचारधारा का होगा तो एक विचारधारा का व्यक्ति होना चाहिए। सैक ान 6 के तहत इसमें 70 वर्श की एज का दे रखा है मेरा सुझाव है कि एज 68 साल होनी चाहिए। इसके अलावा इसमें यह बात भी है कि उसको सैकेण्ड टर्म भी दिया जा सकता है तो मेरा सुझाव है सैकेण्ड टर्म नहीं दी जानी चाहिए। इसमें केवल एक टर्म दी जाए। सैकेण्ड टर्म का इसमें प्रौविजन नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा करेंगे तो बहुत अच्छी बात होगी। एक इसमें ब्लाज 7(2) के तहत बात कही गई है–

'The procedure for the presentation of an address and for the investigation and proof of the misconduct or incapacity of the Lokpal under sub-section (1) shall be provided in the Judges (Inquiry) Act, 1968....."

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासनी हुए)

मिसकंडक्ट की बात लोकपाल के मामले में वि ोश महत्वपूर्ण है। लोकपाल के तहत बाकायदा यह होना चाहिये कि मिसकंडक्ट के मामले में क्या कार्यवाही की जाये। जब यह सिलैक्ट कमेटी बनाई गयी थी उनको यह देखना चाहिये था कि लोकपाल की नियुक्ति एक महत्वपूर्ण कदम है अगर उसमें मिसकंडक्ट है तो इसके बारे में जरूर इस बिल में कोई न कोई बात होनी चाहिए। दूसरा मैंने जैसा कि पहले बताया कि लोकपाल के तहत

जब से हरियाणा बना है उसकी अवधि होनी चाहिए। क्लाज 10(2) में दिया हुआ है–

"(2) Every Complaint involving an allegation or grievance shall be made in such form, and in such manner and shall be accompanied by such affidavit as may be prescribed. However, the Lokpal may dispense with such affidavit in any approrpiate case."

उपाध्यक्ष महोदय, इस मामले मैं कहना चाहूंगा कि अगर एफिडेविट के बगैर कोई चीज ली जायेगी तो यह आम बात बन जायेगी ओर कोई कार्यवाही नहीं हो पायेगी। एफिडेविट होना बहुत जरूरी है और यह मेनडेटरी होना चाहिये कि अगर यह एफिडेविट फाल्स पाया गया तो जिस व्यक्ति ने कंप्लैंट की है उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी क्योंकि इस तरीके से राजनैतिक तौर से कोई भी व्यक्ति चिटठी लिखकर भेज देगा। दूसरा मैं क्लाज 10(4) के बारे में कहना चाहूंगा कि इसमें फाईन केवल दस हजार रूपये रखा है क्योंकि इसमें मुख्यमंत्री, मंत्री और दूसरे लोग हैं कोई भी व्यक्ति किसी के खिलाफ कंप्लेट दे दे और यह पता लग जाये कि यह फाल्स कंप्लेंट है तो फाईन दस हजार की बजाये कम से कम 25 हजार रूपये होना चाहिए और तीन साल की सजा की बजाये कम से कम पांच साल की सजा होनी चाहिए। इसके अलावा क्लाज 12 में जो प्रोसीजन in respect of inquiry उसमें यह सुझाव है कि इंक्वायरी कैमरे में नहीं होनी चाहिए। मैं इसके बारे में कहना चाहूंगा कि जो भी लोकपाल की

इंक्वायरी हो वह बाकायदा पब्लि ा होनी चाहिए तथा लोकपाल की रिपोर्ट को गवर्नर महोदय के पास न देकर हाउस के अन्दर रखना चाहिये क्योंकि गवर्नर महोदय के पास न तो लोकपाल है और कई बार गवर्नर रिपोर्ट को अपने पास रख लेते हैं। जो भी लोकपाल की रिपोर्ट हो उसे इन टोटो हाउस के सामने और पब्लिक के सामने रखना चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, क्लाज 16(1) (a) में यह लिखा है कि–

"That no allegation or grievance has been sustantiated either wholly or partly, he shall close the case and intimate the competent authority concerned, accordingly."

अगर कोई व्यक्ति किसी के खिलाफ सीरियस कंप्लेंट करता है और सीरियस एलीगे ान है और वे बाद में फाल्स पाये जाते हैं तो उस कंप्लेंट को क्लोज करने की बात नहीं है उस पर ऐसा होना चाहिये कि जिस व्यक्ति की कोई गलत कंप्लेंट होती है और वह फाल्स पाई जाती है तो जिस व्यक्ति ने कंप्लेंट की है उसके खिलाफ मानहानि का दावा करने की बात होनी चाहिए। इसके अलावा अपॉइन्टमैंट ऑफ स्टाफ के बारे में लिखा है कि–

"The Lok Pal may appoint in consultation with the State Govt. such officers and staff, as he may consider appropriate for the discharge function under this Act."

कंसल्टे ान से हो जाये और सरकार लोकपाल को स्टाफ का पैनल दे दे लेकिन लोकपाल को स्टाफ का चयन करने में पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिये ताकि लोकपाल चौइस के पढे लिखे

आदमियों को चुन सके। इसमें यह एक खास बात है। Now I would like to refer clause 20 of this bill in which it is mentioned-

"No suit, proscecution or other legal proceedings shall lie against the Lokpal or against any officer or employee, agency or person acting on his behalf in respect of anything which is in good faith or intended to be done under this Act."

उपाध्यक्ष महोदय, यह "गुड फेथ" वाली बात समझ में नहीं आई है। इस क्लाज के तहत जो कोई भी आदमी कंप्लेंट कर देगा तथा कह देगा कि "गुड फेथ" में की है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि यह जो बिल आप पास करने वाले हैं, इसमें जो खामियां मैंने बताई हैं, उनको दूर किया जाए। इस समय हमारे नेता चौधरी भजन लाल जी तथा विपक्ष के नेता हाउस में मौजूद नहीं हैं और भी कई सदस्य मौजूद नहीं हैं। इसलिए जितने भी सदस्य इस समय हाउस में नहीं हैं, उनका इस समय उपस्थित होना बहुत जरूरी थी। यह बिल बहुत ही अच्छा बिल है क्योंकि आमतौर पर यह देखा गया है कि पिछली सरकारों के समय में जब से यह दे ा बना है, किसी भी बात पर या किसी भी मुददे पर कोई ट्रांपेरेंसी नहीं होती थी, चाहे कोई टैंडर की बात हो। हर चीज को सीक्रेट रखा जाता था, फाइलों में बंद करके रखा जाता था। कहीं पर भी अकांउटेबिलिटी और ट्रांसपेरेंसी नहीं थी। इसलिए यह जो लोकपाल बिल लाया गया है, मैं इसका स्वागत करता हूं। लेकिन इसके साथ ही मैं यह भी चाहता हूं कि इस

बिल को एक अस्त्र न बनाया जाए तथा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ इसको इस्तेमाल न किया जाए। इसको बाकायदा इस तरीके से इस्तेमाल किया जाए कि पब्लिक लाईफ के अंदर हमारे जो लोग हैं, उनकी छवि बिल्कुल साफ रहे तथा इससे उनके ऊपर ऐ प्रै ार बना रहे। इस लोक पाल बिल से राजनीतिक लोगों के एक डर बनेगा जो कि आज के समय में खत्म होता जा रहा है। ये लोग आज अपने कर्त्तव्यों को भूले बैठे हैं तथा मनमाने तौर पर कार्य कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें आई0ए0एस0 तथा आई0पी0एस0 अधिकारीगण जिनके बारे में पब्लिक सर्वेंट की परिभाशा दी गई है, के बारे में कहीं भी जिक्र नहीं है जो कि होना चाहिए था।

श्री बंसी लालः इस बारे मैं इस बिल में जिक्र किया गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, इन्हीं भाब्दों एवं सुझावों के साथ मैं इस लोकपाल बिल का समर्थन करता हूं।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, एक आध बात को छोड़कर बाकी सभी अमैंडमैंटस पर सब सहमत हो गए हैं। मेरा अनुरोध है कि जब तक इस बिल की अमैंडमैंट तैयार हो, तब तक दूसरे बिलों को ले लिया जाये। (विघ्न) अगर इसी पर बोलना है तो हमें कोई ऐतराज नहीं।

श्री मनीराम, डबवाली (अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं जो बात कहूंगा क्या वह हमारी बात मानी जायेगी जो हम सुझाव देंगे उसके बारे में आप हमें यकीन दिलायें कि हमारी बात मानी जायेगी।

श्री अध्यक्ष: मनीराम जी, पहले तो आप लोकपाल बिल पर सुझाव दें।

श्री मनीराम: स्पीकर साहब, मैं लोकपाल बिल पर सुझाव ही दे रहा हूं और क्या मैं यहां पर बंब चला रहा हूं। (हंसी) जब भाराब बंदी का जिक्र आया था तो हमने कहा था कि ठीक है कि यहां पर भाराब बंदी होनी चाहिए। उस बारे हमने समर्थन दिया है। इसको अगर सही ढंग से लागू ही नहीं किया जायेगा तो फिर हमारा समर्थन देने का या सुझाव देने का फायदा ही क्या है ? मैं इस विधेयक के बारे में कहना चाहता हूं कि इस समय यहां पर लीडर ऑफ दी अपोजी ान सदन में नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष: मनीराम जी, जो लोकपाल बिल के लिए सिलैक्ट कमेटी बनी थी उस कमेटी के माननीय सदस्यों में से एक आप भी तो थे।

श्री मनीराम: सदस्य तो थे लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि उस दिन सांगवान साहब हमें लास्ट में लैकर गए तब तक हमें दूसरी जगह पर बैठाए रखा। इन्हौंने इस कमेटी में क्या किया हमें

तो पता ही नहीं कि लोकपाल बिल होता ही क्या है ? हमें तो सांगवान जी से इस बारे में अंधेरे में रखा।

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप यह बताएं कि जब डिस्क ान चल रही थी तो आप इनको अंधेरे में कहां ले गए। (हंसी)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मेरी और इनकी सीट के बीच में चार मैम्बर और बैठे थे। पतानहीं इनको कैसे डाउट हो गया।

श्री मनीरामः स्पीकर साहब, मैं सच्ची बात कह रहा हूं। हमें तो पता ही नहीं लगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं समता पार्टी के सभी मैम्बरों की इज्जत करता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि आपने इसको बोलने के लिए तो कह दिया लेकिन जो ये सामने बैठे हैं इन सब की पढाई लिखाई की डिग्री भी भाामिल करें तो इन सबकी मिला कर एक अकेली एल0एल0बी0 डिग्री भी नहीं मिलेगी। आप इनसे पूछिये कि लोकपाल के मायने क्या होते हैं। इसमें कौन सी धाराए हैं, इनको कुछ पता ही नहीं।

श्री मनीरामः लोकपाल बिल के मायने तो श्री बंसी लाल जी अच्छी तरह से जानते हैं अगर इनकी हिम्मत है तो जब से

हरियाणा बना है तब से यानी 1966 से लागू करवा दो, क्या दिक्कत है।

13.00 बजे।

अगर वाकई आप दूध के धुले हुए हो तो क्या तकलीफ है ? (विघ्न) आप इसे पीछे से लागू करें इसमें क्या दिक्कत है ? लोकपाल बिल ये लेकर आए हैं और इस पर चर्चा हुई है और इसमें कई सुझाव भी आए हैं। हमारी पार्टी के श्री रामपाल माजरा जी ने बहुत अच्छे सुझाव इस बिल के बारे में दिये हैं मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि उन सुझावों को मान लिया जाए तो बहुत ही अच्छी बात होगी। अगर हमारे सुझाव माने ही नहीं जाते तो हमारे बोलने का फायदा ही क्या है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक ओर बात भी कहना चाहता हूं कि लीडर आफ दी ओपोजी ान हाउस में न हों और दूसरी पार्टी के लीडर भी न हों तो इस डिस्क ान के कोई मायने नहीं रह जायेंगें। 1966 से जब से हरियाणा प्रदे ा बना है तभी से इस बिल को लागू कान कर चलें तो इसमें लीडर ऑफ दि हाउस को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लोक पाल की नियुक्ति के बारे में हाई कोर्ट के जस्टिस या सुप्रीम कोर्ट के जज की नियुक्ति 5 साल या 10 साल के लिए चाहे कर लें लेकिन एज फैक्टर को भी ध्यान में रखें। स्पीकर साहब, इन्हीं भाब्दौं के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं तथा अपना स्थान ग्रहण करता हूं। (विघ्न एवं भाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, इस समय लोकपाल विधेयक पर जनरल डिस्क ान चल रही है। हम इसे फर्स्ट स्टेज पर कंसिड्रे ान भी कह सकते हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि बिल की सैकेण्ड स्टेज पर जब क्लॉज बाई क्लाज आप रीडिंग लें तो आप इस बात का वि ोश ध्यान रखने की कृपा करें। हमने कोि ा ा की है कि इस बिल को एकमत से पारित किया जाए लेकिन बहुत से मुददों पर समता पार्टी के लोगों की रिजर्वे ान और हमारी भी पार्टी की रिजर्वे ान है। मैं यह भी चाहूंगा कि जब आप क्लॉज बाई क्लॉज इस बिल को लें उस वक्त भी अगर कोई सुझाव हो तो उस पर विचार करें। हमें यह कोि ा ा करनी चाहिए कि हम किस प्रकार से बेहतरीन तरीके से इसे लागू कर सकते हैं। दूसरी बात मैं लोकपाल विधेयक के बारे में यह कहना चाहूंगा कि पिछले सै ान में यह बिल सदन के अन्दर प्रस्तुत किया गया था। इस बिल पर उस वक्त यह सहमति हुई थी कि इस विधेयक पर ज्यादा गहराई से अध्ययन करने के लिए और दूसरे प्रान्तों में जिनमें लोकपाल है उनमें किस किस्म के विधेयक लोक पाल के बारे में हैं, उनका अध्ययन करने के लिए यह जरूरी है कि कुछ समय मिले। इसी बात के तहत इस सदन के आदरणीय सदस्यों की एक सिलैक्ट कमेटी का गठन किया गया था। सिलैक्ट कमेटी की रिपोर्ट मैंने देखी है। पिछले दो अढाई महीने के अर्से में इस सिलैक्ट कमेटी की चार मीटिंग हुई। इन चार मीटिंगों में से दो मीटिंगों में ही इस विधेयक के बारे में फैसला किया गया है। अध्यक्ष महोदय, सिलैक्ट कमेटी का एक

तरीका होता है और कमेटी को यह अख्तियार दिया जाता है, बाकायदा उसको एडवर्टाईज किया जाता है। अखबारों और समाचार पत्रों के माध्यम से तथा टैलीविजन और रेडियो के माध्यम से जनरल पब्लिक की भी इसमें ओपीनियन ली जाती है। अध्यक्ष महोदय, जो स्वैच्छिक संस्थाएं हैं, वॉलैन्टरी संस्थाएं हैं, डिस्ट्रिक्ट बार ऐसासिए ान, हाई कोर्ट बार ऐसोसिए ान, हाई कोर्ट बार कौंसिल है और जो रिटायर्ड जजिज हैं तथा हिन्दुस्तान के ज्यूरिस्ट हैं उनसे इस बारे में विचार लिए जाते लेकिन जिस तरह से सिलैक्ट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट पे ा की है मुझे नहीं लगता है कि इस बारे में ठीक तरह से ध्यान दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, प्रान्त के अंदर पिछले दिनों जिस तरह से भ्रश्टाचार ने अपने हाथ पैर फैलाये, आज जो राजनैतिक प्रणाली चल रही है, प्रजातान्त्रिक प्रणाली चल रही है उसको देख कर लोगों में विचार आने लगा है उनको भाक होने लगा है कि उन्होंने कैसे लोगों को वोट देकर भेजा है ? वे अपनी तरफ से एक अच्छे आदमी को एम0एल0ए0 बना कर भेजें और वह 6 महीने में ही अपना रंग दिखाने लग जाता है। वे सोचते हैं कि हमने कैसे आदमी को बिठाया है सबके सब एक ही थैली के चटटे बटटे हैं। जिसको भी चुनकर भेजते हैं उसकी कारगुजारियां 6 महीने में ही सामने आने लग जाती हैं। ऐसी बात सुनकर हमें भार्म आती है। हम विधायक लोग प्रजातन्त्र को अपना रोजगार का माध्यम बना लें, हम मुख्य मंत्री या मंत्री बन जाएं तो हम सबसे पहले अपने रि तेदारों का अपने घर वालों का पेट भरने की सोचते हैं लेकिन जिन एक लाख लोगों की वोट

लेकर आते हैं उस बारे में भूल जाते हैं। ऐसी प्रथा से हम जनता का वि वास खोते जा रहे हैं, हरियाणा का नाम बदनाम कर रहे हैं। आज इस प्रथा के कारण लोगों के मन में यह बात आ रही है कि अब यहां पर राजनीतिज्ञों की खरीद फरोख्त की जाती है। कितने ही यहां पर आया राम गया राम हैं हर मुख्य मंत्री की कोि ा ा रहती है कि वह किसी तरह से अपनी सरकार बनाए।

श्री मनीरामः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल कहते थे कि मुझे अकेले ही मुख्यमंत्री बना दो मैं अकेला ही सरकार चला लूंगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मैं यह कहना चाहता हूं कि आज आया राम गया राम की प्रवृति बढती जा रही है। इसको जन्म किसने दिया। इसको जन्म उन भाासन कर्ताओं ने दिया जो अपने भाासन काल में अपने काम करवा गए और उसके बाद जब दोबारा चुनाव हुए तो कुछ कम सीटें मिलीं। उन्होंने दोबारा से अपनी सरकार बनाने के लिए खरीद फरोख्त की। मैं इस बारे में किसी व्यक्ति वि ोा का नाम नहीं लेना चाहता लेकन उन्होंने प्रजातान्त्रिक ढांचे के साथ बडा भारी अन्याय किया है। लोगों के मन में तो अब यहां तक बात आई हुई है कि एक ऐसा समय भी आ सकता है जब लोग वोटिंग से एक दिन पहले अपने गांव के बाहर जत्था बना करके खडे हो जाएंगे और वे उन वोटिंग करवाने आए गवर्नमैंट ऑफिि ायल्ज से यह कहेंगे कि भाई माफ करो हम तो किसी को भी वोट डालना नहीं चाहते। इसका मतलब यह

होगा कि उस दिन हरियाणा के लोगों के सब्र का प्याला लबरेज हो चुका होगा और लोगों को जो आज वि वास प्रजातंत्र के अंदर है, वह हिल जाएगा। स्पीकर सर, अगर ऐसा हो गया तो उन नेताओं के साथ हम सबसे बडा धोखा करैंगे, गुनाह करेंगे जिन्होंने 90 साल के संघर्श के बाद 1857 से लेकर 1947 तक दे ा को आजाद करवाने के लिए लडाई लडी तथा उस दे ा के अंदर प्रजातंत्र को बहाल करने के लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया और अंग्रेजों की काल कोटरी में अपनी सारी जवानी बिता दी। मैं पूछना चाहूंगा कि अगर ऐसा हो गया तो इसका जिम्मेदार कौन होगा ? हरियाणा की पौने दो करोड जनता तो इस बात के लिए जिम्मेदार नहीं होगी बल्कि इसके लिए हरियाणा का वह नेतृत्व जिम्मेदार होगा जिन्होंने हरियाणा में प्रजांतत्र के नाम पर भ्रश्टाचार को जन्म दिया है। भ्रश्टाचार यही तक सीमित नहीं है। मैं नहीं मानता कि अगर नौकरी बिक गयी तो भ्रश्टाचार हो गया। किसी छोट मोटे गरीब आदमी से पैसे लेने से कर्ब करने के लिए इस लोक पाल बिल का लाना निहायत ही जरूरी है। लेकिन यह बिल भी अगर भाराबबंदी की नीति के अनुसार हरियाणा में ऐक्सपैरीमैंट ही बना रहा तो रामबिलास जी यही आपकी पार्टी और हविपा के लिए बहुत ही अनफोरचुनेट रहेगा। हरियाणा में आज लोग और हरियाणा हर एक राजनैतिक दल इस बात का समर्थक है कि पूर्णतः भाराबबंदी हो।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी के नेता श्री भजन लाल जी ने तो यह कहा था कि अगर हमारी सरकार आयी तो हम प्रोहिबि ान को हटा देंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः वह नेता ही हट गया।

श्री बंसी लालः कहां हट गया। भजन लाल जी ने एक पब्लिक मीटिंग में यह बयान दिया था कि अगर हमारा राज आ गया तो हम प्रोहिबि ान को हटा देंगे। अब आप क्या उसकी भी चर्चा करेंगे।

श्री अध्यक्षः उस समय भाायद बीरेन्द्र सिंह जी कांग्रेस में नहीं होंगे जब यह बयान दिया गया होगा।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, वैसे भी जो बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं कि भाराबबंदी पूरी तरह से नहीं हुई। हमने झज्जर का उप चुनाव भाराबबंदी के बाद ही जीता है और कान्ता भाराबबंदी की सबसे बडी सफलता है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैं अपने भाई राम बिलास भार्मा जी से कहूंगा कि कई चीजों के बारे में आप भ्रम पैदा न करैं। भजन लाल जी भी जब मुख्य मंत्री थी तो किसी एम0एल0ए0 ने उस समय कहा था कि कांग्रेस जीते या न जीते लेकिन मैं जरूर जीतूंगा। मैंने कहा जब कांग्रेस हारेगी तो आप कैसे जीतोगे। आज 60 एम0एल0एज0 में से केवल 9 ही आये हैं इसलिए मैं कहता हूं कि उस उपचुनाव को अब 6 महीने हो गए हैं

और अब सारी दुनिया बदल गयी है। अब आप किसी और उप चुनाव करवाने की गलती मत कर लेना वरना नतीजे उल्टे ही निकलेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, अगर चौधरी बीरेन्द्र सिंह का यह मानना है कि अब झज्जर उपचुनाव हुए 6 महीने हो गए हैं और अब दुनिया बदल गयी है तो मैं इनसे कहूंगा कि ये अपनी पार्टी के नेता और पूर्व मुख्य मंत्री भजन लाल जी से इस्तीफा दिलवाकर दोबारा चुनाव लडने को कहें तो पहता चल जाएगा कि दुनिया बदल गयी है या नहीं ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मनीराम जी, जब आपको बोलने के लिए समय दिया जाता है तब आप बोलते नहीं, अब आप बीच बीच में बोलते रहते हो। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैं कह रहा था कि इस बिल को लाने की बहुत आव यकता है और इसका पास होना भी बडा जरूरी है, लेकिन यह भाराब बंदी की तरह आपकी बदनामी का बायस न बन जाए इसलिए मैं आपको वार्निंग दे रहा हूं क्योंकि अगर राजनीतिक व्यवस्था जो प्रजातंत्र की है। प्रजातंत्र की व्यवस्था में अगर लोगों का वि वास पुनः बहाल करना है और जनता में यह वि वास पैंदा करना है कि एम0एल0ए0 केवल हमारे लिए है वह अपने बेटे बेटियों या अपने परिवार के लिए नहीं है यह वि वास बहाल करना है तो लोकपाल बिल अहम भूमिका अदा

कर सकता है। उस वि वास की प्राप्ति अगर हरियाणा के लोगों को नहीं होगी तो हरियाणा प्रदे ा के लोगों को बडा भारी धोखा फिर मिलेगा। आज हरियाणा के लोगों को भ्रश्टाचार से मुक्ति दिलवानी है इसके साथ ही मैं यह कहना चाहता हूं कि कोई गरीब आदमी भ्रश्टाचार को जन्म नहीं देता। कोई दफ्तर में बैठा चपरासी या क्लर्क भ्रश्टाचार को जन्म नहीं देता। जो सबसे ऊपर बैठता है चाहे वह नौकर ाा हो, चाहे प्रजातांत्रिक व्यवस्था से पौलिटीकल पार्टी हो, चाहे मुख्यमंत्री हो, चाहे वह सबसे बडा उच्चाधिकारी हो, चाहे पुलिस का अधिकारी हो। अगर हम सिपाही पर यह इल्जाम लगाते हैं कि वह ट्रक को रोककर 20 रूपये लेता है तो वह सिपाही भ्रश्ट नहीं है। भ्रश्ट व्यवस्था है उस व्यवस्था के खिलाफ हमें डंडा उठाना है। मैंने इस सदन में एक बात कही थी कि इस दुनियां में ऐसे भी दे ा हैं जिन्होंने भ्रश्टाचार को लीगलाइज कर दिया है। एक दे ा है जिसने 1962 के बाद अपने कर्मचारियों को ग्रेड रिवाइज नहीं किए हैं आज 35 साल हो गए हैं आप पूछेंगे कि ऐसा कैसे चल रहा है ? सरकार ने खुली छूट दी हुई है कि किसी को बगैर तंग करे कुछ देता है तो ले लो। आज होता यह है कि राजनेताओं के पास कोई गरीब आदमी चलकर आता है और कहता है कि साहब पटवारी इस काम के 300 रूपये मांगता है या यह कहता है कि उसने 300 रूपये ले लिए तो वह राजनेता कहता है कि यहां आने में तेरे भाडें में 300 रूपये खर्च हो गए होंगे वहीं से काम चला लेना था। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर, स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से प्रार्थना करता हूं कि बात उन्होंने बिल्कुल सही कही लेकिन कृपा करके उस नेता का नाम बताएं कि वह नेता कौन था जिसने यह बात कही ?

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने किसी नेता का नाम लेने की नीयत से यह बात नहीं कही। आप सोचने और समझने की कृपा करें कि आपको इस व्यवस्था से लडना है। हरियाणा का हर वह व्यक्ति जो अपने को लोगों का प्रतिनिधि कहता है, उसको लडना है। यह एक आदमी की बात नहीं है यह बात उन सभी लोगों की है जो वोट लेकर उनको भूल जाते हैं और उनको ऊपर वाले की मेहरबानी पर छोड देते हैं कि चाहे मरते रहो, चाहे जिंदा रहो। इस व्यवस्था को बदलने की बात है। भ्रश्टाचार हमारी जडों में घुस गया है। हमें हरियाणा की जनता को इंसाफ देना है और अगर जनता इंसाफ से दूर रही तो उनका वि वास प्रजातंत्र से खत्म हो जाएगा और उनको वि वास खत्म हुआ तो उसकी जिम्मेदारी हम उन बडे बडे नेताओं की होगी और सबसे बडी जिम्मेदारी अध्यक्ष महोदय, आपकी होगी। प्रजातंत्र में वि वास तब बढता है जब चौटाला जी जैसे व्यक्ति बार बार बोलने पर भी सदन में रहें। मैं पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर से भी कहूंगा कि वे सुनने का धैर्य रखें। इसी प्रकार भजन लाल जी ने भी कुछ नहीं किया वे बोले और तुरंत उनके खिलाफ

रैजोल्यू ान आया। प्रजातंत्र में जो मान्यताएं हैं, जो परम्पराएं हैं, उनको ज्यादा मजबूती से लागू किया जाना चाहिए। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीपर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। आदरणीय चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की हम सभी इज्जत करते हैं। उनका सदन में बैठने का बडा अनुभव है लेकिन मेरी समझ में यह बात नहीं आती कि उन्होंने अभी अपनी बात दोहराते हुए बार बार भ्रश्टाचार को खत्म करने की बात कही है (विघ्न) स्पीकर सर, एक बात मेरी समझ में नहीं आती कि जब हरियाणा प्रदे ा में भ्रश्टाचार चरम सीमा पर पहुंचा तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह कौन सी पार्टी में थे और इनके नेता कौन थे। मुझे आज भी दुख है कि आज भी चौधरी बीरेन्द्र सिंह, भजन लाल जी को डिफैंड कर रहे हैं कि चौधरी भजन लाल जी क्या गलत कह रहे थे। चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने अपनी आंखों से देखा कि चौधरी भजन लाल जी इस माननीय सदन मैं हमारे दो माननीय सदस्यों को खरीदने की बात कह रहे थे और अपनी कुर्सी पर बैठे हुए हमारे सदस्यों को धमका रहे थे। He always casts aspertion on the Chair, Sir. चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बताईये कि इन सदस्यों का क्या कसूर था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी तो एक व्यवस्था की बात कह रहे थे उनका किसी से मोह नहीं है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मेरी व्याख्या मेरी तकलीफ यह है कि मेरे ये साथी कहते हैं कि you are soft towards Sh. Bansi Lal and on the other hand, I am defending Ch. Bhajan Lal and Sh. Om Parkash Chautala both. कोई सही बात कहे तो ठीक है। ये पार्टी के हिसाब से सोचते हैं कि लेकिन मैं कहता हूं कि किस तरीके से चौधरी ओम प्रका ा चौटाला को और चौधरी भजन लाल जी को निकालने का रेजोल्यू ान दिया गया। अध्यक्ष महोदय, व्यवस्था की बात तो यह हो गई है कि पिछले 5–6 साल से इस दे ा के अन्दर घोटालों का जो बाजार लगा है उस बाजार ने तो दुनिया के इतिहास में हिन्दुस्तान की छवि को धूमिल किया है उसमें चाहे कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता का हाथ हो चाहे..... ..... जी का हो जो आज भी हवाला कांड में फंसे हुए हैं। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, चौधरी बीरेन्द्र सिंह एक पार्लियामैंटरियन है। पार्लियामैंटेरियन के हिसाब से ये लोकसभा और विधान सभा की कई कमेटियों में रह चुके हैं। ये कांग्रेस पार्टी के एक वरिश्ठ नेता है। श्री ..... हवाल कांड में नहीं हैं उनको तो श्री नरसिम्हा राव जी ने जान बूझ कर फंसाया था। सी0बी0आई0 की रिपोर्ट है जिसमें श्री ..... जी का नाम नहीं है। (विघ्न) आप सुनिये तो सही। स्पीकर सर, श्री ..... जी उस समय लोकसभा के सदस्य थे और श्री मदन लाल खुराना उस समय दिल्ली के मुख्यमंत्री थे जब यह बात आई There and then they regisned from their posts. (Interruptions.) उन्होंने यह

एलान किया था कि जब तक इस जांच की रिपोर्ट नहीं आयेगी, हम निर्दोश साबित नहीं होंगे तब तक चुनाव नहीं लडेंगें। श्री .... जी ने पार्टीं के आग्रह करने के बाद भी चुनाव नहीं लडा और सी0बी0आई0 की जो रिपोर्ट आई है, उसमें यह पाया गया है कि श्री ..... और वी0सी0 भाुक्ल के खिलाफ चार्ज भीट देने के लिए या चालान करने के लिए उनके पास कोई सबूत नहीं है। (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इसमें और एड करता हूं कि इनके सारे नेता हवाला कांड में फंसे हुए हैं। इनके एक नेता श्री कमलनाथ ने जो हवाला कांड में फंसे हुए हैं, अपनी घर वाली से लोकसभा की सीट से त्याग पत्र दिला कर खुद चुनाव लडा था, खुद टिकट लेकर चुनाव लडा और हार गया।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी किसी की व्यक्तिगत रूप से चर्चा न करें। इनका जीवन पाक साफ है, यह हम भी कहते हैं। लेकिन जिस पार्टी की ये बात कर रहे हैं, वह पार्टी राजनीतिक भ्रश्टाचार का पर्याय बन गई है। पिछले दिनों दिल्ली में 'एच0के0एल0 भगत की चारपाई कल्पनाथ के साथ' एक रूपए में, यह बात कहते हुए अखबार बिक रहे थे। अध्यक्ष महोदय वहां तो अखबार इसी नाम से बिकते हैं यानि कि कांग्रेस का चुनाव नि ाान तिहाड जेल का दरवाजा बनने जा रहा था। अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री रहा हुआ आदमी, अखिल भारतीय पार्टी का अध्यक्ष रहा हुआ आदमी, सुप्रीम कोर्ट में दरख्वास्त दे कि

मेरी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के बंद कमरे में नहीं बल्कि पटियाला हाउस में की जाए। तथा विज्ञान भवन में वे पैरवी मांगे, अच्छी बात नहीं है। उस पार्टी की बीरेन्द्र सिंह जी पैरवी कर रहे हैं। लेकिन ये बेचारे तो ऊपर ऊपर से ही बोल रहे हैं, परन्तु फिर भी बात जम नहीं रही है। (हंसी)

श्री बंसी लालः भीतरले में इनके भी नहीं जम रही है। (हंसी)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि बैठक का समय एक घंटे के लिए और बढाया जाए।

श्री अध्यक्षः अगर इस सदन की सहमति हो तो बैठक का समय एक घंटे के लिए और बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है बैठक का समय एक घंटे के लिए बढाया जाता है।

दि हरियाणा लोकपाल बिल, 1996 (पुनरारम्भ)

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। श्री लाल

कृश्ण आडवाणी जी का नाम सदन की कार्यवाही से निकाला जाना चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ठीक है, श्री लाल कृश्ण आडवाणी जी का नाम सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री जगन नाथः स्पीकर सर, हम तो बोलत हैं 'जय ि ाया राम' लेकिन ये बोलते हैं 'जय सुख राम' (हंसी)

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस भी 'सी' से भाुरू होती है और 'क्रप ान' भी 'सी' से भाुरू होती है। कांग्रेस और क्रप ान एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। (हंसी)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत खु ाी है कि दोनों पार्टियों की गठबंधन की सरकार एक दूसरी पार्टी की मदद करती है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये सिर्फ बी0जे0पी0 और हरियाणा विकास पार्टी के ही मुख्य मंत्री नहीं हैं, बल्कि हमारे इस सदन के तथा हरियाणा प्रदे ाके मुख्य मंत्री भी हैं। खुराना जी पता नहीं इनके बारे में क्या बोल गए, हम तो बर्दा त नहीं करेंगे। (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, ऐसा बोलने की तो बीरेन्द्र सिंह जी की कला है। खुराना जी हमारे मुख्य मंत्री जी के बारे में कुछ नहीं बोल गए। वे तो इनकी बहुत प्र ांसा करते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि पीछे मिलिटरी के जितने भी जनरल रिटायर हुए हैं, वे सभी बी0जे0पी0 ज्वाईन कर चुके

हैं। कुछ दिन पहले अभी जब श्री खुराना जी यहां आए तो मिलिटरी के जनरल्ज का नाम लेकर वे कहते थे कि चौधरी बंसी लाल जी का डिफैंस मिनिस्टर के रूप में एक बहुत ही अच्छा नजरिया था तथा उनके काम से डिफैंस पर बहुत अच्छा प्रभाव पडा। इस प्रकार से वे इनकी प्र ांसा ही कर रहे थे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं फिर अपनी बात दोहराता हूं कि जब जब दे ा में बी0जे0पी0 कांग्रेस पर करारी मार मारती है, तब तब चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी इसका बदला निकालने की कोि ा ा करते हैं। कल रात ही यह फैसला हुआ कि यू0पी0 में बी0जे0पी0 और बी0एस0पी0 की सरकार बनने जा रही है और मायावती जी मुख्य मंत्री बनेंगी तथा 6 महीने के बाद कल्याण सिंह जी मुख्य मंत्री बनेंगे। इसलिए कांग्रेसियों की नींद हराम हो रही है। (हंसी)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और बताना चाहता हूं कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कल मायावती की ओथ के अवसर पर लखनऊ जाने वाले हैं। (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी लोकपाल विधेयक के परिप्रेक्ष्य में प्रजातंत्री पर, बहुत ही मौलिक मुद्दे पर बोल रहे हैं। लेकिन कांग्रेस के मित्र प्रजातंत्र की बात करें तो बात जमती नहीं है। क्योंकि पिछले 50 सालों के राजनीतिक इतिहास में प्रजातंत्र को जिस तरह से फाडकर चीर

चीर किया गया है, उसके लिए कोई जज 4 भाब्द भी नहीं लिख सकता। एक अयोध्या की बात को लेकर 4 प्रांतों की चुनी हुई सरकारैं जिनका किसी का 4 साल, किसी का 5 साल तथा किसी का 3–1/2साल पीरयड बाकी था, को किस तरह से तहस नहस करन दिया गया। लोगों के जजबात को किस तरह से बेरहमी से कुचला गया और किस तरह से गंगा यमुना के किनारे ब्रहम दत्त द्विवेदी की हत्या की गई, आपकी पार्टी के नेता जोगिन्द्र सिंह की हत्या की गई ? किस प्रकार का गदर मचा हुआ था ? वहां पर क्यौंकि हमारा सबसे बडा दल है, इसलिए हमने एक प्रजातांत्रिक रास्ता निकाला है। अब इनको तकलीफ यह हो रही है कि हमने मायावती के पौंची कैसे बांधी। ये मेरे भाई दलितों के नाम पर राज करते रहे हैं। हरिजनों के नाम पर राज करते हैं। (विघ्न) करतार देवी जी ये आपको तरकारी बनाकर खा जाएंगे आप इनके पक्ष मैं मत बोलें। हरिजनों का कल्याण तो हमने किया है। दलितों को तो हमने गले से लगाया है। जिस पार्टी के 60 एम0एल0एज0 हों और हमारी पार्टी के 200 एम0एल0एज0 हों उसको नेतृत्व स्वीकार करना एक बहुत बडी बात है। यह कलेजे की बात है। जिस तरह से दलितों को हमने गले से लगाया, उसी तरह से हमने उनकी बात मानी है। (ाोर)

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं अपने विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगी कि हविपा और भाजपा की सरकार में हम सारे चीफ मिनिस्टर हैं उसमें ट्रांसपेरैंसी है। बीरेन्द्र

सिंह जी आपको यह बात कहने की जरूरत नहीं है वहां भाजपा के किसी सदस्य को भी 6 महीने के बाद चीफ मिनिस्टर बनाना पडेगा हमारी सांझा सरकार में सारे चीफ मिनिस्टर हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं लोकपाल विधेयक पर बोल रहा हूं। लोकपाल विधेयक इसलिए लाने की जरूरत पडी क्योंकि सारी व्यवस्था खराब होती जा रही है। आज ये मायावती को राखी बांधने की बात करते हैं। जब ये उनको चार महीने राखी बांध कर फिर तोड कर चले गए थे, तब कहां गई थी बी0जे0पी0।

श्री राम बिलास भार्माः भाण्डे कई बार खडकते हैं, परन्तु आपकी तरह टूटते नहीं हैं वह तो हमारी आपस की बात है।

श्री कर्ण सिंह दलालः पहले आप कांग्रेस पार्टी छोड कर कांग्रेस तिवाड़ी में चले गए और फिर कांग्रेस पार्टी में आ गए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः हमने राखी वाखी किसी को नहीं बांधी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने राखी नहीं बांधी ये तो सूत का गठड़ उठा कर ले गए थे। (हंसी)

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि राखी तोड कर ले गए, इस बात पर मुझे पंडित लख्मीचन्द की

दो लाईनें कहनी हैं कि देवर भाभी लड़े यह ओसी लड़ाई ना सै। (हंसी)

Mr. Speaker: Mr. Birender Singh Ji, please conclude.

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, लोकपाल विधेयक से प्रजातंत्र के अंदर एक स्वस्थ वातावरण बनेगा। जो व्यक्ति भ्रश्टाचार को ही राजनीति मानते हैं उनसे लडने का मौका मिलेगा। जिस गरीब आदमी से दो लाख रूपए रि वत के लिए गए, उस गरीब आदमी को रि वत लेने वाले के खिलाफ ि ाकायत करने का मौका मिलेगा। मैं यह बात इसलिए कहना चाहता हूं कि प्रजातांत्रिक ढांचे में जो व्यवस्था है, उस व्यवस्था के अंदर जगह नहीं है, इस नोटंकीबाजी से इस दे ा में एक सबसे अच्छे नेता को सरकार बनाने का मौका मिला,ख श्री अटल बिहारी वाजपेई जी को लेकिन गलती से उनकी पार्टी गलत थी। राश्ट्रपति महोदय ने अटल बिहारी वाजपेई जी को सरकार बनाने का मौका दिया और कहा कि आप बडे भले आदमी हैं। दे ा के दूसरे राजनीतिक दल भी आपको भला मानते हैं, आप सरकार बनाएं।

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगी कि श्री वाजपेई जी ने राजनीति का व्यापारीकरण नहीं किया। वे नहीं चाहते थे कि लोकसभा में सांसदों को खरीद कर प्रधान मंत्री बने, उन्होंने व्यापारीकरण नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगली बार आएंगे तो पूरे बहुमत के साथ आएंगे। यह काम तो

आपके नेता चौधरी भजन लाल ही कर सकते हैं जो 1980 मैं 36 विधायकों को लेकर कांग्रेस में भाामिल हो गए और अभी झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसदों की खरीदो फरोख्त कर सी0बी0आई0 का मुकदमा झेल रहे हैं। क्या बाजपेई जी भी इसी तरह से करते ?

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं पार्लियामैंट की बात करूंगा। वह सदन प्र ांसा का पात्र है क्योंकि साम्प्रदायिक ताकतों का साथ देने के लिए सिर्फ 3 एम0पीज0 चौधरी बंसी लाल जी की पार्टी के छोड कर, हरियाणा प्रान्त का कोई एम0पी0 उनके साथ नहीं गया। और इस बात का सबूत है कि इस दे ा की जनता जात पात और साम्प्रदायिकता से दूर रहना चाहती है। इसलिए बे ाक आज का प्रधान मंत्री 46 आदमियों की पार्टी का प्रधान मंत्री हो लेकिन एक सबसे बडी पार्टी जो है, वह उस राज को चलाये हुए है क्योंकि इस दे ा के लोगों ने प्रजातंत्र में इस दे ा की साम्प्रदायिक ताकतों और जातिवाद से लडना है। (विघ्न) उसी लड़ाई का कारण है (विघ्न) आप क्यों ऐसा सोच रहे हैं। (विघ्न)

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, इनकी पीडा सच्ची है। यह इतने धर्म निरपेक्ष हैं कि लोगों ने स्वीकार नहीं किा। ये दिल्ली में हारे, महाराश्ट्र में हारे और पंजाब में हारे। इसके अलावा जितने भी बाई इलैक ान हुए, वहां पर हारे। आपकी पार्टी की क्या हालत हो रही है, स्वयं सोचो।

श्री अध्यक्षः ये कब कह रहे हैं कि ये जीते हैं। ये खुद मानते हैं। आपको वैसे ही बहम हो गया है। बीरेन्द्र जी, आप जल्दी करिये।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी ही खत्म कर देता हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस दे ा के लोगों को जब भी मौका मिला, राजनीतिक फैसले करने का उन्होंने सही फैसले दिये। लोगों के फैसले कभी गडबडाया नहीं करते। फैसले तब गडबडाया करते हैं जब लोगों द्वारा राजनेताओं को सत्ता सौंपने के बाद उन राजनीतिज्ञों द्वारा गलत फैसले होते हैं। लोगों के फैसले कभी गलत नहीं होते। अबकी बार हरियाणा में भी लोग कोई फैसला नहीं कर सके कि किस पार्टी को बहुमत दें। (विघ्न) वह किसी एक दल के पक्ष में फैसला नहीं दे सके। उसकी वजह यह है कि लोग नए सिरे से वि वास पैदा करना चाहते हैं। लोग जिसको चुनकर भेजेंगे स्वार्थ से ऊपर उठकर भेजेंगे। (विघ्न) मेरी मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि मुख्य मंत्री जी लोकपाल बिल तो ले आये हैं। मैं मुख्यमंत्री को कहना चाहूंगा कि आपने जो 28 मंत्री बनाए हुए हैं, इनकी जायदाद की सूची आप सभी से ले लें। (विघ्न)

श्री बंसी लालः सब ने दे रखी है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः यदि दे रखी है तो वह सब की सब अखबारों में प्रकाि ात करवा दें ताकि हरियाणा के लोगों को पता

चल सके कि किसी मंत्री के पास मंत्री बनने से पहले कितनी संपत्ति है, कितने हाथी घोडे हैं। उसके बाद जब दो तीन साल बीत जायें तो लोगों की पैनी निगाह देख सके कि किसी मंत्री के पास अब मंत्री बनने के बाद कितनी सम्पत्ति है और वे यह देख सकें कि किसी का वि वास डगमगा तो नहीं गया। (विघ्न) ठीक है, सभी सदस्यों की सम्पत्ति की सूची ले ली जाये और उनकी भी प्रकाि ात की जाये, ऐसी व्यवस्था भी आप करें। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मैं यह भी चाहता हूं कि नौकर ााही के ऊपर भी अंकु ा लगना चाहिए। नौकर ााह, आई0ए0एस0, आई0पी0एस0 व एच0सी0एस0 को समाज में बडा मान मिलता है। उसकी दौलत यही है कि वह दे ा के 3, 4, 5 हजार आदमियों में से आता है। उसको सबसे बडा सम्मान यही है कि उसने दे ा की 25, 30, 35 सालों तक सेवा करनी होती है। अगर किसी आई0ए0एस0 आफिसर ने या किसी बडे अधिकारी ने पैसा कमाना है तो बिजनैस मैनेजमैंट की ट्रेनिंग करके वे किसी बडी कम्पनी मैं नौकरी कर सकते हैं। यदि किसी अधिकारी को अपनी आर्थिक अवस्था ठीक करनी है, तो वह भी किसी बडी कम्पनी में जो सकता है लेकिन जो बडे बडे अधिकारी हैं और बडे ऊंचे पदों पर बैठे हैं जिनके फैसले से ट्रैजरीज से पैसे निकलते हैं उनके काम की ट्रांसपेरैंसी होनी चाहिए और उनसे सम्पत्ति का ब्यौरा लिया जाना चाहिए।

श्री बंसी लालः ऐसे लोग हर साल अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा देते हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मुख्य मंत्री जी यह बात मैं जानता हूं कि ये ब्यौरे किस प्रकार के होते हैं जो कि सरकारी दफ्तरों में दिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसे अधिकारियों की हरियाणा की जनता के प्रति सबसे बडी सेवा यही है कि वे ईमानदारी से और सेवा भाव से अपने कार्य को करें और निजी स्वार्थ से ऊपर उठ कर उनको काम करना चाहिए। अगर कोई क्र ान होती है तो उसको रोकने के लिए प्रिंवैटिव मेयर लेने जरूरी हैं, वह बतौर लोक पाल की नियुक्ति भी हो सकता है। जो भी लोक पाल लगाया जाए वह हाई कोर्ट का जज हो सकता है। अगर किसी के खिलाफ चार्जिज लगते हैं तो उनको फैसला करने में ज्यादा देरी न हो, इसके लिए एक सब कमी ान की जरूरत पडेगी या मल्टी मैम्बर कमी ान के बारे में विचार करना पडेगा क्योंकि केवल एक व्यक्ति सभी केसों का निपटारा नहीं कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं अनुरोध करना चाहता हूं कि एक मैम्बरी लोक पाल की नियुक्ति की स्थापना के लिए यह विधेयक लाया गया है। हरियाणा के राजनीतिक सिस्टम का जिस प्रकार का प्र ाासनिक ढांचा है उसमें एक मैम्बरी लोक पाल सफि ैंट नहीं होगा क्योंकि जो भी कार्यवाही हो उसमें ट्रांसपेरैंसी की जरूरत है इसलिए मल्टी मैम्बर लोक पाल की स्थापना करनी चाहिए। अगर तीन मैम्बरी लोक पाल की स्थापना की जाएगी तो उससे सही, जल्दी और ठीक न्याय

कम्पलेनैंट को मिल सकेगा। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं जो कि सोचने और विचारने की बात है कि लोक पाल क्या करेंगे। कोई आदमी उनको ि ाकायत करेगा तो उस ि ाकायत की जांच कौन करेगा, लोक पाल का दायरा क्या होगा ? एक तो एक्ट के तहत वह कांफिडैंि ायल ि ाकायत की जांच खुद करे या फिर किसी दूसरी या तीसरी एजैंसी से उसकी जांच करवाए। यह सारा टाईम कन्जयूमिंग वर्क होगा, उसके बाद वह अपनी रिकमैंडे ान्ज करेगा। उन रिकमैंडे ान्ज को सरकार के पास भेजा जाएगा और फिर सरकार उस पर केस दर्ज करेगी। यह बडा लम्बा प्रोसैस है। साल, दो साल या अढाई तीन साल तो चार्जिज एस्टेब्लि ा होने में ही लग जाएंगे फिर उसके बाद विस्तार से जांच भुरू होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि हमें इस बारे में विचार करना चाहिए कि यह जो इतनी लम्बी डिले है इसको हम किस प्रकार से नैरो डाउन कर सकते हैं। फर्ज करो एक रिकमैंडिंग अधिकारी या डिफरैंट सर्वैंट के खिलाफ लोकपाल ने इन्कवायरी की है, उसका प्रोविजन क्या है क्या उसे प्रिलिमिनरी इंक्वायरी मानेंगें या कि प्राईमाफेसिया मानेंगे। प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी उसके बाद होगी। If there is sufficient evidence against the person concerned then a regular enquiry would take place and after completing the regular enquiry, the recommendation would be sent to the Government and the Government would direct the Police Station or the authorities concerned to register a case against the person. यह कैसे एक्सपिडाईट कर सकते हैं या करवा सकते हैं यह बात भी बैठ कर सोचने की बात होगी। अध्यक्ष महोदय,

तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि इसके अन्दर प्रोविजन किया गया है कि मुख्य मंत्री, स्पीकर ऑफ दि हाउस और कंसंर्ड चीफ जस्टिस से कंसलटे ान करेंगे और गवर्नमैंट उसे अप्वायंटमैंट करेगी। हमें यह खद ाा है कि जिस वक्त भी यह अप्वायंटमैंट होगी तो उस वक्त के मुख्य मंत्री द्वारा ही होगी। हम यह चाहते हैं कि इसमें लीडर ऑफ दि अपोजी ान को भी भाामिल किया जाए। इसके अलावा हम यह भी चाहते हैं कि हाउस में जिनकी पार्टी की मैजोरिटी 1/10 हो, उनको भी इसमें भाामिल किया जाए ताकि सिलेक ान के वक्त ठीक आदमी का चयन हो सके और लोगों का वि वास उसमें बना रहे। अध्यक्ष महोदय, कल मैं एक सक्मेलन में बोल रहा था तो किसी ने कहा कि फलां फलां आदमी भ्रश्ट है और वह लूट कर खा गया। हमें ऐसा नहीं बोलना चाहिए, हमारे अन्दर इतनी मौरेलटी होनी चाहिए कि उस आदमी का नाम लेकर कहें कि फलां आदमी पैसा खा गया है। अगर हम इस तरह की बात करेंगे तो लोक पाल बिल से इस प्रदे ा को भ्रश्टाचार मुक्त इन्वायरमैंट मिलेगा।

Mr.Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of amendment to various clauses of the Bill from the Hon'ble Chief Minister. Now the Hon'ble Chief Minister will move the amendment.

मुख्य मंत्री (बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए एक बात सदन में रखना चाहता हूं। जब हमने पहले यह बिल बनाया था उसमें मेयर, सिनियर डिप्टी मेयर या डिप्टी मेयर

थे। इसी तरह से प्रैजिडैंट या वाइस प्रेजिडैंट या मैम्बर ऑफ म्यूनिसिपल कमेटी प्रैजिडैंट या वाईस प्रैजिडैंट या मैम्बर ऑफ जिला परिशद तथा चेयरमैन या वाईस चेयरमैन या मैम्बर ऑफ पंचायत समिति, प्रैजिडैंट या वाईस प्रैजिडैंट या मैम्बर्ज ऑफ अपैक्स बॉडी, प्रेजिडैंट, वाइस प्रैजिडैंट, मैनेजिंग डायरैक्टर ऑफ को–आप्रेटिव सोसाइटी थे। इसमें जो मैम्बर्ज बाद में लगाए हैं वे सिलैक्ट कमेटी ने लगाए हैं हमने नहीं लगाए हैं। बहन करतार देवी जी ने जो कहा कि इस क्लाज को हटा दो तो उस बात पर हम एग्री कर गए हैं। हम आफिस बेयरर में मेयर, सिनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर को रखेंगे, बाकी जो मैम्बर्ज हैं उनको हटा देंगे। क्लाज 2(6) में प्रैंजिडैंट, वाईस प्रैजिडैंट म्यूनिस्पैलिटी रखेंगे उनके मैम्बर्ज को नहीं रखेंगे। क्लाज 2(6) में प्रैंजिडैंट, वाईस प्रैजिडैंट ऑफ जिला परिशद तथा चेयरमैन, वाईस चेयरमैन ऑफ पंचायत समिति रखेंगे। इन्होंने जो सुझाव दिया है उसको हम मानते हैं। प्रैजिडैंट, वाईस प्रैजिडैंट, अपैक्स बौडी और इसके मैम्बर्ज को भी हम छोडते हैं। को–आप्रेटिव सोसाइटी के मैम्बर्ज को भी हम छोडते हैं। इसमें से हम प्रैजिडैंट, वाईस प्रैजिडैंट और मैनेजिंग डायेरैक्टर को रखते हैं। अध्यक्ष महोदय, समता पार्टी की तरफ से एक सुझाव आया कि इसमें कंसलटे ान के लिए लीडर ऑफ दी अपोजि ान भी हो। तो जहां हम हरियाणा असैम्बली के स्पीकर महोदय को रख रहे हैं वहीं पर मैं यह अमैंडमैंट भी मंजूर करता हूं कि हम लीडर ऑफ दि अपोजि ान को भी इसमें रखेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसमें जो 20 साल वाली बात आई है उसको हम

10 साल करने जा रहे हैं। (विघ्न) जब वोटिंग होगी तब आप वोट डाल लेना। मैं इससे इंकार तो नहीं कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, समता पार्टी की तरफ से एक बात और आयी। अध्यक्ष महोदय, इस बिल की क्लाज 10(2) में लिखा हुआ था–

"Every complaint involving an allegation or grievance shall be made in such form, and in such manner and shall be accompained by such affidavit as may be prescribed. However, the Lokpal may dispense with such affidavit in any appropriate case."

अब हम एप्रोप्रिएट केस की जगह कर रहे हैं appropriate case for reasons to be recorded in writing तो अध्यक्ष महोदय, इन अमैंडमैंटस के साथ अब मैं प्रस्ताव करता हूं कि इस बिल को पास किया जाए। अध्यक्ष महोदय, अब तो हमें भाायद एल0आर0 से भी पूछना पडेगा कि क्या अब यह बिल 1997 बन जाएगा ?

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा है कि म ाीनरी 1989 में आई और उस वक्त चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे और 75–80 करोड रूपये की म ाीनरी आई। यह 75–80 करोड रूपये की म ाीनरी तो जरूर मंगवाई गई लेकिन उस पर कोई काम नहीं किया गया। चौधरी देवी लाल के समय में अगर यह 210 मैगावाट की प्लांट कम्पलीट हो जाता तो इसकी लागत 238.26 करोड रूपये आती।

Sh. Krishan Lal: Speaker Sir ..... (Interruptions).

Mr. Speaker: Sh. Krishan Lal ji, pleate take your seat otherwise, I will have to name you.

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अगर यह म ाीनरी उस वक्त यूज हो जाती तो यह प्लांट 238.26 करोड रूपये में बन जाता लेकिन यह म ाीनरी पेटियों में पडी रही और उसको जंग लगता रहा। हमने आ कर के इन पेटियों को खुलवाया है और इस म ाीनरी को इस्तेमाल किया है। अध्यक्ष महोदय, 1991 में चौधरी भजन लाल जी के समय में अगर यह प्लांट लग जाता तो 320 करोड रूपये में यह बन जाता और अगर 1993 में इसे लगा देते तो यह 405 करोड रूपये में बन जाता। अध्यक्ष महोदय, जितनी देर इसको पूरा होने में होती रही उसी अनुपात में रेटस भी बढते रहे और इसी कंस्ट्रक ान कास्ट बढती जा रही है। अब इस प्रोजैक्ट के लिए हमने 634 करोड रूपये की लागत आंकी है और

अब 634 करोड रूपये में इसे हम बना रहे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, छठे यूनिट का यह काम तेजी से चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा बारह प्लांट 25–25 मैगावाट के फील्ड में हम लगवा रहे हैं, इसकी क्लीयरैंस दे दी है। इसकी अनुमति भारत सरकार से आनी है और अपने आप पैसे का प्रबन्ध कर रहे हैं। जैसे ही पैसे का प्रबन्ध हो जाएगा उन पर काम चालू हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, हमारा पावर परचेज एग्रीमैंट है पानीपत की आयल रिफायनरी से हो गया है। वह हमें अल्टीमेटली मार्च 2001 तक 301 मैगावाट बिजली देगी। यह जो पानीपत की रिफायनरी बनी है उससे एक रिफयूज निकलता है जिससे बिजली पैदा होती है जो कि हमें वहां पर मिलेगी। यमुना नगर में 250–250 मैगावाट के दो प्लांटों के टैंडर आज कल में निकलने वाले हैं, भाायद ई ू भी हो गए हों। इस तरह से जो हम पावर को बढा रहे हैं इसके बढाने से बहुत ही अच्छे परिणाम होंगे और प्रदे ा को बहुत फायदा होगा। इसके बाद इन्डस्ट्री में भी फायदा होगा। सदन में यह भी एलिगे ान लगाया गया कि हमारी सरकार के आने के बाद हरियाणा में कोई भी इण्डस्ट्री नहीं लगी है। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि हम उनको इनवाइट ही नहीं कर रहे हैं। हम उनको इसलिए इनवाइट नहीं कर रहे हैं क्योंकि अ गर हमने उनको बुला लिया, उसने यहां पर पैसा इन्वैस्ट कर लिया और हम उसको पूरी बिजली नहीं दे पाएं तो ठीक बात नहीं होगी। वह तो फैक्टरी लगा लेगा और मजदूर रख लेगा तो उससे हमारे लिए भी ला एण्ड आर्डर की प्रौब्लम खडी हो जाएगी। लेकिन हमारे यहां पूरी

बिजली न होने के बावजूद भी इण्डस्ट्रीलिस्ट हमारे पास हरियाणा में इंडस्ट्री खोलने के लिए आते हैं। वे इसलिए आते हैं क्योंकि हरियाणा में ला एण्ड आर्डर की स्थिति बहुत अच्छी है। अध्यक्ष महोदय, एक बात और यहां पर कही गई कि वर्ल्ड बैंक से हम कर्जा इसलिए ले रहे हैं कि हम उसाके खुर्द बुर्द करना चाहते हैं उसको हम हज्म कर जाएंगे। ये इस प्रकार की बात इसलिए कहते हैं क्योंकि इन भाईयों ने वह देखा ही नहीं है और इनकी हैसियत ही नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक उस इन्स्टीच्यू ान को और उस कारपोरे ान को लोन देता है जिसकी क्रैडिबिलिटी हो। इसके साथ साथ वर्ल्ड बैंक के आदमी आते हैं, वे सर्वे करते हैं, हिसाब करते हैं, पार्टी को साथ बिठाते हैं और यह भी देखते हैं कि यह पार्टी पैसा वापिस दे सकती भी है या नहीं दे सकती है। यह कंडी ान तो उनकी सबसे पहले है। कोई बैंक और कोई भी मन लैंडर तब तक पैसा नहीं देगा जब तक उसको उसका पैसा वापिस आने की गारंटी न हो। सदन में एक साथी ने कह दिया कि हम वर्ल्ड बैंक से एक हजार करोड रूपया खुर्द बुर्द करने के लिए ले रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक का जो लोन होता है उस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि बहुत सी जगहों पर जहां पर काम करवाते हैं वर्ल्ड बैंक सीधा पैसा दे देता है। उसके साथ जो चीजें हम खरीदते हैं वर्ल्ड बैंक के आदमी इसकी इन्सपैक ान करते हैं कि वह चीज ठीक है या नहीं है उसकी क्वालिटी अच्छी है या नहीं और वे यह भी देखते हैं कि वे चीजें पूरी हैं या नहीं हैं। वे यह भी देखते हैं कि वह चीज ठीक जगह पर भी लगी है

कि नहीं लगी है। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक वालों ने हमें वहां जाकर के जो चिटठी लिखी है अगर वह हम पढ कर यहां पर सुना दें तो इनकी देही में बाकी कुछ न रहेगा। इतनी बढिया चिटठी उन्होंने हरियाणा सरकार के बारे में लिखी है। अध्यक्ष महोदय, जो वर्ल्ड बैंक से हमको लोन आता है चाहे वह बिजली बोर्ड के लिए आए या चाहे वह डब्ल्यू0आई0सी0पी0 के लिए आए, उस पर 13 परसैंट ब्याज होता है। और जो रूपया हमको वर्ल्ड बैंक से लोन के रूप में मिलता है उस लोन में 30 परसैंट भारत सरकार हमको ग्रांट देती है और 70 परसैंट लोन हमको वापस करना है। अध्यक्ष महोदय, जहां इतनी तसल्ली से काम हो रहा है वहां इनको सबसे बडी बात यही लगती है कि बिजली का काम साल डेढ साल में बहुत बढिया हो जाएगा तो फिर ये क्या कहेंगे इनके पास फिर कहने को कुछ भी नहीं रहेगा ? अध्यक्ष महोदय, अभी हमें 240 करोड रूपये का लोन मिला है। वर्ल्ड बैंक वालों ने यह 240 करोड रूपया हमें पर्टीकुलर आईटम के लिए पर्टीकुलर स्कीम के लिए दिया है। जो 240 करोड रूपया हमने वर्ल्ड बैंक से लोन लिया है इसमें जो जो स्कीम भाामिल हैं वह इस तरह हैं ओवर लोडिड फीडर्ज को जिनमें पूरी बिजली नहीं ले जायी जा सकती, को मजबूत करने के लिए एवं सही बनाने के लिए हम ऐसे फीडर्ज को रिप्लेस करेंगे। हम 50 फीडर्ज 35.79 लाख रूपये की कीमत से खरीदेंगें। इसके अलावा जो ट्रांसफार्मर्ज छोटे रह गए हैं, उनकी आगमैंटे ान के लिए हम साढे पांच हजार नये ट्रांसफार्मर्ज बदलेंगे। इनकी कीमत चालीस करोड 66 लाख रूपये होगी।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हम एक 220 के0वी0 का सब स्टे ान पल्ला में बनाएंगे। इस सब स्टे ान पर 18 करोड 50 लाख रूपये की लागत आएगी। इसके अलावा हम तीन नयी लाइनें पल्ला से पाली, पाला से समेहपुर और यमुनानगर से भााहबाद बनाएंगे। इनकी लागत पर 24 करोड 50 लाख रूपये लगेंगे। इसी प्रकार से 32 करोड रूपये की लागत से हम दो लाख ऐंनर्जी मीटर्ज परचेज करेंगे। इसके अलावा 24 ऐगजिस्टिंग 33 के0वी0 सब स्टे ांज 9 करोड 56 लाख रूपये की लागत से आगमैंटे ान करेंगें। 80% of these works would be completed before march, 1999 and the remaining works would be completed by December, 1999. यह सब हमारा 240 करोड रूपये में आगएा। इसके अलावा जो हमको एक हजार करोड रूपये का और लोन वर्ल्ड बैंक से मिलेगा, उसके बारे में वर्ल्ड बैंक वाले सारी चीजों को यहां पर आकर देख गए हैं और हमारे साथ डिसकस कर गए हैं। अध्यक्ष महोदय, इस लोन में हम जो काम करेंगे वह यह है इम्प्रूवमैंट आफ लोकली डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम के लिए हम 15500 किलोमीटर लम्बी डिस्ट्रीब्यू ान लाईन बिछाएंगे जिसकी लागत 290 करोड रूपये आएगी। जिन लाईनों से पावर हम कंज्यूमर ऐंड तक पहुंचाएंगे, उनके लिए हम 12 हजार नये ट्रांसफार्मर्ज खरीदेंगे जिनकी कीमत 120 करोड रूपये होगी। इसके अलावा हम 3.77 हजार नये मीटर्ज खरीदेंगे इनकी कीमत चालीस करोड रूपये होगी। इसी तरह से हम पांच एल0टी0 कैपीसिटेटर्ज पावर की वोल्टेज को इम्प्रूव करने के लिए पांच करोड रूपये की लागत से

खरीदेंगे। इसके अलावा डिमांड साईड की मैनेजमैंट पर भी काम किया जाएगा जिसकी लागत 47 करोड रूपये आएगी और जो ऐगजिस्टिंग सब स्टे ांज हैं उनका भी आगमैंटे ान किया जाएगा। जिसकी लागत 320 करोड रूपये आएगी। इसी तरह से हम 220 के0वी0 के चार नये सब स्टे ांज बनाएंगे जो कि यमुनानगर, टेपला, चीका और महेन्द्रगढ में होंगे। इसी तरह से 220 के0वी0 के हम पांच सब स्टे ांज का आगमेंटे ान करेंगे जो कि पेहवा, सोनीपत, पानीपत, निसिंग और पंचकूला में होंगें।

132 के0वी0 के ग्यारह नये सब स्टे ांज कुंडली, सकूझाना, बाडला, कंथली, जस्मान, मुरथल, हरसाना कलां, जलमाना, तो ाम, भिवानी और लोहारू में बनाएंगे। 132 के0वी0 की 3 की आगमैंटे ान होगी जिनमें गोहाना, इस्माइलाबाद और उकलाना भामिल हैं। 66 के0वी0 के छह सब स्टे ान, कालका मंसा देवी, सैक्टर 9 गुडगांव, सैक्टर 55–56 गुडगांव, सैक्टर 45 गुडगांव और लोहारू में बनाएंगे। 33 के0वी0 के 35 सब स्टे ांज बनाएंगे और 33 के0वी0 के सब स्टे ान जो आगमैंट करेंगे वह 36 होंगे। कुछ साथियों ने ऐतराज किया था कि 500 करोड के लोन का क्या करेंगे तो मैं बताना चाहूंगा कि वर्ल्ड बैंक इन चीजों की गारन्टी करता है और किस किस स्टेज पर करता है वह बता देता हूं। जब हम टैंडर मांगते हैं तो उसकी फार्मुले ान की स्पेसिफिके ान वर्ल्ड बैंक को भेजते हैं Tenders are cleared by the Bank before, issue. टैंडर मांगने से पहले हम उसको क्लीयर

कराते हैं और जब टैंडर आ जाते हैं, हम उनको ऐग्जामिन कर लेते हैं और देख लेते हैं कि ये ठीक हैं कि नहीं। अगर ठीक होते हैं, तब वर्ल्ड बैंक को भेजते हैं। जब वर्ल्ड बैंक उनकी मंजूरी देता है तब काम अलौट होता है। The World Bank also sends supervision mission to ensure that whether the material has actually arrived whether the material is of good quality and material has actually installed. इसके बारे में वर्ल्ड बैंक वाले अपनी पूरी तसल्ली करते हैं। अध्यक्ष महोदय, यहां यह भी कहा गया कि बिजली के रेट 8 बार बढा दिये। स्पीकर सर, बिजली के रेट बढाए जाने का फार्मूला यह है कि Ingredients of the general tariff include the cost of purchase, establishement costs, depreciation, interest, repayment to Govt. Operation and maintenance, charges of thermal plant and cost of fuel, increase in cost of oil and frieght. The fuel costs are raised by Govt. of India. अध्यक्ष महोदय, जो बिजली के टैरिफ चौधरी भजन लाल ने 14.9.1982 को 15 परसैंट बढाए, 15.9.1983 को 35 परसैंट सिर्फ इंडस्ट्री पर 1.4.1984 को 45 परसैंट इंडस्ट्री पर , 1.5.1985 को 30 परसैंट जनरल बढाए। During this period the fuel surcharge was increased five times. 1.10.1982 को चौधरी भजन लाल मुख्य मंत्री थे तब 10 पैसे प्रति यूनिट बढाए, 1.4.1983 को 11 पैसे, 1.10.1982 को 12 पैसे, 1.4. 1984 को 16 पेसे और 1.10.1984 को 17 पैसे इस प्रकार पांच बार बढे। उसके बाद लोकदल की सरकार आई और चौधरी देवी

लाल मुख्य मंत्री बने तो तीन बार बिजली के रेट बढे। 1.12.1987 को ऐक्सैप्ट डौमैस्टिक 25 परसैंट बढाए, 1.9.1988 को 45 परसैंट सब पर, 1.12.1990 को 25 परसैंट और डयूरिंग दिस पीरियड आठ बार फ्यूल सरचार्ज बढे। एक बार 1.12.1987 को 16 पैसे, 1.4. 1988 को 21 पैसे, 1.10.1988 को 22 पैसे, 1.4.1989 को 28 पैसे, 1.10.1989 को 33 पैसे, 1.4.1990 को 36 पैसे, 1.10.1990 को 38 पैसे और 15.10.1990 को 42 पैसे बढाए। जब चौधरी भजन लाल का सैकिण्ड टन्योर आया तो बिजली बोर्ड का टैरिफ 5.6.1992 को 25 प्रति ात, 1.2.1994 को 25 प्रति ात, 28.12.1994 को 25 प्रति ात बढा और उस दौरान फ्यूल सरचार्ज ग्यारह बार बढा जो कि इस प्रकार है– 16.6.1992 को 61 पैसे, 17.2.1993 को 66 पैसे, 1.4.1993 को 72 पैसे, 18.6.1994 को 74 पैसे, 29.1.1994 को 75 पैसे, 1.4.1994 को 81 पैसे, 16.6.1994 को 83 पैसे, 11.10.1994 को 85 पैसे, 1.4.1995 को 5 पैसे, 29.12.1995 को 10 पैसे, 1.4. 1996 को 18 पैसे। अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार ने बिजली का जो टैरिफ बढाया है वह इस प्रकार है– 1.7.1996 को 20 प्रति ात, 15.6.1998 को 15 प्रति ात तथा सात बार फ्यूल सरचार्ज बढाया है। जो कि इस प्रकार है– 1.7.1996 को 8 पैसे, 19.8.1996 को 13 पैसे, 12.9.1996 को 19 पैसे, 20.12.1997 को 22 पैसे, 6.5.1997 को 35 पैसे, 18.9.1997 को 38 पैसे और 20. 11.1997 को 41 पैसे। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने एक बात इस सदन में कही है कि वर्तमान सरकार दिसम्बर तक बिजली का रेट छः रूपये प्रति यूनिट कर देगी अगर ऐसा नहीं हुआ तो वे इस

सदन में नहीं आयेंगे। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि आज भी ये इस बात को अक्सैप्ट करते हैं ? (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह बात कही है कि जो वर्ल्ड बैंक के लिये 2400 करोड रूपया लिया है उसकी जब दूसरी किस्त एक हजार करोड रूपये की यह वर्तमान सरकार दिसम्बर के आसपास लेगी तो वर्ल्ड बैंक की यह भार्त है कि इस सरकार को बिजली का टैरिफ 30 प्रति ात बढाना पडेगा क्योंकि पहली किस्त 240 करोड रूपयें की इस भार्त पर रिलीजी की गई है जब इस सरकारने 15 प्रति ात टैरिफ को बढाया है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने यह बात इस सदन में कही है कि अगर दिसम्बर तक बिजली का टैरिफ 6 रूपये प्रति यूनिट नहीं हुआ तो ये इस सदन में नहीं आयेंगे। क्या ये अपनी इस बात पर कायम हैं ? मैं तो इनसे सिर्फ इतनी बात ही पूछना चाह रहा था ?

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा है कि वर्ल्ड बैंक से दिसम्बर में जब अगली लोन की किस्त हरियाणा बिजली बोर्ड को दी जायेगी तो वह इसी भार्त पर दी जायेगी कि बिजली का टैरिफ 30 प्रति ात बाया जाये, नहीं तो अगली किस्त रिलीज नहीं की जायेगी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को आ वासन देता हूं कि दिसम्बर तक हम बिजली का टैरिफ

एक पैसा भी नहीं बढायेंगे ? मैं एक बात और इस सदन को बताना चाहता हूं कि हरियाणा बिजली बोर्ड पर वर्ल्ड बैंक की 30 प्रति ात टैरिफ बढाने की कोई भार्त नहीं है। अब चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी यह फैसला करें कि अगर दिसम्बर तक बिजली की दरें 6 रूपये प्रति यूनिट नहीं हुई तो क्या ये सदन में नहीं आयेंगे ?

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात पर कायम हूं कि जब भी इनकी दूसरी या तीसरी किस्त फाईनल होगी जो कि 2400 करोड रूपये की वर्ल्ड बैंक ने देनी है उस समय इनको टैरिनफ को बढाना ही पडेगा। इस सरकार ने 2400 करोड रूपये बिजली बोर्ड के लिए, 1400 करोड रूपये रोडज के लिए और 1805 करोड रूपये नहरों के लिए तीन लोन लिये हैं और राम बिलास भार्मा जी बडी बडी बातें कर रहे हैं कि पोखरण में परमाणु बम विस्फोट करने से दे ा की भााान बढी है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि विस्फोट करने के बाद यू0एस0ए0 और जापान ने इन तीन बडे लोनज को कंडी ान के आधार पर सैकं ान किया है या नहीं। दूसरा, मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या यह सरकार इन तीन बडे लोन्ज के बारे में हरियाणा की दो करोड जनता को व्हाइट पेपर जारी करके स्पश्ट करेगी ताकि हरियाणा की जनता को इस बारे में पता लगे ?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि राम बिलास जी ने परमाणु बम विस्फोट के बारे में कहा। मैं समझता हूं कि परमाणु बम विस्फोट के बारे में अकेले

राम बिलास जी ने नहीं पूरे दे ा की 99 करोड जनता ने कहा है। मैं समझता हूं कि इससे चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को भी गर्व है कि हमारा दे ा ताकतवर बना है। 11 और 13 तारीख को जो परमाणु बम के धमाके पोखरण में हुए हैं, उससे तो अमरीका जो सारे संसार में अपनी दादागिरी करता है, वह भी हिल गया। जहां तक सैंक ांज की बात है कि उनसे कितना फर्क पडेगा, मैं कहना चाहता हूं कि आगे क्या होगा और क्या नहीं होगा, यह तो बाद की बात है लेकिन हमारे ऊपर अभी तक इसका कोई प्रभाव नहीं है। हमें 2400 करोड रूपये का लोन ज्यों को त्यों प्राप्त होगा। उस में कोई बाधा नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, सरकार का वर्ल्ड बैंक के साथ जो एग्रीमैंट था, वह चिटठी पिछले सत्र में मैंने पढकर सुनाई थी तथा वह चिटठी आपको दी भी थी। उसमें लिखा था कि पहले जो लोन लिया जाएगा उस पर 15 प्रति ात टैरिफ पडेगा तथा वह टैरिफ सरकार पर पडना था। फिर आपने वर्ल्ड बैंक से दोबारा लोन की परमि ान लेकर इस टैरिफ को बढाया। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी का अंदे ाा बिल्कुल सही है कि उस एग्रीमैंट में यह लिखा है कि दूसरा जो लोन लिया जाएगा, उस पर आप को 30 प्रति ात टैरिफ देना पडेगा अन्यथा वे आपको लोन नहीं दें गे। अब आप लोन कब लें गे यह बात अलग है लेकिन आप यह बताएं कि यह एग्रीमैंट हुआ है या नहीं ?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हमारा ऐसा कोई एग्रीमैंट नहीं हुआ है, क्योंकि हमने रियलाईजे ान ठीक कर ली है इसलिए रेट बढाने की कोई बात ही नहीं है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी सदन में वर्ल्ड बैंक से लोन लेने की बात कह रहे थे, उस समय बदकिस्मती से मैं सदन में उपस्थित नहीं था। इन्होंने मेरे साथ बहुत बडी ज्यादती की है क्योंकि यहां सदन में बोलने से पहले मैं इनको किसी और काम से असैंबली के आफिस में ले गया था उस वक्त ये मुझसे कह रहे थे कि खूब लोन लो और हर चीज के लिए लोन लेकर काम करते जाओ। मैंने उन को कहा कि मैं तो सिर्फ उस लोन की क्लीयरैंस महकमें को देता हूं कि जिसकी मुझे तसल्ली हो जाए कि यह आसानी से हमें रूपये वापिस कर देगा। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने यह भी कहा कि आप तो लोन लेते जाओ, इनको आकर के तो हम ने ही देना है। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, यह कुर्सी सिर्फ मेरी ही नहीं है। इस पर आज कोई है, कल कोई था और भविश्य में न जाने कौन होगा। लेकिन कोई न कोई तो इस कुर्सी पर बैठेगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वाएंट आफ आर्डर। मैं मुख्य मंत्री जी को याद दिलाना चाहता हूं कि यह बात मैंने उनको अपने भाशण के बाद कही है। (विघ्न) मैंने उस वक्त मुख्य मंत्री जी को यह बात भी कही थी कि कम से कम लोगों को यह तो बता दें कि सरकार यह जो लोन ले रही है, वह किन

टर्मज एंड कंडी ांज पर ले रही है। सरकार को व हमें तो मालूम है लेकिन लोगों को भी इस बारे में मालूम होना चाहिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में हम लोगों को बता रहे हैं और आगे भी बता देंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरे साथ बडी ज्यादती की है कि पहले तो कहा कि लोन ले लो और फिर आधे घंटे या 15 मिनट के बाद कहा कि लोन क्यों ले रहे हो। इन्होंने मुझे गलत गाईड क्यों किया ? (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, चिमन भाई पटेल 3 साल गुजरात के मुख्य मंत्री रहे हैं और उन्होंने 3 साल के अंदर 30 करोड रूपये की गुजरात में इन्वैस्टमैंट की। परिणामस्वरूप गुजरात आज सबसे सम्पन्न राज्य है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि ये ज्यादा कर्ज लेने के हक में हैं अथवा नहीं ?

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, हां, मैं इस हक में हूं।

श्री बलवीर सिंह (मेहम): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जैसे नए मैम्बर को बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवादा करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने ऐसा किया यह आपका बडप्पन है। अध्यक्ष महोदय, यह जो बजट वित्त मंत्री जी ने पे ा किया है मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खडा हुआ हूं। यह बजट किसानों, व्यापारियों और ि ाक्षा के हित में नहीं है। इसमें किसी भी वर्ग के लिए कोई रियायत नहीं दी गई

है। इस बजट से तो आम लोगों को भी कोई रियायत नहीं मिली है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैंने सुबह भी आपके माध्यम से मंत्री जी को कहा था कि लाखन माजरा ड्रेन अधूरी पडी हुई है। हमारे रोहतक जिले में ग्रिवैंसिज कमेटी के चेयरमैन भाई कर्ण सिंह दलाल हैं। वहां पर भी इस बारे में जिक्र होता है। अध्यक्ष महोदय, आज सुबह मंत्री जी ने कहा कि विपक्ष के भाई उस ड्रेन को नहीं खुदवाने देते हैं। यह इल्जाम इन्होंने सीधा हमारे ऊपर लगाया था। अध्यक्ष महोदय, जब कृशि मंत्री जी रोहतक में ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग ले रहे थे तो उसमें मैंने इनसे कहा थार कि मंत्री जी आप हमें टाईम दे दें यह 4–5 गांवों का मामला है। हम उन गांवों के सभी लोगों को उस समय इकटठा कर लेंगे और इस विशय में बैठकर बातचीत करे लेंगे। लेकिन मंत्री जी ने हमें टाईम नहीं दिया है। अध्यक्ष महोदय, बी0जे0पी0 का एक पी0के0 चौधरी है उसने उस ड्रेन के काम को रूकवा रखा है। वह उससे राजनैतिक फायदा उठाना चाहता था। यह जो लाखन माजरा ड्रैन है उसमें पानी की खाले यूं की यूं ही पडी हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो साईफन और पुलिया बनानी थी वह नहीं बना रहे हैं। उनके न बनने से बहुत ही (कठिनाईयों) का सामना वहां के लोगों को करना पड रहा है। अगर जमींदारों के खेतों में पानी नहीं जाएगा और वे अपने खेतों तक नहीं पहुंच पाएंगे तो इससे उनको और ज्यादा कठिनाई हो सकती है। मंत्री जी उस ड्रेन को बनवाने का कश्ट करें। हमारे मेहम हल्के में चार गांव निदाणा, भेनी चन्द्रपाल, गिरावड, मोखरा खेडी में अभी तक भी चकबंदी नहीं हुई

है। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि वह इन गांवों में चकबंदी करवाए। इनमें से कुछ गांवों में तो आधे गांव में चकबंदी हो रही है और आधे में नहीं। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी भी दो साल पहले कहा करते थे कि हर एक टेल पर पानी पहुंचाएंगे परन्तु हमारे हल्के में तकरीबन 6–7 टेल्ज ऐसी हैं जहां पर अभी तक भी पानी नहीं पहुंच पाया है। अध्यक्ष महोदय, एक नहर तो आपके हल्के की तरफ ही जा रही है उसमें हामरे हल्के में कोई मोगा नहीं है। वैसे दो या तीन नहरों में तो आपकी सरकार बनने के बाद पानी आया है लेकिन तीन चार नहरों की टेल्ज पर बिल्कुल पानी नहीं पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, एक बरसोला माईनर है उसकी टेल पर तो लाठर साहब की मेहरबानी की वजह से पानी नहीं पहुंच रहा है। जब ये चेयरमैन थे तब भी वहां पानी नहीं आने देते थे और अब मंत्री हैं तब भी ये पानी नहीं आने देते हैं। सारे अधिकारी यानी एस0डी0ओ0, जे0ई0, एस0ई0 या दूसरे बडे अधिकारी इनकी ही बात मानते हैं। जो नहरों के मौंगे हैं उनमें भी पानी नहीं आता है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा की जनता ने हम 90 आदमियों को यहां पर चुनकर भेजा है और इससे बडी हरियाणा की कोई पंचायत भी नहीं है। इन 90 आदमियों में से मैं भी हूं। यहां पर अगर कोई जायज बात भी कही जाए तो उसको भी यहां पर पक्षपात की बात कहते हैं। सरकार चाहे कोई काम करें या न करें लेकिन हमे ाा उसके खिलाफ ही बोला जाता है। यह बहुत ही भार्म की बात है। जो लोग यहां पर हमको देख रहे हैं वह क्या सोचते होंगे। इसी तरह

से बडे बडे अधिकारी भी हमारे बारे में क्या सोचते होंगे कि जो ये लोग चुनकर आए हैं वे कितने बडे आदमी हैं, मंत्री हैं लेकिन ये आपस में ही कैसी कैसी बातें करते हैं। मेरे से यहां पर सभी बुजुर्ग हैं इसलिए मेरी सभी से प्रार्थना है कि कम से कम हम सभी को तरीके से बातें करनी चाहिएं। यहां पर बहुत ही गलत भाब्द बोले जाते हैं। इसको देखकर यहां पर देखने वाले नौजवान साथी क्या महसूस करते होंगे। अध्यक्ष महोदय, सरकार की भी कोई कमी हो सकती है, मंत्री की भी कोई कमी हो सकती है और अधिकारी की भी कोई कमी हो सकती है। लेकिन हम उन कमियों की गहराई तक नहीं पहुंच पाते हैं। हम तो आपस में ही बहस में लगे रहते हैं जबकि हमें उन कमियों की गहराई तक पहुंचना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर यहां बैठे हुए नहीं हैं। लेकिन मेरे पास पी0डब्ल्यू0डी0 से संबंधित दो डाकुमैंअस हैं। मंत्री जी हमें बता दें कि उनमें इनका भी हिस्सा है या नहीं ?

17.00 बजे।

अध्यक्ष महोदय, यह एक परम्परा पड रही है कि जे0ई0,एस0डी0ओ0, ऐक्सीयन, एस0ई0 और चीफ इंजीनियर और एक आध मिनिस्टर का भी नाम आया है सभी का नाम तो आया नहीं है। चाहे कोई भी काम हो, किसी भी महकमे का काम हो उसमें यह देखा गया है कि जे0ई0,एस0डी0ओ0, ऐक्सीयन, एस0ई0 और चीफ इंजीनियर 15–16 परसैंट तक पैसा ठेकेदार से लेना अपना हक समझते हैं यदि 15–16 परसैंट पैसा ठेकेदार से

अधिकारी ले लें तो ठेकेदार भी अपने बच्चों को रोटी खिलाने की सोचेगा तो आप सोचें कि क्या कोई ठेकेदार किसी काम को ठीक करेगा ? इस प्रकार से यह सिस्टम ऐसा हो गया है कि इसमें कोई भी काम अच्छा नहीं हो पाएगा। अगर ठेकेदारों से इस तरह से परसैंटेज ली जाएगी तो वे सब स्टैंडर्ड मैटीरियल लगाएंगे जिसके कारण बिल्डिंग, माइनर, पुली या खाल जिसकी समय सीमा या आयु 20 साल आप लगा लें तो वह 3–4 साल में ही कंडम हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी इलैक ान से पहले कहा करते थे कि मैं बडा स्ट्रौंग आदमी हूं और किसी भी अधिकारी को कोई पैसा नहीं लेने दूंगा लेकिन इसमें चीफ इंजीनियर, इंजिनियर इन चीफ पी0डब्ल्यू0डी0 वी एण्ड आर0 .... एस0ई0 ..... ऐक्सीयन ..... एस0डी0ओ0 सभी भाामिल हैं। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है।

श्री अध्यक्षः यह जो बलवीर सिंह जी ने नाम और डैजिग्ने ान बोले हैं इनमें से नाम रिकार्ड न किये जाएं।

श्री बलवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जगाधरी रोड पर एन0जी0 प्लांट के नाम से एक फैक्ट्री लगी हुई है उसमें .... का हिस्सा है यह बजरी ओर तारकोल का प्लांट है उसमें 6 करोड का काम दिया तो एस0ई0 ने कहा कि 30 परसैंट मैं लूंगा और 30 परसैंट ठेकेदार ने ओट लिया। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में ठेकेदार के बयान और ऐफीडेविट मेरे पास है।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, जो आनरेबल मैम्बर बोल रहे हैं उससे ऐसा जाहिर होता है कि किसी आदमी को इनको पोस्ट किया है और इनको बेचारे को तो पता नहीं कि हाउस के अंदर किसी पर इस तरह से इल्जाम नहीं लगाते हैं। ये तरीका ठीक नहीं है और मैम्बर भी बोलते हैं लेकिन डिपार्टमैंट के बारे में कहते हैं, सिस्टम के बारे में कहते हैं सोच समझ कर कहतेहैं परसैंटेज बताकर कहते हैं आंकडें देकर कहतेहैं लेकिन यह गली में मदारी की तरह खडे होकर बताना ठीक नहीं है।

श्री अध्यक्ष: बलबीर सिंह जी ने जो नाम लिया है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री बलबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय, गृह मंत्री श्री मनीराम गोदारा जी हमारे बुजुर्ग हैं हमारे बाप के समान हैं। मैं उनको बताना चाहता हूं कि मैं किसी का सिखाया हुआ यह बस बातें नहीं बोल रहा हूं। सवा लाख लोगों ने चुनकर मुझे इस सदन में भेजा है। जो बात सच है उसके लिए मैं एफीडेविट दे रहा हूं। मैं लोगों के हक की बात और जनता की भलाई की बात कह रहा हूं। जो सडकें या पुल तीन साल में नहीं टूटनी चाहिये वे छः महीने में टूट जाती हैं। यह रिकार्ड मेरे पास हैं मैं किसी का नाम नहीं लूंगा। (घण्टी)

Mr. Speaker: Please take your seat. (Noise & Interruptions).

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, 19.6.98 को मुख्य मंत्री जी के पास एक फैक्स आया उसमें यह बताया गया था कि इस जगह पर गडबड हो रही है परन्तु उसके बावजूद भी उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, एक इंक्वायरी हुई थी उसमें एक्सीयन श्री एस0के0 सिंगल ..... (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की बात कहूंगा। मैं एफीडैविट दे रहा हूं। (विघ्न)

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, अगर एफीडैविट देना है तो डिपार्टमैंट को देना चाहिये। ऐसे हाउस में किसी आदमी की पगडी उछालना अच्छी बात नहीं है। यह कोई तरीका नहीं है।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी की अपने बाप की तरह इज्जत करता हूं परन्तु मंत्री जी ऐसे मुझे धमकायें नहीं, अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में बल्मभा गांव में चार पांच साल पहले से ही पी0एच0सी0 की बिल्डिंग तैयार है। मंत्री जी यहां बैठे हुये हैं मेरी उनसे रिकवैस्ट हे कि उस पी0एच0सी0 को चालू किया जाये। दूसरी बात भैराभेणी गांव में स्कूल की बिल्डिंग गांव वालों ने बनाकर तैयार कर दी हैं मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि उस स्कूल को अपग्रेड किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि अगर मुझे से कोई गलत भाब्द निकल गये हों तो मैं उनके लिए

माफी चाहूंगा। धन्यवाद, आपने मुझे जो बोलने के लिए समय दिया।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी): स्पीकर सर, आपका धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। हमारे वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट पे ा किया है वह बडा ही सराहनीय बजट है क्योंकि इस बजट में कोई नये टैक्स नहीं लगाये गये हैं। यह हरियाणा के किसानों का भलाई के लिए और हर आदमी के लिए भलाई का बजट पे ा किया गया है। स्पीकर सर, अपोजी ान के साथी प्रदे ा में लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं कि आज प्रदे ा में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति बहुत खराब है। लीडर ऑफ अपोजी ान ने कहा कि चुनाव में जनता ने सरकार को धूल चटा दी। स्पीकर सर, आपको याद होगा कि पार्लियामैंट के चुनाव और असैम्बली के चुनाव हुये तो धूल किस पार्टी ने चटाई क्योंकि जहां भी लीडर ऑफ दि अपोजी ान के पैरों के नि ाान पडे वहीं पर भिवानी और रोहतक में इनका उम्मीदवार जीत नहीं पाया। इनके उम्मीदवार का बंटाधार हो गया। अब आप ही देख सकते हैं कि धूल किसने किसको चटाई है। सम्पत सिंह जी किस्मत वाले हैं कि फतेहाबाद की सीट को निकाल लाये क्योंकि वहां पर लीडर ऑफ दि अपोजी ान को जाने का समय ही नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी पक्ष के भाई कानून और व्यवस्था की बात करते हैं। चौधरी बंसी लाल जी के राज में पार्लियामैंट के चुनाव हुए, ये यह बता दें कि क्या उन चुनावों पर

कोई गलत हरकत हुई थी। लेकिन इनके राज में तीन बार चुनाव हुए और उन चुनावों में जो कुछ हुआ वह सभी को मालूम है। इसके बावजूद भी ये कानून और व्यवस्था की बात करते हैं। चौधरी बंसी लाल के समय में हुए चुनावों में एक चींटी की भी आवाज नहीं आने पाई। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 1987 के चुनावों में भिवानी में कुछ स्थानों पर रिपोलिंग हुई थी। अध्यक्ष महोदय, 1987 के चुनावों में ही वास्तव में कानून और व्यवस्था की समस्या हो गई थी। उस समय बदमा ाों ने वहां वोटों को जलाया था। आज ये कहते हैं कि प्रदे ा के अंदर कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब है। उस समय मैं तो एक छोटा सा मुलाजिम था। इन्होंने हमारे जितने भी आदमी थे, जितने भी हमारे वर्कर्ज थे, उनको थानों में बंद करवा दिया था। आज ये कहते हैं कि कानून और व्यवस्था की स्थिति प्रदे ा के अंदर खराब है। इन्हौंने वहां पर जाली वोटस भी डलवाए। आज ये प्रजातंत्र का बडा ढिंढोरा पीटते हैं। उस वक्त के चुनावों में मेरा लडका काउंटिं एजैंट था। इन्होंने उस पर झूठा केस बनवाया। श्री ओम प्रका ा चौटाला का एक वर्कर है, कहते हैं कि उसने मेरे लडके के खिलाफ एफिडैविट दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी संपत सिंह जी को कहना चाहता हूं क्योंकि ये एक सफल लीडर माने जाते हैं, ये बाकायदा इन्क्वायरी करा लें और अगर मेरे लडके का कानून और व्यवस्था बिगाडने में जरा सा भी हाथ पाया गया तो मैं हाउस से इस्तीफा दे दूंगा। हम झूठ के आधार पर कोई राजनीति नहीं करते हैं। मैं

पूछता हूं कि कौन कानून और व्यवस्था को बिगाडता है ? चौधरी बंसी लाल की सरकार किसी को नाजायज तंग नहीं करती है। यह बिल्कुल भाांतिप्रिय सरकार है। मैं इनको खुले तौर पर चैलेंज करता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं कि कानून और व्यवस्था की स्थिति हरियाणा में खराब है लेकिन आपको भाायद पता नहीं होगा कि इन्होंने 1989 में भिवानी में क्या किया था ? उस समय वहां पर किसने खराब किया कानून और व्यवस्था की स्थिति को ? किस ने ग्रीन ब्रिगेड बनाई ? किस ने लौगों को गलत आदतें सिखाई ? अध्यक्ष महोदय, आप खुद भिवानी जिले के रहने वाले हैं। इसलिए आप इनके कारनामों को जानते हैं। इनकी सरकार के समय में कानून और व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब होती थी। इनके समय में एक आई0जी0 जो बेचारा भगवान को पसंद आ गया, वह अब हमारे बीच में नहीं है, को चंडीगढ से वहां पर भेजा गया था और उससे वहां पर गोलियां चलवाई गई। मैं कहता हूं कि अगर कोई अच्छी बात करता है या अच्छा काम करता है तो क्या उसको अच्छा कहते हुए भार्म आती है ? हरियाणा की समस्त जनता जानती है कि चौधरी बंसी लाल जी एक ऐसे महान नेता हैं जो सुबह से लेकर भााम तक हरियाणा प्रदे ा की जनता की भलाई की बात ही सोचते हैं। उन्होंने बिजली के सुधार के लिए बहुत अच्छा सिस्टम बनाया है। हम पॉवर जनरे ान का अलगा सिस्टम, डिस्ट्रीब्यू ान का अलग सिस्टम और ट्रांसमि ान का अलग सिस्टम इंट्रोडयूस करने जा रहे हैं। लेकिन इन को इस बारे में पता ही नहीं है। कल एक महा ाय न्यूकलीयर बम्ब की

बात कर रहे थे। न्यूकलीयर बंब के बारे मे तो मैं भी नहीं जानता हूं, भला वे कैसे जानते होंगे ? अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल का यह एक बहुत ही बढिया प्रयास है कि जब हरियाणा की जनता को किसानों को व कारखनों को 24 घंटे बिजली मिलेगी तब प्रदे ा खु ाहाल होगा। लेकिन ये किसी का भला नहीं चाहते हैं। इन्होंने तो हर जगह अपनी टांग अडानी है। चौधरी बंसी लाल जी बिजली के सुधारीकरण के लिए प्रयासरत हैं और जब पुराने जनरे ान सिस्टम को बदला जाएगा तो प्रदे ा को 1263 मैगावाट बिजली फालतू प्राप्त होगी। यह हरियाणा का सौभाग्य होगा। मैं कहना चाहता हूं कि प्रदे ा में ट्रांस्मि ान नहीं किया जाएगा तब तक बिजली में सुधार नहीं हो सकेगा। अध्यक्ष महोदय, आप इन विरोधी पक्ष के भाईयों से पूछें कि क्या इन्होंने अपने समय में कोई ट्रांसमी ान लाईन खींची हो तो ये बता दें। चौधरी बंसी लाल की सरकार द्वारा बंसी लाल जी के अच्छे काम करने इनको पसन्द नहीं आए। बिजली के डिस्ट्रिब्यू ान सिस्टम और ट्रांसमि ान सिस्टम के लिए हमने वर्ल्ड बैंक से लोन लिया। लोन लेना कोई बुरी बात नहीं है। लोन भी साहुकार आदमी को मिलता है, बेईमान आदमी को लोन नहीं मिलता। इस लोन का प्रयोग जनता की भलाई के लिए ही होगा न कि लोगों की प्रापर्टी बढाने के लिए। आपने अपने समय में अरबों की जो जो प्रापर्टी बना रखी है वह मेरे पास इस कागज में लिखी हुई है। सदन में बैठा हुआ कोई भी सदस्य या अपोजी ान का भाई यह देख सकता है। बिजली के डिस्ट्रिब्यू ान सिस्टमू, ट्रांसमि ान सिस्टम और

जनरे ान सिस्टम नार्मल हो जाने से लोगों को 24 घंटें बिजली मिलेगी और किसान फले फूलेगा। अपोजी ान वाले कहते हं कि इरीगे ान में कुछ नहीं हुआ। इनके समय में इरीगे ान के बारे में हमें पता है हमारी क्या हालत थी, उस समय हमें पीने का पानी नहीं मिलता था। तालाब खाली पडे रहते थे। लोहारू वाटर लिफ्ट इरीगे ान सिस्टम में इन्होंने कभी कोई पम्प हाउस की मरम्मत नहीं करवाई। अगर वे पम्प ठीक होते तो मेरे एरिया में 1995 का फ्लड नहीं आता। इस सरकार के आने के बाद वह पम्प हाउस ठीक हुए हैं जिसके कारण हमारे एरिया के लोगों को 20 साल के बाद खु ाी मिली है। लोहारू पूरे हरियाणा का सबसे पिछडा हुआ एरिया माना जाता है वहां के लोगौं को अब इस सरकार के आने के बाद पीने का पानी मिल रहा है। 1986–87 में बंसीलाल ने जो नई नहरें/नए माइनर्ज बनाने का काम भाुरू किया था उसके बाद पिछली सरकारेां ने अपने समय में उन माइनर्ज पर जो सडकें गुजरती हैं उन पर पुल नहीं बनवाए। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद उन नहरों पर पुल बनाए गए हैं आज ये किसानों के मसीहा बनते हैं। इस समय नहरें बनाने के लिए जो लैण्ड एक्वायर हुई थी, उसका किसानों के इन्होंने अपने समय में कोई कम्पनसै ान नहीं दिया। इस सरकार के आने के बाद अब किसानों को इन्होनें अपने समय में कोई कम्पनसै ान मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक पब्लिक हैल्थ की बात है इस बारे में हमारा लोहारू एरिया सबसे इफैक्टिड एरिया है। अध्यक्ष महोदय, 1977 के चुनावों में हमने उस समय की पार्टी को 6 सीटें दी थी

और 1987 के चुनावों में उस समय की सरकार को हमने भिवानी की 7 सीटें दी थी। लेकिन पिछली सरकार ने सोचा कि भिवानी तो पाकिस्तान है इसलिए वहां पर पानी देने की क्या जरूरत है। मेरी कस्टीच्युएंसी, सोमवीर और नरपेन्द्र सिंह की कंस्टीच्युएंसी पानी के मामले में सबसे बैड इफैक्टिड थी। अब मैं घमण्ड के साथ कह सकता हूं कि हमारी सरकार आने के बाद अब वहां पर पानी की को कोई कम्पलेंट नहीं है, इससे ज्यादा हमारी सरकार और क्या कर सकती है। मेरे एरिया लोहारू में जो वाटर लिफ्ट इरीगे ान स्कीम है उसके साथ सीपेज की समस्या है। आज मुख्य मंत्री ने बताया कि उसके लिए 30 करोड रूपये की कोई स्कीम तैयार हो गई है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं। वह हमारी कंस्टीच्युएंसी की सबसे मेन समस्या थी, अब इसका समाधान हो जाएगा। मेरी कंस्टीच्युएंसी दादरी जो स्पीकर साहब, आपकी भी तहसील है और नरपेन्द्र सिंह जी की भी तहसील है वहां की भारी प्रोब्लम यह है कि वहां पर कोई मिनी सैक्रेटेरियट नहीं है। इस समय तहसील का कार्यालय एक बहुत पुरानी बिल्डिंग में है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा क्योंकि जो पुरानी बिल्डिंग महाराजा जींद के टाईम की बनी हुई है वह कोलैप्स हो गई है। और पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग ने उस बिल्डिंग को अनसेफ डिकलेयर कर दिया है उसके बारे में कुछ ध्यान दें। जहां तक हैल्थ की बात है मैं एक बात कहना चाहूंगा कि दादरी में जो होस्पीटल है वह जहाज कै हादसे के कारण तबाह हो गया था इसलिए उस होस्पीटल के बारे में दादरी

की सारी जनता कहने लग गई कि इस होस्पीटल को दादरी से बाहर स्थापित किया जाए तो बहुत अच्छा होगा। दादरी में जो उधम सिंह जैन होस्पीटल है उसको सरकार ने टेक ओवर तो कर लिया है लेकिन वह होस्पीटल चार पांच साल बंद रहने के कारण उसकी मैंटीनैंस करना जरूरी है। मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि सरकार उस होस्पीटल की मैंटीनैंस जरूर कराए। अंदर वाला होस्पीटल छोटे छोटे बच्चों के लिए कंटीन्यू रहे तो अच्छा है। स्पीकर साहब, हमारे अपोजी ान के माननीय सदस्य गवर्नमैंट एम्पलाइज के बारे में पता नहीं क्या क्या कहते हैं। मैं खुद गवर्नमैंट एम्पलाई रहा हूं। मैं ट्रेड यूनियनिस्ट रहा हूं। मैंने 10 साल तक आल इंडिया ट्रेड यूनियन को रीप्रैजेंट किया है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि 1987 में फोर्थ पे कमी ान चौधरी बंसी लाल जी ने दिया था। स्पीकर साहब, 1987 के बाद दो सरकारें रही वह दोनों सरकारें एम्पलाइज को छोटी छोटी 13 पे अनोमलीज दूर नहीं कर सकी आज जो एम्पलाइज एजीटे ान कर रहे हं वे उसी बात को लेकर एजीटे ान कर रहे हैं पिछली दोनों सरकारों ने 10 साल तक एम्पलाई की छोटी छोटी पे अनोमलीज दूर नहीं की। आज ये एम्पलाइज के बारे में बडी बडी सेखियां मार रहे हैं। हमारे मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने यह वायदा किया था कि फिफथ पे कमि ान लागू करूंगा और इन्होंने 1.1.96 से फिफथ पे कमि ान लागू कर दिया। स्पीकर साहब, इन दोनों पार्टियों के महारथियों की सरकारों द्वारा एम्पलाइज की छोटी छोटी पे अनोमलीज दूर न करने के कारण आज एम्पलाइज दुखी

हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों से रिक्वैस्ट करूंगा कि आप मेहरबानी करके वह नोट छापने वाली म ाीन थोड दिन के लिए हमें दे दें चूंकि आपको याद होगा जब चौधरी देवी लाल जी 1987 में मुख्यमंत्री बने तो उस समय उन्होंने कहा था कि लोगौं आप मुझे वोट दो मैं नोट छापने की म ाीन आपको दू दूंगा। उस समय मैं राजनीति में नहीं था मैं उनकी यह बात सुना करता था। इसलिए मैं आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि आप वह नोट छापने की म ाीन थोडे दिन के लिए हमें दे दें तो सभी कर्मचारियों की, किसानों की, व्यापारियों की आर्थिक स्थिति ठीक हो जाएगी और कोई नाराज नहीं होगा।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने चौधरी देवी लाल जी का नाम लिया है क्या ये उनका नाम ले सकते हैं क्योंकि वे इस हाउस के सदस्य नहीं हैं। इनको पता होना चाहिए कि नोट छापने की म ाीन नहीं होती यह तो पालिसी की बात होती है यह सरकार लोगों की भलाई के लिए उनके विकास के लिए कोई पालिसी बनाएं। उन्होंने उस समय लोगों की भलाई के लिए और उनके विकास के लिए अच्छी अच्छी पालिसी बनाई थी।

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप मायना साहब से जाकर पूछना कि वह कौन सी विधि है ?

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, उन्होंने बास गांव में यह कहा था कि लोगौं आप मुझे वोट दो नोट छापने की म ाीन थारै गांव में भी आ ज्यागी। (ाोर)

श्री बलवंत सिंहः नोट छापने की म ाीन नहीं होती जो किसी के घर में भेज दी जाए। उनका मकसद यह था कि पोलिसी ऐसी बनाई जाए जिससे दुकानदार, व्यापारी, किसान, मजदूर और एम्पलाइज की वित्तीय स्थिति ठीक हो जाए उनकी हालत ठीक हो जाए। (ाोर)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधा घंटे के लिए और बढ़ाया जाता है।

आवाजें: ठीक है।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय आधा घंटा बढ़ाया जाता है।

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने बजट पे ा किया है, यह बहुत अच्छा बजट है। यह किसानों का बजट है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं अपने अपोजी ान के भाईयों से निवेदन करता हूं कि ये सरकार को विरोध करें लेकिन वह कन्स्ट्रेक्टिव ढंग से करें। विपक्ष की तरफ से कन्स्ट्रेक्टिव

विरोध किया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, इनको पता है और ये दिल से जानते हैं कि बिजली का सुधार हो रहा है। इसी प्रकार से इरीगे ान और ड्रेनेज के काम में सुधार हो रहा है। इनसे कोई पूछे कि क्या इन्होंने अपने समय मैं कोई ड्रेन खोदी थी ? क्या आपने अपने समय में बाढ की रोकथाम के लिए कोई काम किया था ? अध्यक्ष महोदय, यह सरकार बधाई की पात्र है जिसने बहुत बढिया बजट पे ा किया है। यह आम नागरिकों के लिए, किसानों के लिए व व्यापारियों के लिए बहुत बढिया बजट है। धन्यवाद।

श्री दिलूराम (गुहला): अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी की तरफ से जो बजट पे ा किया है, मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खडा हुआ हूं। इस बजट में कोई ऐसी बात नहीं है जो जमींदारों की, व्यापारियों की, या मजदूरों के हक की कही गयी हो। हमारे भाोरेवाला जी ने किसी मजबूरी में वह बजट स्पीच बढी है। ये काफी अच्छे आदमी हैं और हमारे रि तेदार भी है। अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान में मैंने और सरदार जसविन्द्र सिंह जी ने जो हमारे एरियाज में टयूबवैल्ज हैं उनके लिए स्लैब प्रणाली लागू करने के लिए निवेदन किया था। मुझे खु ाी है कि सरकार ने पेहवा में वह स्लैब प्रणाली लागू कर दी। हमारे गुहला में भी सरकार जल्दी से जल्दी से यह प्रणाली लागू कर देगी, यह मुझे इस सरकार पर वि वास है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के की सडकों की हालत के बारे में कहना चाहता हूं। माननीय मंत्री जी कुछ दिन हमारे यहां पर ग्रिवेंसिज कमेटी के चेयरमैन भी रहे हैं। जब ये आते थे तो उस वक्त भी मैंने इनके सामने इन सडकों की हालत की समस्या रखी थी। मेरे एरिया में सडकों की दुर्द ाा है। इन सडकों पर व्हीकल्ज नहीं निकल सकते। मैं बताना चाहूंगा कि हमारे यहां पर जो सिविल हस्पताल की तरफ सडक जाती है उस पर 300 फुट लम्बा और तीन फुट गहरा एक गडढा है जिसके कारण उस सडक पर कोई व्हीकल्ज नहीं जाता। उस सडक की हालत खराब होने के कारण कोई आदमी मरीज को चैकअप कराने के लिए उस अस्पताल में नहीं जाता है। हस्पताल खाली पडा है। मैं मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि और सडकों को चाहे बाद में ठीक करवा दें कम से कम उनको तुरन्त ठीक करवाने के आदे ा जारी कर दें। उस सडक की हालत बहुत ज्यादा खराब होने से सभी परे ाान हैं अध्यक्ष महोदय, आपको पता है कि बाढ के दिनों में टांकरी, मारकंडा व दूसरी नदियों का पानी मेरे हल्के से निकलता है। अब से पहले भी मेरे हल्के के 8–9 गांव में बाढ आ गई, जिसके कारण वहां पर लोगों को दुबारा जीरी लगवानी पडी है। आपको भी पता है कि जमींदारों का एक एकड पर जीरी लगाने का खर्चा 1500 रूपये एक बार का आता है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने तो यह कह दिया कि हम उन गांवों के किसानों को 600 रूपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा दे रहे हैं और किसी को 200 रूपये, किसी को 400 रूपये प्रति एकड के

हिसाब से दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार कराईटेरिया बना रखा है कि या 50 प्रति ात या 75 प्रति ात या उससे ज्यादा जिस किसान का नुक्सान होगा उसको उसके हिसाब से मुआवजा दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मान लीजिए एक जमींदार के पास 100 एकड जमीन है और उसकी सौ की सौ एकड जमीन की फसल खराब हो गई, तो उसा 100 प्रतिि ात नुक्सान हो जाता है लेकिन उसको फिर भी मुआवजा नहीं मिलता है। अध्यक्ष महोदय, मेरी इस सरकार से प्रार्थना है कि जो आपने यह कराईटेरिया बना रखा है इसको बदला जाये। सरकार को यह देखना चाहिए कि वास्तव में उस किसान का कितना नुकसान हुआ है, उसी हिसाब से मुआवजा देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, गांव के अंदर कई दफा ओला वृश्टि होती है, एक खेत बच जाता है और दूसरी तरफ सारी फसल नश्ट हो जाती है तो उस बारे में ठीक तरह से गिरदावरी करवा कर मुआवजा दिया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा इस सरकार से प्रार्थना है कि मुआवजा देने के लिए जो कराईटेरिया बनाया हुआ है उसको बदला जाये। अध्यक्ष महोदय, हमें तो पूरी उम्मीद थी कि चौ0 बंसी लाल जी की कथनी और करनी में अंतर कोई नहीं है। ये जो कहते हैं वही करते हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में 12 टेलें हैं। मेरी तो यह बदकिस्मती है कि मेर हल्का बिजली के मामले में भी टेल पर है। हरियाणा प्रदे ा की भी टेल पर है और नहरों की भी टेल पर पडता है, मेरे हल्के की तरफ अगर कोई मुख्यमंत्री ध्यान देगा तो वह किस्मत वाला ही होगा। मेरे

हल्के में कई नहरें ऐसी हैं जो कई गांवों में 10–10 कि0मी0 पीछे रह गई हैं। अगर मैं इस बारे में रत्ति भर भी झूठ बोल रहा हूं तो आप वहां पर किसी भी अधिकारी को भेजकर पता करवा लें कि उन टेलों में पानी आता है या नहीं, उन टेलों में बिल्कुल भी पानी नहीं आता। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के में पानी लैवल 100 फुट नीचे चला गया है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर कोई नौजवान लडका अपने टयूबवैल को ठीक करने के लिए 100 फुट गहरे कुएं में जाता है तो 100 फुट गहराई में जाने से और 100 फुट गहराई से वापिस आने से उसके दांत पीले हो जाते हैं उसके बाद वह दोबारा कुएं में जाने की हिम्मत नहीं करता। उपाध्यक्ष महोदय मेरे हल्के के लोगों के पास जमीन के नीचे के पानी का ही साधन था और वह पानी भी दिन प्रतिदिन नीचे जा रहा है। मेरे हल्के में जब नहरें कच्ची थी तब उनमें पानी आता था लेकिन जबसे उनको पक्का किया गया है तब से उनमें पानी बिल्कुल नहीं आता। उपाध्यक्ष महोदय, एक मारकण्डा डिस्ट्रीब्यूट्री है, मेरे हल्के का उसमें 450 क्यूसिक पानी का हिस्सा है। वह नहर इतनी खराब बनी हुई है कि अगर उसमें 450 क्यूसिक पानी की बजाय 250 क्यूसिक पानी भी छोड दिया जाये तो वह नहर सरदार जसविन्द्रं जी के इलाके में जाकर टूट जाती है, पता नहीं उसके बनाने में क्या गलती हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, कहां 450 क्यूसिक पानी और कहां 250 क्यूसिक। जब तक उस नहर में 450 क्यूसिक पानी नहीं डाला जायेगा, तब तक मेरे हलके के लोगों को पानी नहीं मिलेगा। (विघ्न एवं भाोर) उपाध्यक्ष

महोदय, भाटिया माईनर, टूटियाना माईनर और गुहला माईनर 1993 की बाढ में 15–15 कि0मी0 दूर तक वह गये। आज तक किसी ने भी उनके ऊपर कोई कार्यवाही भ्रुरू नहीं की है क्योंकि मेरे से पहले जो विधायक था वह अपोजी ान का विधायक था, उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अब मैं भी अपोजी ान से हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय के लिए तो सारा हरियाणा प्रांत एक जैसा है, सभी को एक आंख से देखना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये कोई सराहनी काम करेंगें तो हम उसको स्वागत करेंगे, इन्होंने भाराब बंदी लागू की, यह एक अच्छा कदम था। भाई कर्ण सिंह दलाल ने यह कहा कि अपोजी ान वालौं ने भाराब बंदी का समर्थन नहीं किया, हमने उसका स्वागत किया, समर्थन किया। ग्रीवंसिज कमेटी के अंदर हम यह कहते रहे, उसके साथ साथ मैं यह भी कहता था कि जब तक पब्लिक ओपिनियन नहीं मिलेगी तब तक यह भाराब बंदी कामयाब होने वाली नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार को पब्लिक ओपिनियन मिली नहीं, सरकार ने दबाव भी डाला लेकिन यह फेल हो गई और दोबारा से हरियाणा प्रदे ाें भाराब लागू करनी पडी। यह तो सरकार की मजबूरी है यह तो इनको देखना है। (विघ्न) इसी तरह सर, मेरे इलाके में बिजली बिल्कुल डिम आती है और डिम क्या 24 घंटे में से सिर्फ 5 घंटे लाईट आती है और गर्मी बहुत भयानक पडी है, मच्छर बहुत ज्यादा हो रहे हैं, 10 बजे के बाद तो पता नहीं बिजली कहां चली जाती है। जब अधिकारियों से बात करते हैं तब वे कहते हैं कि आपके किसान टू फेस पर मोटरें चलाते हैं इसलिए

हम पूरी बिजली नहीं दे सकते। उपाध्यक्ष महोदय, मेरै इलाके में त्राहि त्राहि मची हुई हे। जब मच्छर काटते हैं, तब गांव के अंदर छोटे छोटे बच्चे बिलखते हैं, इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा इनसे प्रार्थना है कि अगर पावर नहीं है तो कम से कम लाईट तो दी जाये ताकि जमींदार दिन भर काम करने के बाद रात को चैन की नींद ले सकें। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे पता लगा है कि 220 के0वी0 का सब स्टे ान मेरे यहां मंजूर हुआ है उसके लिए इस सरकार की बहुत बहुत मेहरबानी। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 132 के0वी0 का पावर हाउस कारथली और 32 के0वी0 का भागल का सब स्टे ान मंजूर हुआ था। चौधरी भजन लाल जी के समय मैं मेरे हल्के के चकू लादाना गांव में 132 के0वी0 सब स्टे ान की आधारि ाला रखी गई थी और उस पर काम भी भुरू हुआ था। उसके लिए वहां ईटें और सरिया वगैरा भी पहुंच गया था लेकिन इस सरकार के आते ही बजाय इसके कि उस पर काम भुरू होता वहां पर जो सामान पडा था वह भी उठा लिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा हल्का जीरी पैदा करने वाला हल्का है इसलिए यहां पर पानी की बहुत ज्यादा जरूरत होती है। मेरे हल्के में नहरों का पानी नहीं मिलता है इसलिए वहां पर पानी की बहुत ज्यादा जरूरत होती है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार से मेरी गुजारि ा है कि उस सब स्टे ान को बनाने के लिए दोबारा काम भुरू किया जाए। इस मामले को लेकर लोग वहां पर ऐजिटे ान करने वाले थे बडी मु कल से मैंने उनको रोका था। मैंने उनको आ वासन दिया था कि इसमें इस बात को विधान सभा सै ान

के दौरान हाउस में रखूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और बात कहना चाहूंगा। मेरे पास कुछ आदमी गुहला चीका ब्लॉ समिति की दुकानों के बारे में ि ाकायत लेकर आए। मैंने उस बारे माननीय मंत्री चौधरी कंवल सिंह जी से भी बात की थी कि ब्लॉक समिति के अंदर 8–10 दुकानें थीं जो किसी अधिकारी और ब्लॉक समिति के चेयरमैन से मिल कर डेढ लाख रूपये प्रति दुकान के हिसाब से कुछ लोगों ने ले ली और एक एक दुकान की 25 हजार की पर्ची काटी और बाकी सवा लाख रूपये प्रति दुकान के हिसाब से वह अधिकारी और चेयरमैन पैसा पी गए। अगर दुकानों की बोली करवाई जाए तो 5–5 या 6–6 लाख रूपयें की एक एक दुकान बिकेगी। इस मामले को लेकर लोगौं में काफी रोश है इसलिए माननीय मंत्री जी भी इस ओर ध्यान देने की कृपा करें और इस मामले के बारे में कुछ कार्यवाही करवायें। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मेरे हल्के में सडकों का बुरा हाल है। फ्लड के दौरान जो सडकें टूट गईं थीं उन पर आज तक कोई भी रोडा तक नहीं लगा है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः दिलू राम जी, आप तीन मिनट के अन्दर कन्कलूड करें।

श्री दिलू रामः उपाध्यक्ष महोदय, टयूबवैल्ज के बारे में मैंने पिछली बार कहा था कि 200–200 फुट की गहराई पर लोगों ने सबमर्सिबल टयूबवैल्ज लगाए हैं। जब भी कोई व्यापारी कोई इण्डस्ट्री लगाता है या कोई फैक्टरी खोलता है तो उसको 30

प्रति ात या 50 प्रति ात सबसिडी दी जाती है लेकिन किसानों को सबमर्सिबल लगाने के लिए कोई सबसिडी नहीं दी जाती है। सबमर्सिबल टयूबवैल लगाने पर डेढ पौने दो लाख रूपये खर्च होतै हैं। सरकार से मेरी प्रार्थना है कि इस खर्चे में किसान को कुछ न कुछ सबसिडी दी जानी चाहिए तथा जो किसान जैनरेटर सैट लेकर आते हैं उन्हें भी सबसिडी दी जानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं मिनी बैंक सोसायटीज के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। मिनी बैंक सोसाईटीज द्वारा जो खाद और दवाईयां किसानों को दी जाती हैं वे बहुत ही घटिया क्वालिटी की और सब स्टैंडर्ड होती हैं। वे समितियां घटिया दवाइयों और घटिया खाद लेने के लिए किसानों को मजबूर करती हैं क्योंकि किसानों ने इसे कर्जा लेना होता है इसलिए मजबूरी में वे इनसे ये चीजें लेते हैं। जो खाद बाजार में मिलती है वह एकदम फ्रै ा होता है और पोलीथीन के कटटों में मिलता है जबकि इन समितियों से जो खाद मिलता है वह जूट के बैग्ज में मिलता है जो कई साल पुराना होता है। यह खाद मजबूरी में किसान को इनसे लेना पडता है। इसी प्रकार से मिनी बैंक सोसाईटीज द्वारा जो कीउे मार दवाइयां दी जाती हैं वे भी घटिया स्टैंडर्ड की होती हैं। इसके अलावा इनके पास एग्रीकल्चरल डिपार्टमैंट की मंजूरी भी नहीं होती है। इन समितियों से ली गई दवाई से कई बार पौधों के पत्ते ही झुलस जाते हैं। मेरे हल्के में इन समितियों से बहुत ही घटिया किस्म की दवाइयां मिलती हैं जिनसे फायदे की जगह नुकसान हो जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि

सरकार को इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। जो इस प्रकार की स्थिति पैदा हुई है उसको सुधारना और ठीक करना सरकार का फर्ज बनता है। उपाध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर मिनिस्टर इस समय हाउस में बैठे हुए नहीं हैं मैं उनसे यह जानकारी चाहता हूं कि इस वर्तमान सरकार के समय में कितने लाईसैंस कीडे मार दवाईयों के दिए गए हैं, कितने सैम्पल्ज लिए गए हैं और कितने सैम्पल्ज फेल हुए हैं और इस बारे में कितने लोगों को पकडा गया है ? इसके अलावा मैं एक और बात कहूंगा कि कैथल के अन्दर नरवानिय बिल्डिंग के पास कुछ खाली जगह पडी हुई थी उस जमीन पर पता नहीं किसने कब्जा करवाया और पता नहीं किसने कब्जा किया है। वहां पर रातों रात 10 दुकानें बना दी गई। उपाध्यक्ष महोदय, अगर उस जमीन का दाम लगाया जाए तो वह काफी कीमत की बैठेगी। (घंटी)

श्री उपाध्यक्षः दिलुराम जी आप बैठ जाएं। जहां आपके बोलने का समय खत्म हो गया है।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): उपाध्यक्ष महोदय, दिलू राम जी ने 132 के0वी0 सब स्टे ान के बारे में कहा था तो मैं इनको उस बारे में बताना चाहूंगा कि यह चतुरदाना में है और इस पर अढाई करोड रूपए का खर्चा आएगा। यह ए0पी0ए0ल 2 में डाला हुआ है और यह अंडर कंसीड्रे ान है।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु (पेहवा): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने वर्श 1998–99 की वार्शिक योजना का लक्ष्य 2260 करोड रूपए का रखा है। यह ठीक है कि एक साल में सरकार कितने खर्चे का इंतजाम कर सकती है यह सरकार को पता है। मैं अपोजी ान का विधायक हूं। मैं 1991 मं पहली दफा और 1996में दूसरी दफा चुनकर आा हूं। पिछली कांग्रेस की सरकार के वक्त में मेरे हल्के पेहवा के साथ भेदभाव किया गया था। पांच साल तक मेरे हल्के की सडकों, पुलों और जिन स्कूलों की बिल्डिंग अनसेफ घोशित की गयी थी उनके लिए कोई काम नहीं किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, गुमथला में 8– साल से एक स्कूल की बिल्डिंग अनसेफ घोशित की हुई है। आज तक उस बारे में कोई कार्यवाही नहीं की गई है और न ही उस पर कोई ध्यान दिया गया है। हां एक बात वहां पर जरूर होती है कि वहां के प्रिंसिपल को हर दो महीने में एक चिटठी चली जाती है कि अगर वहां पर कोई दुर्घटना हुई तो उसका जिम्मेवार प्रिंसिपल होगा। अब आप ही बताएं कि इसमें वह क्या कर सकता है। इस बारे में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। इस सरकार के द्वारा भी वहां पर भेदभाव किया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, सन 1995 में मेरे हल्के में फ्लड आया था और उससे पहले 1993 में भी फ्लड आया था तब से लेकर आज तक वहां की सडकं टूटी हुई पडी हैं। गुहला कांस्टीचुंएसी में भुसला से मेरे गांव पथोया तक एक सडक जाती है। वह 1993 से ही

टूटी हुई है वहां पर लोगों ने मिटटी और पत्थर डाल कर कुछ ठीक किया हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, नई सडकें तो दूर, पुरानी सडकों को भी रिपेयर नहीं किया जाता है। इसी के साथ मैं कृशि के बारे में कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जितनी भी इंडस्ट्रीज हैं उनकी बीमा पालिसी हुई होती है। उनका कोई नुक्सान हो जाता है तो वे बीमा पालिसी के द्वारा वसूल कर लेते है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहूंगा कि इसी तरह से कृशि बीमा भी जरूर होना चाहिए। डिप्टी स्पीकर सर, आज सुबह मेरे एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के जवाब में रैवेन्यू मिनिस्टर ने एक बात कही कि वह इंक्वायरी करवा रहे हैं और उसके बाद उनको मुआवजा दिया जाएगा। लेकिन मुआवजे के रूप में केवल 500 रूपये प्रति एकड के हिसाब से ही दिए जाएंगे। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, यह तो किसान के साथ बहुत ही भददा मजाक है। जिस तरह से पंजाब सरकार ने मुआवजे के रूप में पांच हजार रूपयें प्रति एकड के हिसाब से देने की घोशणा की है वैसे ही मेरी सरकार से मांग है कि हरियाणा में भी किसान को पांच हजार रूपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, बजट स्पीच में एक पैराग्राफ में किसानों की थोडी सी प्र ासा की गयी है कि हरियाणा के किसान बहुत मेहनती हैं और उनकी मेहनत की जवह से ही दालों का उत्पादन बढा है। उपाध्यक्ष महोदय, गेहूं की फसल अप्रैल महीने में कट जाती थी। उसके बाद मई, जून के महीनों में किसान खाली रहते थे और जुलाई में जाकर वे अपनी जीरी लगाते थे लेकिन बादम`

किसानों ने अपनी कडी मेहनत का परिचय दिया और वे जीरी की अगेती फसल लगाने लगे जिसकी वजह से जीरी का काफी उत्पादन हुआ। सर, करनाल और लाडवा साईड में जीरी काफी मात्रा में पैदा होती है। लेकिन वहा ंपर जीरी को मंडियों में खरीदने के लिए कोई भी सरकारी इंतजाम नहीं है। व्यापारियों को उनकी मन मर्जी के हिसाब से किसान उनको अपनी फसल बेचने के लिए मजबूर हैं क्योंकि किसानों के पास अपना कोई गोडाउन नहीं है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह उनकी फसल खरीदने का कोई सरकारी इंतजाम करें। इसी तरह पहले किसान पास बुक के बारे में कहा गया था लेकिन आज तक भी किसानों की कोई पास बुक जारी नहीं की गयी। मैं कल भी सहकारिता मंत्री से इस बारे में मिला था। कृशि ऋणों पर सहकारी बैंक ने केवल दो प्रति ात ब्याज की दर कम की है जो कि बहुत ही कम है इसको 14 परसैंट से घटाकर आठ या दस परसैंट कर देना चाहिए। जैसे पंजाब सरकार ने किसानों को एक लाख रूपये तक का ऋण देने की सुविधा दी है वैसे ही हरियाणा सरकार को भी देना चाहिये। किसानों की आत्महत्याओं के बारे में भी यहां पर जिक्र आया था। उन आत्महत्याओं का दोश केवल इस सरकार पर ही नहीं लगना चाहिये क्योंकि केवल दो सालों यह बात नहीं हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों को जैसी राहत की उम्मीद इस सरकार से थी वैसी राहत किसानों को इस सरकार से नहीं मिलती इसलिए ये आत्म हत्याएं होती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज कई किसानों के बच्चे ऐसे कालेजों में पढते हैं जहां पर उनके साथ

दूसरे अच्छे घरों के बच्चे भी होते हैं। जिनके पास मोटर साईकिल या मोपेड होती है। किसानों के बच्चे भी घर आकर अपने बाप से ये चीजैं मांगते हैं लेकिन किसान उनको देने में असमर्थ होता है इसलिए कई बार इन्हीं बातों को लेकर झगडे भी हो जाते हैं। आज किसानों के बच्चों की इच्छाएं बढ गयी हैं उनके खर्चे बढ गए हैं लेकिन आज किसान की हालत बद से बदतर होती जा रही है। आज की सरकार की वजह से ही नहीं बल्कि पिछली सरकारों की वजह से भी किसान की हालत खराब हुई है। इसी तरह से मैं बाढ के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे यहां पर मारकण्डा नदी के ऊपर पक्का बांध नहीं है वहां पर पक्का बांध बनवाया जाना चाहिए। इसी तरह से बीबीपुर लेक में वाटर लिफट पम्प लगाया जाना चाहिए। जब तक यह नहीं होगा तब तक मेरे हल्के में इरीगे ान के लिए पानी की समस्या बनी ही रहेगी। इसलिए सरकार को इस समस्या की तरफ ध्यान देना चाहिए। (इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मेरा 21 तारीख को एक क्वै चन था लेकिन वह समय की कमी के कारण लग नहीं पाया। मेरा वह सवाल यह था कि पेहवा कांस्टीच्युएंसी में मिडिल, हाई या 10+2 के जितने भी स्कूल हैं उनमें टीचर्ज की कितनी पोस्टस रिक्त हं। इसके जवाब में मुझे 33 स्कूलों के बारे में बताया। इसमें से दस स्कूल ऐसे थे जहां पद रिक्त नहीं थे लेकिन बाकी स्कूलों में टीचर्ज के पद रिक्त थे। मेरे अपने गांव गुमथला में 25 पोस्टस में से टीचर्ज की दस पोस्टस खाली हैं। इसी तरह से और भी कई ऐसे स्कूल हैं जहां पर टीचर्ज के पद रिक्त पडे

हुए हैं। कई गांवों के स्कूलों में टीचर न होने की वजह से बच्चे दूसरे गांवों के स्कूलों में पढने के लिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई के बारे में कहना चाहूंगा। स्पीकर सर, हमारा एरिया पैडी सोईंग एरिया है। अब जीरी की खेाती बहुत ही अगेती होने लग गयी है। स्पीकर सर, राइस भाूट हमें 2–3 और 4 जुलाई तक दिए गए जबकि जून के फर्स्ट वीक में मिल जाने चाहिए थे। पहले जिस रकबे के लिए 6 ईंची राइस भाूट दिए जाते थे अब वहां 4 ईंची या उससे भी कम साईज के दिए जाते हैं। यह हमारे साथ भेदभाव है। इसके अलावा पुराने राइस भाूट को रिन्यू कराने के लिए जो ऐप्लीके ान दी जाती है उसके लिए 1500 रूपये चार्ज किए जाते हैं और नये के लिए 2500 रूपये चार्ज किए जाते हैं। सिर्फ ऐप्लीके ान एक्सैप्ट करने के लिए इतने रूपये चार्ज किए जाते हैं। उसकी रसीद काट कर दी जाती है। मेरी समझ में नहीं आता कि इसमें सरकार का लगता क्या है। यह बिल्कुल गलत बात है ओर ये चार्जिज खत्म होने चाहिएं। पिछले सत्र में पेहवा गुहला के पटटेदारों, फौजी पैं ानरों और स्वतंत्रता सेनानियों को उठाने की बात आई थी। मैंने मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी से उस बारे अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी उनसे बातचीत चल रही है, तेरे को चौधरी नहीं बनने देंगे "तू क्यों खीर में नून डाल रहया सै" मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि जवाब देते समय बताएं कि 6 महीने हो गए हैं सरकार ने उनसे क्या बातचीत की है। बादल सरकार ने मण्ड के इलाके में बसे हुए इस तरह के पटटेदारों, भूतपूर्व फौजियों को जायज कीमतों पर कि तें बांधकर

जमीनों के पटटे दिए हैं, मालिकाना हक दिए हैं। इसी तरह से हमारे यहां के पटटेदारों, फौजी पैं ानरों और स्वतंत्रता सेनानियों को भी उजडने से रोका जाए और उन्हें मालिकाना हक दिए जाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं ऊन बातों पर न जोते हुए कि चौधरी बंसी लाल जी ने क्या क्या वायदे किए थे, एस0वाई0एल0 नहर का जिक्र करना चाहूंगा। स्पीकर सर, हमें इस नहर से बहुत ज्यादा दिक्कत है। पंजाब के राजपुरा इलाके का बरसात का टोटल पानी इस एस0वाई0एल0 नहर के द्वारा कुरूक्षेत्र से साइफन होते हुए कुरूक्षेत्र कांस्टीच्युएंसी के तकरीबन सारे जिले का नुकसान करके नरवाना ब्रांच के नीचे से होकर हमारी जो बीबीपुर लेक है उसमें डालकर हमारे इलाके का बहुत ज्यादा नुकसान करता है। यदि एस0वाई0एल0 कैनाल नहीं बन सकती तो इस पर पंजाब के बार्डर पर बांध लगा दिया जाए। जब कभी इस नहर को बनाया जायेगा एकड दो एकड के टुकडे में बने हुए बांध को हटाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसका फौरन कोई न कोई हल होना चाहिए। स्पीकर सर, सैंटर की पिछली कांग्रेस की सरकार के समय में मैंबर ऑफ पार्लियामैंटस को अपने हलके के विकास के लिए डिवैलपमैंट ग्राट दी गई थी उसके पैटर्न पर यहां भी पिछली कांग्रेस सरकार ने एम0एल0एज0 को वह ग्रांट देनी भाुरू की थी। चौधरी भजन लाल जी ने हर मैम्बर को 20 लाख रूपये वार्शिक ग्रांट देने की घोशणा की थी। हमारी पार्टी ने उसका विरोध किया था और कहा था कि यह रा ि ा कम से कम 50 लाख रूपये होनी चाहिए। हमने वह रा ि ा लेने से इंकार कर दिया था। विकास पार्टी के

विधायकों ने वह 20 लाख रूपये की रा ि ा भी ले ली और बाद में भजन लाल सरकार ने 40 लाख रूपये देना मान लिया तो विकास पार्टी के सदस्यों ने रा ि ा भी ले ली। स्पीकर सर, इनका फर्ज बनता है कि जब इन्होंने उस समय इसका विरोध नहीं किया और वह ग्रांट ली तो अब भी दी जानी चाहिए। इनकी पार्टी के जो एम0पी0 दिल्ली में गए हैं वे भी 2 करोड रूपये ग्रांट लेते हैं जब लेने की बारी आती है ..... देने की बारी आती है तो ये कहते हैं कि हम नहीं दें गे हमारे पास पैसा नहीं है।

श्री अध्यक्षः यह जो झोली कर लेते हैं यह भाब्द रिकार्ड न किये जाएं।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधूः यह डिवैल्पमैंट ग्रांट सरकार 50 लाख की चालू करें। (घंटी) हमारे यहां के किसानों को सिंचाई का पूरा पानी न मिलने के कारण एक फसल बोने का मौका मिल पाता है इसलिए सरकार को दूसरी फसल का मुआवजा किसानों को देना चाहिए। (घंटी) इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, पेहवा में फोर मरला कालोनी और माडल टाउन कालोनी बारि ा होते ही डूब जाती है इसके बारे में हमारे साथ भेदभाव है। उस समस्या का समाधान होना चाहिए। हमारे पेहवा में कोई सब्जी मंडी नहीं है। इस बारे में 1991 से लगातार मैं इस सदन में यह मांग रख रहा हूं लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। पिछली सरकार के वक्त में चौधरी अमर सिंह जी मेरे हल्के में मारकंडा

नदी पर पुल बनाने के लिए ि ालायन्यास कर गए थे लेकिन वह पुल अभी तक नहीं बना है।

नई सरकार ने टयूक्र गांव में मारकण्डा नदी पर पुल बनाने का इस बजट में प्रावधान किया है उसको जल्दी बनाया जाये। अध्यक्ष महोदय, जहां तक वाटर सप्लाई और सीवर प्रणाली को चालू करने की योजना इस बजट में बनाई गई है उस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि जिलावार जिन गांवों की आबादी 5–6 हजार से ज्यादा है उनमें यह प्रणाली चालू की जाये। यह न हो कि यह स्कीम भिवानी जिले तक ही सीमित रहे। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by half an hour ?

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by half an hour.

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will give reply on the Budget Estimates for the year 1998-99.

वित्त मंत्री (श्री चरण दास): अध्यक्ष महोदय, मैं 1998–99 के बजट पर चर्चा में विपक्षी भाईयों ने जो मुददे उठाए हैं उनका जवाब देने के लिए खडा हुआ हूं। 22, 23, 24 तारीख से लगातार बजट पर चर्चा हो रही है। अध्यक्ष महोदय, जो बजट हमने पे ा किया है, उस बजट पर बिजली के बारे में, इरीगे ान के बारे में, एजुके ान के बारे में विपक्षी भाईयों की तरफ से कोई सुजै ान नहीं आया, विपक्षी भाईयों ने बजट की सिर्फ आलोचना की है, कोई सुजै ान नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने और श्री राम बिलास भार्मा जी ने सभी सवालों का विस्तार से जवाब दे दिया है, लेकिन कुछ मुददों पर जवाब मैं भी देना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जब से हरियाणा बना है, हरियाणा में 2260 करोड रूपये की वार्शिक योजना पहली बार सदन में पे ा की गई है। यह सबसे बडी योजना है और पिछले वर्श की 1400 करोड रूपये की वार्शिक योजना से यह 61 प्रति ात ज्यादा है। हमने बजट बनाने से पहले मंथन किया और बडी सोच समझ कर प्रदे ा के अन्दर किस चीज की जरूरत है यह तय कर के ही बजट का प्रावधान किया है। बिजली उत्पादन के लिए हमने 505 करोड रूपये, इरीगे ान के लिए 550.81 करोड रूपये, सो ाल सर्विसिज के ऊपर 590 करोड रूपया खर्च किया है, पिछडे क्षेत्र पर 1844 करोड रूपये और एलायड एग्रिकल्चर के लिए 117 करोड रूपये हमने दिए हैं। हमनु बहुत सोच समझ कर डिवैल्पमैंट ओरिएण्टिड बजट पे ा किया है। अध्यक्ष महोदय, सदन में खुल कर लॉ एण्ड आर्डर पर चर्चा हुई

और मुख्य मंत्री जी ने बडे विस्तार से इसके बारे में बताया है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के माननीय साथियों ने ला एण्ड आर्डर की स्थिति के बारे में बताया परन्तु किसी ने भी यह बताने की कोि ाश नहीं की कि इस स्थिति के बिगडने के कारण क्या हैं। ये कारण राजनैतिक भी हैं, आर्थिक कारण भी हैं और सामाजिक कारण भी है।। लॉ एण्ड आर्डर के बारे में चोरियां वगैरा और दूसरे अपराध होते हैं उनको रोकने में टाईम भी लगता है क्योंकि इसके लिए सोच कर कार्यवाही करने की जरूरत होती है। अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं और भी कहना चाहूंगा कि यदि लॉ एण्ड आर्डर के बारे में बिना तथ्य के ज्यादा बोलते जाएंग तो उससे मासिज पर भी गलत असर पडता है। अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 के बारे में भी मैं सुन रहा था। एस0वाई0एल0 के पानी का बंटवारा होना चाहिए और हमारे हिस्से का पानी हमें मिलना चाहिए। एक ऑनरेबल मैम्बर ने बोलते हुए यह कहा कि हमें इसके लिए दूसरे तरीके अपनाने चाहिएं पंजाब रोडवेज की जो बसें हमारे यहां से गुजरती हैं उन्हें हरियाणा की सडकों से गुजरने नहीं देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की बात ठीक नहीं है। यदि हमें लॉ एण्ड आर्डर की स्थित को ऊंचा रखना है तो हमें बडी सावधानी से पग उठाने होंगे और पूरा मंथन और विचार करने के बाद ही कोई फैसला लेना चाहिए। विपक्ष के भाईयों ने एजुके ान के बारे में, सौ ाल वैल्फेयर, रोडज के बारे में जो जो बिन्दु उठाए हैं, उनका जवाब मंत्रियों ने दे दिया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अपोजी ान के नेता चौधरी ओम प्रका ा

चौटाला जी ने कई मुद्दे उठाए और कहा कि फिफ्थ पे कमी ान सरकार ने दिया है लेकिन बजट में उसके लिए कोई प्रावधान नहीं रखा है जिसको पूरा करने के लिए हम 1500 करोड रूपये के टैक्स लगाने जा रहे हैं। यह तथ्य बिल्कुल गलत है। सरकार ने 1697.95 करोड का प्रावधान किया है इसमें 1101.14 करोड रूपये ऐरियर्ज का बकाया है और उसके अंदर 61 करोड रूपये वे भी हैं जो कि वर्श 1996–97 के देने के लिए हैं और ए0डी0ए0 की कि त भी देनी है। इसके लिए, कोई टैक्स लगाने की बात नहीं है। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी इस बात को स्पश्ट करें। पिछले बजट स्पीच में इन्होंने कहा था कि 628 करोड रूपये पे कमी ान के लिए अलग से रखे गए हैं और उनको केवल 76 करोड रूपये दिये गये हैं। अब इन्होंने 6300 करोड रूपया 7600 करोड रूपये के अगेंस्ट रखा है जो 1300 करोड का डैफिसिट है वह कहां से पूरा होगा। उनको 20–22 प्रति ात तनख्वाहों में जोडें यह पैसा कब तक और कैसे दिया जाएगा। 7600 करोड के अगेन्स्ट 6300 करोड रूपये का प्रावधान रखा गया है। 1300 करोड रूपया तो तनख्वाहों और इन्क्रीमैंटस में चला जाएगा, वित्त मंत्री जी इसका भी स्पश्टीकरण करें।

श्री चरण दासः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने जो सवाल किया है कि पिछले बजट में 628 करोड रूपये का प्रावधान

था वह इन्होंने गलत बताया था और इसका जवाब हमने दिया था तो ये सदन में से चले गए थे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैंने पढ कर सुनाया था तो 628 करोड रूपये थे और इन्होंने 76 करोड रूपये ही उसमें से दिए हैं। मैं तो उस वक्त चला गयाथा तो ये बताएं कि यह पौथा किस बात का है।

श्री चरण दास: चौटाला साहब, आपको तो पता ही नहीं कि बजट कैसे बनता है, किस प्रकार से बनता है। आप हाऊस को गुमराह करते हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, बहुत से विचारों का मंथन हो गया है। अब मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि वर्श 1998–99 के अनुमानों को अनुमोदित किया जाए।

बिल्ज–

(1) पंजाब आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा व्यवसायी (हरियाणा सं ाोधन तथा विधिमान्यकरण) विधेयक, 1998

Mr. Speaker: Now the Ayurveda Minister will introduce the Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1998. He will also move the motion for its consideration.

आयुवेर्दिक राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं पंजाब आयुवेर्दिक तथा यूनानी चिकित्सा व्यवसायी (हरियाणा

सं ाोधन तथा विधिमान्यकरण) विधेयक, 1998 प्रस्तुत करती हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करती हूं कि:–

पंजाब आयुवेर्दिक तथा यूनानी चिकित्सा व्यवसायी (हरियाणा सं ाोधन तथा विधिमान्यकरण) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved :

That the Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, be taken into consideration at once.

श्री सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मेरा इस बारे में कहना है कि इस बिल को क्यों बार बार लाया जा रहा है। यह बिल हर एक दो साल के बाद आता है पिछले 29 सालों से ऐसा हो रहा है। इसको बार बार लाकर क्यों चुनाव को टालते हैं। अध्यक्ष महोदय, हाई कोर्ट का फैसला आया कि जो आर0एम0पी0 हैं वे एलोपैथिक की दवाईयां नहीं बेच सकते हैं अध्यक्ष महोदय, आज बहुत से डाक्टर हैं जिनको हम थैले वाले डाक्टर कहते हैं। ये हजारों की तादाद में है। आज क्या हो रहा है जो डाक्टर आयुर्वेदिक बोर्ड से रजिस्टर्ड हैं वे एलोपैथिक दवाईयां इस्तेमाल नहीं कर सकते। उनके खिलाफ आज ये एफ0आई0आर0 दर्ज करते हैं और उनको पकडते हैं। सरकार को यह सब बंद करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब दूसरी स्टेट में रजिस्ट्रे ान हो रही है तो हमारे यहां पर क्यों बंद है। अध्यक्ष महोदय, आज पी0एच0सी0,

सी0एच0सी0 और डिस्पैंसरियों में डाक्टर्ज नहीं हैं। और आज डाक्टरों की जरूरत है तो हमने क्यों उनकी रजिस्ट्रे ान को बंद कर रखा है। आज गांवों में डाक्टरों की बहुत ही जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, उनको किसी इन्टरव्यू से या किसी टैस्ट के द्वारा रखा जाए। अगर ऐसा होता है तो गांवों में लोगों का ईलाज हो जाएगा। उनके खिलाफ जो फर्जी एफ0आई0आर0 दर्ज की जाती हैं वे बंद की जाएं। इस बारे में कुछ लोग बहन जी को मिले भी होंगे। मैं बहन जी से कहता हूं कि उनको कोई टैस्ट या इन्टरव्यू लेकर उनकी रजिस्ट्रे ान करनी चाहिए।

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, जो सम्पत सिंह जी कह रहे हैं तो मैं इनको बताना चाहती हूं कि यह सैंट्रल कौंसिल का पास किया हुआ ऐक्ट है। वे डाक्टर्ज बिना निर्धारित परीक्षा/ऐग्जोमिने ान के रजिस्टर्ड नहीं हो सकते।

श्री सम्पत सिंह: आप उनको ऐग्जामिने ान करो।

डॉ0 कमला वर्मा: ये ऐग्जामिने ान तो सैंट्रल कौंसिल ने मंजूर किए हुए हैं। वहीं ये निर्णय ले सकती हैं।

श्री धीरपाल सिंह: फिर इसका जो भी समाधान हो सकता वह आप करिए।

डॉ0 कमला वर्मा: स्पीकर सर, यह तो केन्द्र सरकार ने देखना हम इसमें कुछ नहीं कर सकते।

श्री संपत सिंहः स्पीकर सर, एक डाक्टर्ज तो वे हैं जो रजिस्टर्ड नहीं हैं और दूसरे डाक्टर्ज वे हैं जो आलरेडी रजिस्टर्ड हैं। जो आलरेडी रजिस्टर्ड हैं, उनके खिलाफ एलौपैथिक दवाई का नाम लेकर रोजाना एफ0आई0आर0 दर्ज क्यों की जा रही हैं ?

डॉ0 कमला वर्माः स्पीकर सर, एलोपैथिक दवाई इस्तेमाल करेन का जो एक्ट है वह केन्द्र सरकार ने ही पास किया हुआ है। इसलिए हमारे जो भी ड्रग इंस्पैक्टर्ज हैं, वे जगह जगह जाकर ऐसे डाक्टर्ज की चैकिंग करते हैं और उसके बाद ही उनके ऊपर केसिज चलते हैं। इस तरह के डाक्टर्ज एलोपैथिक दवाई इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

श्री सम्पत सिंहः लेकिन जो डाक्टर्ज रजिस्टर्ड हैं उनके ऐग्जामिने ान के बारे में आप क्या करेंगे ?

डॉ0 कमला वर्माः जो डाक्टर्ज आर0एम0पी0 हैं या जो आयुवेर्दिक रत्न हैं या भास्कर हैं, इनको सैंट्रल गवर्नमैंट एलोपैथिक दवाई के इस्तेमाल के लिए आज्ञा नहीं देती हैं। उन्होंने ही इस बारे में एक क्राइटेरिया तय किया हुआ है। मान्यता प्राप्त एग्जामिने ान होने के बाद ही इनकी रजिस्ट्रे ान होती है। अध्यक्ष महोदय, यह मामला तो सैंट्रल गवर्नमैंट के अधीन है। हमारे बोर्ड को इस बारे में कोई अधिकार नहीं है।

श्री सम्पत सिंहः दूसरे स्टेटस में तो ये रजिस्टर्ड हो रहे हैं।

डॉ0 कमला वर्मा: वे तो पैसे लेकर झूठे सर्टिफिकेटस दे देते हैं फिर अन्य प्रान्तों में रजिस्ट्रे ान करा लेते हैं।

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by cluase.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Minister of State fro Ayurveda will moved that the Bill be passed.

Minister of State for Ayurveda (Smt. Kanta): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(2) हरियाणा नगरपालिका (सं ोधन) विधेयक, 1998

Mr. Speaker: Now the Local Government Minister will introduce the Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1998. He will also move the motion for its consideration.

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा नगरपालिका (सं ाोधन) विधेयक प्रस्तुत करती हूं।

मैं यह भी प्रस्ताव करती हूं कि–

हरियाणा नगरपालिका (सं ाोधन) बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

श्री धर्मबीर गाबा: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि हर साल इस एक्ट के अंदर ये अमैंडमैंट आ जाती है। पिछली दफा भी हम वाक आउट करके गए थे, जब ये पंचायत एक्ट नहीं लाए। मैं जानना चाहता हूं कि आखिर गवर्नमैंट चाहती क्या है ? बेसिकली इस एक्ट में 1973 में कांस्टीच्यू ान के अंदर अमैंडमैंट की गई थी। और उसका मकसद सिर्फ यही था कि हमें बेसिक डैमोक्रेसी प्रोवाइड करें और उस डैमोक्रेसी को खत्म करने के लिए हरियाणा वाले बैठे हैं अपनी समझ में यह बात आज तक नहीं आई कि इनको क्या कहें, इन लोगों की तो वह बात है कि ऊंट रे ऊंट तेरी कौन सी कल

सीधी। इनकी कौन सी कल सीधी है अपनी समझ में यह बता नहीं आई। इस बिल की स्टेटमैंट में इसके औब्जैक्ट एंड रीजंस को पढें आप लोगों ने तो उसमें यह प्रोवाइड किया है–

"Section 14 and 22 of the Haryana Municipal Act, 1973 provide a lengthy procedure for removal of President, Vice-President and Members of Committees on various grounds ....."

ये यह भी नहीं चाहते कि कोई आदमी कोर्ट में जाये, ये चाहते हैं कि जल्दी जल्दी उसको सस्पैंड करो, रिमूव करो और खत्म कर दो। स्पीकर सर, आज पंचायतों के अंदर जो हो रहा है उससे मेरे मन में डर है। मेरी कांस्टीच्यूएंसी के अंदर पता नहीं कितने लोगो ंको इन्होंने झूठे मूठे एलीगे ान लगाकर सस्पैंड कर दिया और सिर्फ इस बिनाह पर कि इसने इम्बैजलमैंट की है इसने यह कर रखा है, इसको सस्पैंड कर दो यही सब हर केस में होगा तो डैमोक्रेसी नाम की कोई चीज नहीं रहेगी और जिस मकसद के लिए यह बिल लाया गया था वह मकसद पूरा नहीं होगा। अतः मेरी मुख्यमंत्री जी और मंत्री महोदया से प्रार्थना है कि इस बिल को वापस लें और डैमोक्रेसी जो बेसिक है उसमें लोगों को जीने दें और डैमोक्रेसी प्रोवाइड करें, यही मेरी रिकवैस्ट है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, जैसा गाबा साहब ने कहा, ख्याल तो मेरा भी यही है कि हरियाणा म्युनिस्पल (अमैंडमैंट) बिल वापस लिया जाए। स्पीकर सर, इसके रीजन यह हैं कि यह बिल

अपने आप ही पास नहीं है। यह कांस्टीच्यू ान अमैंडमैंट है। कांस्टीच्यू ान के बतौर गवर्नमैंट ऑफ इंडिया ने इसमें अमैंडमैंट की थी। म्युनिस्पिल और साथ में आपकी लोकल बॉडीज और पंचायतों के दो एक्ट थे और दोनों को ज्यादा पॉवर्ज देने की बात थी। जो एक्ट हैं वे दोनौं के पास किए गए थे। पिछली विधान सभा में स्पीकर साहब, आप भी हमारे साथ मैंबर थे। कांस्टीच्यू ान को बदलने या कांस्टीच्यू ान में अमैंडमैंट लाने वाले लोगों की इच्छा यह थी कि महात्मा गांधी के सपने को पूरा किया जाए पॉवर को डीसैंट्रलाइज किया जाए। सारी पावर्ज एक जगह क्यों हो जाए ? गांव को भी पॉवर जाये और भाहरों को भी जाये। लोकल बॉडीज और पंचायतों को भी पॉवर्ज होनी चाहिए। गवर्नमैंट को अमैंडमैंट तो ये लानी चाहिए थी कि पंचायतों को, ब्लॉक समितियों को और जिला परिशदों को पॉवर देते, उनकी फाईनैंि ायल पोजी ान कुछ सुधारते, कुछ उनके पास बजट बगैरह होता। स्पीकर सर, हालात यह है कि इंस्टीच्यू ान बन तो गई, एक्ट बन तो गया लेकिन जिस उददे य को लेकर एक्ट बनाया गया था वह उददे य एक परसैंट भी पूरा नहीं हुआ है। कहते को तो कह दिया और यहां तक हो गया कि जैसे पंचायतों और म्युनिसिपल कमेटीज के चुनाव हुए तो बहुतौं में ये हो गया कि डी0सी0 की रिपोर्ट जिला परिशद के मैम्बर लिखेंगे, फलाने की रिपोर्ट सरपंच लिखेंगे और हालात ये हो गए कि जो रिपोर्ट वे देंगे उस पर तो ये सस्पैंड हो जाएंगे। डी0सी0 की रिपोर्ट जिला परिशद के सदस्य क्या लिखेंगे ? सस्पैं ान तो पंचायतों में आम

होता है। मैं किसी पर्टिकुलर केस को साइट करके नहीं कह रहा हूं सवाल आज इस गवर्नमैंट का नहीं है, इस मिनिस्टर का भी नहीं है जिसके पास यह महकमा है महकमा तो आज किसी के पास है कल किसी और के पास आ सकता है सरकारें तो आती जाती रहती हैं लेकिन अगर इस तरह से सस्पैंड करने लगे, डायरैक्टर को पॉवर दे दी, चुने हुए आदमी को दे दी तो केसिज तो एम0एल0ए0 और एम0पी0 के खिलाफ भी दर्ज होते हैं केवल मात्र केस दर्ज हो गए, अंडर इंक्वायरी है या अंडर इन्वैस्टीगे ान है He will be suspended by the Director. प्रेजीडैंट भी सस्पैंड हो जाएगा, म्यूनिसिपल काऊंसलर भी सस्पैंड हो जाएगा तो डैमोक्रेसी क्या रह गई है। कहां तो पॉवर्ज की डैलीगे ान करने जा रहे थे, फाइनैंि ायल पावर्ज देने जा रहे थे, क्राइमस को रोकने के लिये कुछ सजा वगैरह की पॉवर्ज देने जा रहे थे वह चीजें तो हुई नहीं है। जो सैंस ऑफ अमैंडमैंट की थी वह सारी की सारी सैंस डिफीट तो पहले ही हो गई है अगर आप उनको सस्पैंड करने वाली अमैंडमैंट और ले आते हैं कि सिम्पली एक डायरैक्टर उनको सस्पैंड कर सकेगा तो कोई भी आदमी किसी के खिलाफ एक क्रिमिनल पर्चा दे दे तो आपको यह मालूम ही है कि केस किस तरह से दर्ज होते हैं। इस तरह यह बहाना लेकर किसी भी म्यूनिसिपल काऊंसलर को या म्यूनिसिपल प्रैजिडैंट को पावर्स देंना तो दूर की बात है, सस्पैंड करने में भी देर नहीं लगेगी। The Enquiry is pending and he is suspended for 6 months. इसमें यह भी नहीं दिया है कि दोबारा कोई रिइंस्टैंट हो सकता है इस

तरह से थोडा गैंप देकर 15–20 दिन बाद एक और कंम्पलेट करवाकर उसको सस्पैंड कर देते हैं। इस तरह से उसका सारा पीरियड तो सस्पैं ान में ही चला जाता है। यह तो टोटली इंडमोक्रेटिक वे है। जो स्थानीय स्व ाासन को मजबूत करने की बजाए हम उसे कमजोर कर रहे हैं। प्रजातंत्र की बेसिक इकाई स्थानीय स्व ाासन है। इसलिए मेरा आपसे तथा सरकार से निवेदन है कि इस बिल को वापस लिया जाये। इस तरह से प्रजातंत्र का गला न घोटा जाये और इंलैक्टिड लोगों को इस तरह से सस्पैंड न किया जाये।

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी ने लोकतंत्र को मजबूत करने की अच्छ बात कही है हमें लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिये। लेकिन आज जो प्रदे ा में प्रधान और उप प्रधान व अन्य पाशर्द हैं वे अपनी मनमानी कर रहे हैं। जिस तरह से आज प्रदे ा में नगर पालिका विव ाता में काम कर रही हैं, जिस प्रकार के आरोप मेरे पास रोजाना आते हैं, उन आरोपों की इंक्वायरी करने में दो दो साल लग जाते हैं और हमारे पास कोई अधिकार नहीं होता कि हम कोई ऐक ान ले लें। हमने इस एक्ट में कुछ नहीं किया केवल पंचायत एक्ट की तरह नगर पालिका को एक अधिकार की बात की है। जिस तरह पंचायत एक्ट में सरपंच जो किसी आरोप से सस्पैंड हो जाता है तो वह 30 दिन के अंदर अपील कर सकता है। उस अपील की सुनवाई से पहले उसे एक नोटिस दिया जायेगा, उस नोटिस का जवाब आने के बाद ही उस

अपील का फैसला किया जायेगा। क्यौंकि कई नगर पालिका के प्रधान दो दो साल तक कोई मीटिंग नहीं बुलाते, जनता के पैसे का दुरूपयोग करते हैं। कहीं वृक्ष कटवा देते हैं और भाहर में नगर पालिका की जमीन पर अवैध कब्जा करवा देते हैं इस तरह भाहर में कोई विकास का काम नहीं हो पाता। इन सारे आरोपों को देखते हुए हम इसमें सं ाोधन ला रहे हैं। अगर कोई प्रधान गलत काम करता है और उस पर गंभीर आरोप लगते हैं तो हमने इसमें सं ाोधन किया है कि डायरैक्टर को यह अधिकार है कि वह प्रधान को निलम्बित कर उसकी अपील 30 दिन के अंदर सुन सकता है और अगर उससे सहमत है तो उस पर फैसला कर सकता है इसमें क्या गलती है मुझे बताइये। (विघ्न)

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by cluase.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

वाक आउट

(At this stage all the members of Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party and the Indiana National Congress Party present in the House staged a walk out as a protest against not having been allowed to speak more on the Bill.)

बिल्ज–

हरियाणा नगरपालिका (सं ोधन) विधेयक, 1998 (पुनरारम्भ)

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Local Government Minister will moved that the Bill be passed.

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करती हूं कि–

विधेयक पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(3) हरियाणा ग्रामीण विकास (सं ोधन) विधेयक, 1998

Development & Panchayats Minister (Sh. Kanwal Singh): Sir, I beg to introduce the Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1998 and I also move-

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill be tkaen into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill be tkaen into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill be tkaen into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by cluase.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Minister for Development & Panchayats will move that the Bill be passed.

Development & Panchayats Minister (Sh. Kanwal Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(4) पंजाब आबकारी (हरियाणा तृतीय सं ाोधन) विधेयक, 1998

Mr. Speaker: Now the Minister for Prohibition & Excise & Taxation will introduce the Punjab Excise (Haryana Third Amendment) Bill, 1998 and he will also move the motion for its consideration.

भाहरी एवं नगर आयोजना मंत्री (सेठ सिरी कि ान दास): अध्यक्ष महोदय, मैं पंजाब आबकारी (हरियाणा तृतीय सं ाोधन) विधेयक, 1998 प्रस्तुत करता हूं।

मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं कि–

इस विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab Excise (Haryana Third Amendment) Bill be tkaen into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab Excise (Haryana Third Amendment) Bill be tkaen into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by cluase.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Prohibition & Excise Minister will move that the Bill be passed.

भाहरी एवं नगर आयोजना मंत्री (सेठ सिरी कि ान दास): स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव करता हूं कि–

विधेयक पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House is adjourned till 9.30 a.m. on Tuesday, the 28th July, 1998.

***18.56 p.m.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Tuesday, the 28th July, 1998)